@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 2 अगस्त 2025

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 263 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अब 7 अगस्त से लगेगा ट्रम्प का टैरिफ

25 प्रतिशत टैरिफ लागू होना था, इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान महंगे होंगे, भारत सरकार बोली किसानों का हित सर्वोपरि... दबाव में नहीं करेंगे समझौता,

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर आज से लगने वाला 25 प्रतिशत टैरिफ अब 7 अगस्त से लगेगा। व्हाइट हाउस ने 1 अगस्त की डेडलाइन खत्म होने से ठीक पहले ही इसका ऐलान किया। कस्टम्स और बॉर्डर प्रोटेक्शन को नए शुल्क वसूलने के लिए जरूरी बदलाव करने का समय मिल सके, इस कारण टैरिफ डेडलाइन को बढ़ाया गया है।उधर, ट्रंप के टैरिफ को लेकर एक सरकारी अधिकारी का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें कहा गया है कि ट्रंप के 25 फीसदी टैरिफ का भारत पर कुछ खास प्रभाव पड़ने वाला नहीं है. भारत द्वारा किसानों, डेयरी और एमएसएमई के साथ समझौता करने की कोई संभावना नहीं है. संशोधित फसलों के आयात को लेकर अनुमति देने की कोई संभावना नहीं है.

ट्रम्प ने रूस से व्यापार के चलते भारत पर पेनल्टी लगाने की भी बात कही थी। हालांकि उन्होंने ये साफ नहीं किया कि ये पेनल्टी क्या होगी या कितनी होगी। अभी औसतन करीब 10 प्रतिशत टैरिफ लगता है। 25 प्रतिशत टैरिफ के कारण भारत से जाने वाले सामान, जैसे दवाइयां, कपड़े और इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स महंगे हो जाएंगे। इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय प्रोडक्ट्स की मांग कम हो सकती है। भारत का अमेरिका के साथ ट्रेड सरप्लस (निर्यात से होने वाला फायदा) भी कम हो सकता है।

भारत दोस्त लेकिन उसका टैरिफ दुनिया में सबसे ज्यादा

भारत हमारा दोस्त है, लेकिन हमने पिछले कई सालों में उनके साथ ज्यादा कारोबार नहीं किया, क्योंकि उनके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं, शायद दुनिया में सबसे ज्यादा। साथ ही उनके यहां गैर-आर्थिक व्यापारिक रुकावटें भी बहुत सख्त और परेशान करने वाली हैं। इसके अलावा, भारत हमेशा से अपनी ज्यादातर सैन्य चीजें रूस से खरीदता है और चीन के साथ रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है। ये सब तब हो रहा है, जब हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन में लोगों को मारना बंद करे। ये सब ठीक नहीं है! इसलिए, भारत को 1 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ और ऊपर बताई गई वजह (रूस से व्यापार) से पेनल्टी भी देनी होगी। ध्यान देने के लिए शुक्रिया। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन!

एग्रीकल्चर, डेयरी पर अमेरिका की नजर

ट्रंप टैरिफ के प्रभाव से परिचित सरकारी अधिकारी ने कहा कि भारत किसानों का हित सर्वोपरि रख रहा है. इससे बढ़कर भारत के लिए अभी कुछ भी नहीं है. भारत अमेरिका के लिए एग्रीकल्चर, डेयरी और एमएसएमई के साथ समझौता नहीं करने वाला है. सीधे शब्दों में कहें तो अमेरिका जिन सेक्टर्स पर टैरिफ कम करने के लिए बार-बार भारत पर टैरिया या अन्य प्रतिबंधों से दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, उस सेक्टर्स के लिए भारत किसी भी मार्केट खोलने को तैयार नहीं है. अधिकारी ने यह भी कहा कि 25 प्रतिशत टैरिफ का मामूली प्रभाव है और यह प्रभाव भारतीय बाजारों पर बिल्कुल भी चिंताजनक नहीं है। अमेरिका भारत से चाहता है कि डेयरी प्रोडक्ट्स के लिए टैरिफ कम किया जाए. ताकि अमेरिका के लिए मार्केट ओपेन हो सके. भारत इसपर बिल्कुल भी सहमत नहीं दिख रहा है. वहीं एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स पर भी टैरिफ खत्म करने या कम करने को लेकर भी अमेरिका भारत पर दबाव बढ़ा रहा है. ताकि भारत में अमेरिकी एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स की एंट्री हो सके.

भारत क्यों नहीं करना चाहता समझौता

कृषि और डेयरी सेक्टर को लेकर प्रमुख सेक्टर मानता है, जिसके तहत अगर वह समझौता करता है तो भारत की इकोनॉमी के लिए खतरा होगा. जिस कारण भारत एग्रीकल्चर और डेयरी पर दूसरे देशों से इम्पोर्ट पर ज्यादा टैरिफ लगाता है, ताकि घरेलू चीजों की डिमांड बनी रहे और विदेशी प्रोडक्ट्स हावी नहीं हो पाएं. अमेरिका ने बुधवार को भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया था, जिसे आज से लागू करने वाला था, लेकिन अब इसकी डेडलाइन को आगे बढ़ा दिया है. अब इसे 1 सप्ताह के लिए टाल दिया गया है. यानी अगली डेडलाइन 7 अगस्त कर दी गई है.

ट्रंप के टैरिफ अटैक के बीच भारत ने एफ-35 फाइटर जेट को खरीदने से किया साफ इंकार

भारत ने इसकी जानकारी अमेरिका को दे दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारतीय उत्पादों के लिए अमेरिका बहुत बड़ा बाजार है, इसके बाद ट्रंप की घोषणा का कारोबार पर असर पड़ने की पूरी संभावना है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने मसले पर बातचीत की मंशा भी जाहिर की है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने अमेरिका के पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 फाइटर जेट को खरीदने से इंकार किया है। नई दिल्ली ने दो टूक कहा कि वह ज्?वाइंट वेंचर के तौर पर पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान डेवपल करना चाहता है। बता दें कि भारत के भरोसेमंद दोस्त रूस ने भी पांचवीं पीढ़ी के एसयू-57 फाइटर जेट मुहैय कराने का ऑफर दिया है। कुछ रिपोर्ट के अनुसार रूस ने तकनीक देन और संयुक्त रूप से पांचवीं पीढ़ी का विमान डेवलप करने का प्रस्?ताव दिया है। एफ-35 फाइटर जेट पर भारत के रुख के बाद रूस का एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट डील में फ्रंट रनर हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट खरीदने को लेकर इच्छुक नहीं है। रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इस बाबत भारत ने अमेरिका को सूचित कर दिया है कि वह एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने का इच्छुक नहीं है। इसका सीधा सा मतलब यह है कि भारत ज्?वाइंट और टेक?नोलॉजी ट्रांसफर के आधार पर डिफेंस डील करना चाहता है। बता दें कि ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एफ-35 लड़ाकू विमान तकनीकी दिक?कतों के चलते केरल में तकरीबन 37 दिनों तक अटका रहा। इसके अलावा कैलिफोर्निया में एफ-35 जेट क्रैश भी हुआ है. इन दोनों घटनाओं से एफ-35 की काबिलियत पर गंभीर सवाल उठे हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर भाषण के लिए पीएम मोदी ने लोगों से मांगे सुझाव

नागरिक अपने विचार माय जीओवी और नमो ऐप के ओपन फोरम करें साझा

नई दिल्ली ।देश भर में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लेकर देशवासियों से संवाद किया और स्वतंत्रता दिवस भाषण के लिए सुझाव मांगे। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट साझा कर लोगों से आग्रह किया है कि वे इस साल के स्वतंत्रता दिवस भाषण के लिए अपने सुझाव और विचार साझा करें। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे अपने विचार माय जीओवी और नमो ऐप के ओपन फोरम के जरिए साझा करें। पीएम मोदी ने लिखा- जैसे-जैसे हम इस साल के स्वतंत्रता दिवस की ओर बढ़ रहे हैं, मैं अपने साथी भारतीयों से सुनने के लिए उत्सुक हूं। आप इस साल के स्वतंत्रता दिवस भाषण में किन विषयों या विचारों को प्रतिबिंबित होते देखना चाहेंगे? पीएम मोदी के वेबसाइट पर भी सुझाव मांगे गए हैं। नरेंद्र मोदी डॉट इन वेबसाइट पर लिखा गया, आपके विचार पीएम मोदी के स्वतंत्रता दिवस भाषण का हिस्सा बन सकते हैं। अभी साझा करें। भारत की आजादी के 79 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आपके पास पीएम मोदी के स्वतंत्रता दिवस संबोधन के लिए बहुमूल्य विचार और सुझाव साझा करने का मौका है। कमेंट सेक्शन में अपने विचार साझा करें। हो सकता है कि पीएम इनमें से कुछ को अपने भाषण में शामिल करें। बता दें पीएम मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से दिए जाने वाले अपने भाषण के लिए देश के लोगों को अपने मत, विचार और सुझाव शेयर करने के लिए आमंत्रित करते हैं। भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर भी पीएम मोदी ने देशवासियों से सुझाव मांगे थे। उन्होंने उन सुझावों का जिक्र अपने भाषण में भी किया था। उन्होंने कहा था कि विकसित भारत 2047, ये सिर्फ भाषण के शब्द नहीं हैं, इसके पीछे कठोर परिश्रम चल रहा है। देश के कोटि-कोटि जनों के सुझाव लिए जा रहे हैं और हमने देशवासियों से सुझाव मांगे और मुझे प्रसन्नता है कि मेरे देश के करोड़ों लोगों ने विकसित भारत 2047 के लिए अनगिनत सुझाव दिए हैं। हर देशवासी का सपना उसमें प्रतिबिंबित हो रहा है, हर देशवासी का संकल्प उसमें झलकता है। युवा हो, बुजुर्ग हो, गांव के लोग हों, किसान हों, दलित हों, आदिवासी हों, पहाड़ों में रहने वाले लोग हों, जंगल में रहने वाले लोग हों, शहरों में रहने वाले हों, हर किसी ने 2047 में जब देश आजादी का 100 साल मनाएगा, तब तक विकसित भारत के लिए अनमोल सुझाव दिए हैं।

रिंकू सिंह से ब्रांड एंबेसडर पद छीना

लखनऊ (एजेंसी)। क्रिकेटर रिंकू सिंह से चुनाव आयोग ने ब्रांड एंबेसडर पद छीन लिया है। वह मतदाता जागरूकता अभियान से जुड़े थे। आयोग ने उनसे जुड़ी सभी प्रचार सामग्री को हटाने का आदेश दिया है। इस बारे में जिला प्रशासन को पत्र भी लिखा गया है। रिंकू की जौनपुर की मछली शहर से सपा सांसद प्रिया सरोज के साथ सगाई हुई थी। इसे कारण बताते हुए चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने कहा- रिंकू की सपा सांसद के साथ सगाई से राजनीतिक पक्षपात हो सकता है। अब उनका जुड़ाव किसी राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ माना जा सकता है। इसलिए सभी सामग्री जैसे- पोस्टर, बैनर, वीडियो और डिजिटल विज्ञापन से रिंकू सिंह की तस्वीरें और नाम हटाए जाएं।

71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा: शाहरुख और विक्रांत मैसी बेस्ट एक्टर, रानी मुखर्जी बेस्ट एक्ट्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ष 2023 के लिए 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा शुक्रवार शाम को की गई। देश भर की फिल्मों, अभिनेताओं और तकनीशियनों को सिनेमा में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार शाहरुख खान (फिल्म 'जवान') और विक्रांत मैसी (फिल्म '12वीं फेल') को दिया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार रानी मुखर्जी को 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' के लिए मिला। '12वीं फेल' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला है। उत्पल दत्ता (असमिया) को सिनेमा, विशेषकर असमिया सिनेमा पर उनके महत्वपूर्ण लेखन के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म समीक्षक का पुरस्कार मिला। गैर-फीचर फिल्म श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र का पुरस्कार 'गॉड वल्चर एंड ह्यूमन' को मिला। इसका निर्देशन ऋषिराज अग्रवाल ने किया है और निर्माण स्टूडियो लीची और डॉ. राजेश चांदवानी ने किया है। फ्लावरिंग मैन (हिंदी) को सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। इसका निर्देशन सौम्यजीत घोष दस्तीदार ने किया है और इसका निर्माण भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान ने किया है। एमआर राजकृष्णन को एनिमल (री-रिकॉर्डिंग मिक्सर) के लिए विशेष रूप से उल्लेखित किया गया है। इस फिल्म में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में थे और इसका निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा ने किया था। फ़ीचर फ़िल्मों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फ़िल्म का पुरस्कार 'अ जैकफूट मिस्ट्री' को मिला। यशोवर्धन मिश्रा द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म नेटफ्लिक्स पर देखने के लिए उपलब्ध है। वैभवी मर्चेंट को आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी का पुरस्कार मिला।

यमन का निमिषा प्रिया मामला संवेदनशील, एमईए ने कहा- भारत सरकार हर संभव मदद कर रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शुक्रवार को पुष्टि की कि यमन के अधिकारियों ने केरल की नर्स निमिषा प्रिया की फांसी की सज़ा स्थगित कर दी है, जिसे 2017 में यमन में हुए एक हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। साथ ही, भारत ने उन मीडिया रिपोर्टों को भी खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि उसकी मौत की सज़ा रद्द कर दी गई है। सरकार ने इस मामले से जुड़ी अपुष्ट रिपोर्टों और गलत सूचनाओं के प्रति भी जनता को आगाह किया। जायसवाल ने कहा कि सरकार निमिषा और उसके परिवार के साथ नियमित संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज दिल्ली में एक साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि हमारे ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप, यमन के स्थानीय अधिकारियों ने उसकी सज़ा की तामील स्थगित कर दी है। हम मामले पर लगातार नज़र बनाए हुए हैं और हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। हम इस मुद्दे पर कुछ मित्र देशों की सरकारों के संपर्क में भी हैं। ऐसी रिपोर्ट्स जो दावा करती हैं कि उसकी मौत की सज़ा रद्द कर दी गई है और उसकी रिहाई के लिए समझौता हो गया है, गलत हैं। यह एक संवेदनशील मामला है और हम सभी पक्षों से गलत सूचनाओं से दूर रहने का आग्रह करते हैं। भारत के कंठपुरम एपी के ग्रैंड मुफ्ती अबुबकर मुसलियार के कार्यालय ने दावा किया कि निमिषा प्रिया की मौत की सज़ा आधिकारिक रूप से रद्द कर दी गई है। नर्स की मौत की सज़ा को पहले अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। केरल के पलक्कड़ ज़िले की रहने वाली 38 वर्षीय निमिषा प्रिया बेहतर रोज़गार की संभावनाओं के लिए 2008 में यमन चली गई थीं। एक प्रशिक्षित नर्स होने के नाते, उन्होंने बाद में यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी के साथ व्यावसायिक साझेदारी की और राजधानी सना में मिलकर एक क्लिनिक चलाया।

बिहार एसआईआर को लेकर संसद में भी हंगामा, राहुल गांधी ने कहा...

अफसर चोरी करा रहे, हम छोड़ेंगे नहीं, चाहें वे रिटायर हो जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के काम का विपक्ष द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है। इस मुद्दे पर संसद में भी काफी हंगामा जारी है। विपक्ष इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा है। विपक्ष इस प्रक्रिया को वोटों की चोरी बताकर खारिज कर रहा है। वहीं चुनाव आयोग इसे अवैध मतदाताओं को वोटर लिस्ट से हटाने की कवायद बता रहा है। फिलहाल इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग वोटों की चोरी में शामिल है और हमारे पास इसके सबूत भी हैं। चुनाव आयोग ऐसे निराधार आरोपों को नजरअंदाज करता है। लगातार दी जा रही धमकियों के बावजूद, हम सभी चुनाव अधिकारियों से कहना चाहते हैं कि वे पहले की तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करें। गैरजिम्मेदाराना बयानों को नजरअंदाज करें।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पिछले 9 दिनों में चुनाव आयोग के अधिकारियों को दूसरी बार धमकाया है। शुक्रवार को संसद से बाहर निकलने पर राहुल ने कहा कि चुनाव आयोग वोटों की चोरी करा रहा है। हमारे पास एटम बम है। जब फटेगा तो चुनाव आयोग बचेगा नहीं। चुनाव आयोग में जो भी वोट चुराने का काम कर रहे हैं, उन्हें हम छोड़ेंगे नहीं। आप हिंदुस्तान के खिलाफ काम कर रहे हैं, जो देशद्रोह है। आप कहीं भी हों, चाहे आप रिटायर ही क्यों न हो जाएं, हम आपको ढूंढ निकालेंगे। इससे पहले 24 जुलाई को राहुल ने कहा था कि मैं चुनाव आयोग को एक मैसेज देना चाहता हूं। अगर आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, अगर आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे बच जाएंगे, तो ये आपकी गलतफहमी है। हम आपको बच के जाने नहीं देंगे।

हमारे पास एटम बम

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे पास इस बात के स्पष्ट सबूत हैं कि चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल है। जल्द ही पूरे देश को इसके बारे में पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग वोट चोरी करा रहा है। हमें मध्य प्रदेश, लोकसभा चुनाव में हमें शक था और महाराष्ट्र में वो थोड़ा आगे गया। एक करोड़ मतदाता जोड़े गए थे।

इसके बाद हमने अपनी ही जांच की और उस जांच में जो मिला है, वो एटम बम है। राहुल गांधी ने कहा कि मैं पूरी गंभीरता से बोल रहा हूं कि ऊपर से नीचे तक जो भी इस काम में शामिल है, हम आपको नहीं छोड़ेंगे। आप भारत के खिलाफ काम कर रहे हैं और यह देशद्रोह से कम नहीं है। आप कहीं भी हों, भले ही आप सेवानिवृत्त हों, हम आपको ढूंढ निकालेंगे।

आलीशान भवन बनाने वाले अफसरों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं दे पाए: सीएम रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली 1 अगस्त। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कश्मीरी गेट स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग परिसर से 'दिल्ली को कूड़े से आज़ादी' अभियान की शुरुआत करते हुए कार्यालय की जर्जर स्थिति पर गहरी नाराज़गी जताई और कहा कि यहां की हालत देखकर वह बेहद व्यथित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है जब दिल्ली के सभी विभागों के लिए एक नया, सुव्यवस्थित और एकीकृत सचिवालय बनाया जाए। इस कार्यालय की हालत देखकर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि यह सोचकर आश्चर्य होता है कि जिन अधिकारियों पर दिल्ली की सुशासन व्यवस्था की ज़िम्मेदारी है, वे खुद इतनी बदहाल स्थिति में कैसे प्रभावी ढंग से काम कर सकते हैं? कार्यालय की छतों से पानी टपक रहा है, फर्नीचर जर्जर है, बैठने के लिए ठीक से कुर्सी नहीं, अलमारियाँ टूटी हुई हैं, और पंखों की स्थिति इतनी खराब है कि किसी भी समय गिर सकते हैं। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि जिस बिल्डिंग में 2021 में आग लग चुकी है, वहां आज तक पूरी तरह मरम्मत तक नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि क्या हम अपने अधिकारियों को जान जोखिम में डालकर काम करने को मजबूर कर रहे हैं? मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जो खुद को 'पढ़ी-लिखी सरकार' कहते थे, वे अपने लिए आलीशान भवन बनाने में लगे रहे। लेकिन अधिकारियों के कामकाज के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा सके। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि अपने कार्यालय पर 70 करोड़ रुपये खर्च करने वालों ने इन विभागों पर दो-चार करोड़ रुपये भी नहीं लगाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब समय आ गया है जब दिल्ली के सभी विभागों के लिए एक नया, सुव्यवस्थित और एकीकृत सचिवालय बनाया जाए। हम आज से ही इस दिशा में कदम उठाएंगे, उपयुक्त स्थान की पहचान की जाएगी जहां नया दिल्ली सचिवालय स्थापित हो सके और सभी विभाग एक ही छत के नीचे कार्य कर सकें। मुख्यमंत्री के अनुसार हम अपने अधिकारियों को अब इस तरह की दयनीय परिस्थितियों में काम करने के लिए नहीं छोड़ सकते।

नागरिकता साबित करने में फेल हो रहे आधार और पैन कार्ड, उठे बड़े सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार सहित देश के कई हिस्सों में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के दौरान सामने आ रही एक बड़ी सच्चाई ने नागरिकता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आमतौर पर पहचान के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दस्तावेज, जैसे कि आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड आदि दरअसल कानूनी रूप से नागरिकता साबित नहीं करते हैं।

यह खुलासा तब हुआ जब राज्य निर्वाचन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या बरकरार रखने के लिए नागरिकता के वैध प्रमाण जरूरी हैं। इस पर कई लोगों ने सवाल उठाए कि जब आधार और वोटर आईडी रोजमर्रा के जीवन में जरूरी हैं, तो क्या वे भारतीय नागरिकता के लिए काफी नहीं?

विशेषज्ञों के अनुसार, आधार कार्ड सिर्फ एक पहचान संख्या है, जो देश में रह रहे किसी भी निवासी को जारी हो सकती है। यह भारत सरकार की नागरिकता की गारंटी नहीं देता। इसी तरह पैन कार्ड करदाता के लिए होता है, चाहे वह भारतीय हो या विदेशी। वोटर आईडी पहचान के लिए इस्तेमाल होता है, लेकिन यह भी फर्जीवाड़े की संभावना के कारण नागरिकता का पुख्ता प्रमाण नहीं माना जाता।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर फिर नागरिकता कैसे साबित हो सकती है? इसके लिए पासपोर्ट, जन्म प्रमाण पत्र (विशेष परिस्थितियों में), नागरिकता प्रमाण पत्र या स्थायी निवास प्रमाण पत्र (डोमिसाइल) जैसे दस्तावेजों को प्राथमिकता दी जाती है। कुछ मामलों में स्कूली प्रमाणपत्र भी मान्य हो सकते हैं, यदि उनमें जन्मस्थान और अभिभावकों की नागरिकता दर्ज हो।

#Boycott Jio जियो का बहिष्कार! हाथी के स्थानांतरण से कोल्हापुर के नंदिनी गांव में उबाल

-वायरल हुई कॉल रिकॉर्डिंग — ये आपके मालिक को पहला झटका है

- 10 हजार लोगों ने छोड़ा जिओ

कोल्हापुर (एजेंसी)। कोल्हापुर जिले के नंदिनी गांव में भारी जनाक्रोश देखने को मिला है, जहां 36 वर्षीय मादा हाथी माधुरी को गुजरात के जामनगर स्थित वंतारा ट्रस्ट में स्थानांतरित किए जाने के बाद स्थानीय लोगों में रोष फैल गया है।

यह स्थानांतरण सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद हुआ, जिसमें स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य मठ की याचिका को खारिज कर दिया गया। मठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें हाई पावर कमेटी के हाथी के स्थानांतरण के निर्णय को वैध ठहराया गया था।

हाथी माधुरी को विदा करते समय गांव की सड़कों पर 10,000 से अधिक लोग नम आंखों से विदा देने पहुंचे। हालांकि भावनात्मक माहौल कुछ ही देर में उग्रता में बदल गया, जब कुछ लोगों ने वाहनों पर पथराव किया और जानवरों की एम्बुलेंस तक को नहीं बख्शा।

बॉम्बे हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस निला गोखले ने कहा कि पशु के जीवन की गुणवत्ता, धार्मिक उपयोग से अधिक महत्वपूर्ण है। पेटा इंडिया की शिकायत के बाद हाई पावर कमेटी की जांच में यह पाया गया कि हाथी की स्वास्थ्य स्थिति बेहद खराब, उसके शरीर पर अल्सर थे और देखरेख में भारी लापरवाही बरती जा रही थी। दूसरी ओर मठ का दावा है कि हाथी 1992 से उनके पास थी और धार्मिक आयोजनों का अहम हिस्सा रही है। लेकिन अदालत ने साफ कहा कि 'परंपरा के नाम पर पशु की पीड़ा को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।'

हाथी माधुरी का मामला पशु अधिकार, धार्मिक आस्था और कॉर्पोरेट के बीच एक नया मोर्चा खोल चुका है। कोर्ट के आदेशों और पशु कल्याण की दिशा में उठाए गए इस कदम का गांव वालों की भावनाओं पर गहरा असर पड़ा है। अब देखना यह है कि यह बॉयकॉट जियो जैसा अनोखा विरोध किस दिशा में जाता है।

-बायकॉट जिओ (#Boycott Jio)

इस घटनाक्रम के बाद नंदिनी गांव में 'बॉयकॉट जियो' नामक अभियान शुरू हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, 10,000 से अधिक लोगों ने जियो से अपने सिम पोर्ट करवा लिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि वंतारा प्रोजेक्ट रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़ा है, जो मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की पहल है।

- वायरल हुई रिकॉर्डिंग

एक वायरल कॉल रिकॉर्डिंग में एक ग्रामीण जियो कस्टमर केयर से कहता सुनाई देता है - हमारे गांव की हाथी आपकी कंपनी के मालिक लेकर चले गए हैं। अब गांव के लोग जियो का बहिष्कार कर रहे हैं। यह आपके मालिक को पहला झटका है।

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर की राष्ट्रपति से मिलेंगे 7 भारतीय मजदूर

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में हाल ही में एक सिंकहोल हादसे में महिला ड्राइवर की जान बचाने वाले सात भारतीय प्रवासी मजदूरों को राष्ट्रपति थरमन शनमुगरत्नम ने 3 अगस्त को इस्ताना प्रेसिडेंशियल पैलेस में होने वाले ओपन हाउस कार्यक्रम में आमंत्रित किया है। इन सभी की बहादुरी की प्रशंसा राष्ट्रपति, मंत्रालय और आम जनता ने की है। इनके लिए 72,241 सिंगापुर डॉलर की राशि दान स्वरूप भी जुटाई गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले भारतीय को सिंगापुर में सजा

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर हाईकोर्ट ने भारतीय नागरिक रामलिंगम सेल्वशेखरन (58) को 11 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और छेड़छाड़ के तीन मामलों में दोषी पाते हुए 14 साल, तीन महीने और दो सप्ताह की जेल की सजा सुनाई है। उसकी उम्र 50 से अधिक होने के कारण उसे बेंत की सजा नहीं दी गई, लेकिन उसके स्थान पर अतिरिक्त कारावास दिया गया। अदालत ने उसके सभी बचाव तर्कों को खारिज कर सजा को सही ठहराया।

इस्राइल में 16 वांछित आतंकी पकड़े गए

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइली सुरक्षा बलों ने यहूदिया और सामरिया में रातोंरात 16 वांछित आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से नौ संदिग्ध यहूदिया में इस्राली नागरिकों पर पत्थरबाजी में शामिल थे। इसके अलावा इस्राइल की आतंकवाद-रोधी सामान्य सुरक्षा सेवा एजेंसी- शिन बेट और इस्राइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने संयुक्त अभियान चलाकर सामरिया के जाबा गांव में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए।

रूस ने इंटरनेट की चिंता के चलते Ookla के स्पीडटेस्ट पर रोक लगाई

मास्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिका की एक कंपनी द्वारा बनाए गए इंटरनेट स्पीड जांचने वाले टूल ओ ओक्ला स्पीडटेस्ट पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसका कारण यह बताया गया है कि इंटरनेट की धीमी गति और सुरक्षा खतरों को देखते हुए यह टूल रूस के लिए खतरा बन सकता है। रूस के संचार नियामक रोस्कोम्नाडज़ोर का कहना है कि स्पीडटेस्ट जैसे टूल से इंटरनेट की स्पीड और डिले का पता चल जाता है, और यह जानकारी दुश्मन देशों द्वारा इस्तेमाल की जा सकती है- जैसे कि दूर से कंट्रोल किए जाने वाले ड्रोन के लिए। रिपोर्ट के अनुसार, स्पीडटेस्ट कंपनी ओ ओक्ला पर पहले भी जुर्माना लगाया जा चुका है क्योंकि उसने रूसी यूजर्स का डेटा रूस के अंदर स्टोर नहीं किया था। अब, रूस सरकार ने लोगों को चेतावनी दी है कि मोबाइल इंटरनेट की स्पीड और कमजोर हो सकती है, खासकर यूक्रेन के ड्रोन हमलों की वजह से। लोगों को सलाह दी गई है कि मोबाइल इंटरनेट की जगह वाई-फाई या केबल इंटरनेट का इस्तेमाल करें।

ट्रंप के लिए सीडीसी की निदेशक नियुक्त हुईं सुसान मोनारेज

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए सीनेट ने अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के निदेशक पद के लिए सुसान मोनारेज की नियुक्ति की पुष्टि कर दी है। 50 वर्षीय मोनारेज को जनवरी में कार्यवाहक निदेशक नियुक्त किया गया था और फिर मार्च में ट्रंप द्वारा अपनी पहली पसंद डेविड वेल्डन को अचानक वापस लेने के बाद उन्हें नामित किया गया। इस संघीय एजेंसी का काम बीमारियों पर नजर रखना और स्वास्थ्य संबंधी खतरों से निपटना है। उन्हें 51-47 वोट मिले।

नेपाल के सांसदों ने विक्रम मिस्री से की मुलाकात

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के सांसदों के एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया कि इस दौरान दोनों पक्ष ने बहुआयामी द्विपक्षीय साझेदारी के विस्तार के अवसरों पर चर्चा की। सोशल मीडिया पोस्ट में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बैठक की कुछ तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कहा, विदेश सचिव ने बुधवार को नेपाल के सांसदों के एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की और पारस्परिक लाभ के लिए बहुआयामी भारत-नेपाल साझेदारी के विस्तार के अवसरों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की भारत यात्रा से पहले हो रही है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि ओली सितंबर के मध्य में भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे और इसकी तैयारियां चल रही हैं।

नेब्रास्का के बायोफ्यूल प्लांट में धमाका, दो लड़कियों समेत एक कर्मचारी की मौत

लिंकन, एजेंसी। नेब्रास्का के एक बायोफ्यूल प्लांट में मंगलवार को जोरदार धमाका हुआ, जिसमें दो लड़कियों और एक कर्मचारी की मौत हो गई। दोनों लड़कियां अपने किसी रिश्तेदार का इंतजार कर रही थीं, जो वहीं काम कर रहा था। हादसे के बाद से फैक्ट्री में आग लगी हुई है, जो बुधवार तक भी बुझ नहीं पाई थी। फ्रेमोंट शहर के मेयर जॉय स्पेलरबर्ग ने बताया कि लड़कियां डॉक्टर के पास जाने से पहले इस फैक्ट्री में आई थीं। उनकी उम्र लगभग 12 साल से कम बताई गई है। डॉज काउंटी के एक पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की कि तीनों लोग एक ही परिवार के सदस्य थे।

ट्रंप की पुरानी आदत है पहले तनाव पैदा करना फिर खुद समाधान बताना', बोले पूर्व अमेरिकी अधिकारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है। हालांकि इसके बाद उनका एक बयान ये भी सामने आया कि वो इस पर भारत से बात कर रहे हैं। वहीं, टैरिफ के फैसले ने दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में नई बेचैनी पैदा कर दी है। ट्रंप के इस कदम को कुछ अमेरिकी पूर्व अधिकारी एक रणनीतिक दबाव की नीति बता रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि दोनों देशों के बीच बातचीत की गुंजाइश अभी भी मौजूद है और समझदारी से काम लिया जाए तो एक ऐतिहासिक समझौता हो सकता है। आइए जानते हैं कि पूर्व अमेरिका अधिकारियों का क्या कहना है।

रे विकरी ने ट्रंप के टैरिफ फैसले पर कहा कि यह उनका जाना-पहचाना तरीका है। वह पहले एकतरफा दबाव बनाते हैं, फिर उसी समस्या का समाधान पेश कर खुद को विजेता के रूप में पेश करते हैं। उन्होंने कहा कि अभी घबराने की जरूरत नहीं है। भारत और अमेरिका दोनों के पास समझदार नेतृत्व है जो बातचीत से रास्ता निकाल सकता है।

वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में आए भारत- रे विकरी : पूर्व अमेरिकी

व्यापार सचिव रे विकरी का कहना है कि रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद उसने भारत और चीन को कम कीमत पर तेल बेचना शुरू किया। इससे भारत को जरूर फायदा हुआ, लेकिन अब भारत को यह सोचना होगा कि एक लोकतांत्रिक राष्ट्र होने के नाते उसका दीर्घकालिक हित किसमें है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों को विविध बनाना चाहिए और वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी चाहिए।

भारत को दुनिया में नेतृत्व दिखाना होगा : विकरी ने यह भी कहा कि ट्रंप के पूरी तरह लेन-देन आधारित रवैये से वैश्विक लोकतांत्रिक नेतृत्व में खालीपन आ गया है। भारत जैसे देश, जो लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखते हैं, उनको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ज्यादा सक्रियता दिखानी चाहिए। इससे भारत को वैश्विक रणनीतिक भूमिका निभाने में मदद मिलेगी।

ट्रंप की उम्मीदों पर नहीं खरी उतरी डील : पूर्व अमेरिकी असिस्टेंट स्टेट सेक्रेटरी और एशिया ग्रुप की पार्टनर निशा बिस्वाल का कहना है कि कुछ दिन पहले तक संकेत मिल रहे थे कि अमेरिका और भारत के बीच 'फेज वन डील' लगभग तय हो चुकी है। लेकिन अब ट्रंप का नया फैसला बताता है कि वह अंतिम दौर की बातचीत में ज्यादा दबाव बनाकर डील को अपने पक्ष में मोड़ना चाहते हैं। उनका मानना है कि यह ट्रंप की एक पुरानी रणनीति है कि पहले तनाव पैदा करना और फिर समाधान पेश कर जीत का दावा करना।

भारत-रूस संबंधों पर ट्रंप की नाराजगी : ट्रंप द्वारा भारत के रूस के साथ रिश्तों की आलोचना को लेकर भी निशा बिस्वाल ने कहा कि यह मतभेद कोई नया नहीं है। अमेरिका हमेशा भारत के पुराने रणनीतिक रिश्तों को समझता रहा है, लेकिन ट्रंप इस बार कम लचीलापन दिखा रहे हैं। उनके अनुसार, यह भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी में एक अस्थायी चुनौती है, न कि विश्वास में कमी का संकेत।

बातचीत जारी रहे, यही दोनों देशों के हित में : निशा बिस्वाल ने साफ कहा कि अमेरिका और भारत को संवाद जारी रखना चाहिए। भारत के लिए अमेरिका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, वहीं अमेरिका के लिए भी भारत एक तेजी से उभरता बाज़ार और रणनीतिक सहयोगी है। ऐसे में दोनों देशों को आपसी मतभेदों को बातचीत से सुलझाना चाहिए ताकि चीन जैसे प्रतिस्पर्धी देशों को पीछे छोड़ा जा सके।

सिंगापुर में नौकरी के लिए पैसे मांगे भारतीय को जेल : सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने भारत के चरणजीत सिंह (20) को धोखाधड़ी और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने का दोषी पाया है। उस पर घरेलू कामगार को उसके रिश्तेदारों के लिए फर्जी नौकरी के प्रस्ताव के लिए 3,700 सिंगापुरी डॉलर मांगने का आरोप लगा था। सिंह को 13 हफ्ते जेल की सजा सुनाई गई है। उसने अक्तूबर 2024 में भारतीय घरेलू कामगार से रिश्तेदारों को नौकरी की अर्जी के लिए रकम मांगी।

गाजा में भोजन का इंतजार रहे फलस्तीनियों पर गोलीबारी, 48 की मौत, अमेरिकी राजदूत विटकॉफ पहुंचेंगे इस्राइल

गाजा, एजेंसी। गाजा में राहत सामग्री वितरण न होने से फलस्तीनी परेशान हैं। भोजन की कमी और कुपोषण के चलते गाजा में हालात बदतर होते जा रहे हैं। गाजा पट्टी में भोजन का इंतजार कर रहे फलस्तीनियों पर गोलीबारी कर दी गई। इसमें 48 फलस्तीनियों की मौत हो गई। जबकि तमाम लोग घायल हो गए। यह हिंसा ऐसे समय में हुई जब अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ गाजा की स्थिति पर बात करने के लिए इस्राइल पहुंचेंगे। अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरण के अनुसार इस्राइल के सैन्य आक्रमण और नाकाबंदी के कारण लगभग 20 लाख फलस्तीनियों के तटीय क्षेत्र में अकाल की सबसे खराब स्थिति पैदा हो गई। कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के कारण सहायता काफिले हताश भीड़ से भर गए हैं। गाजा शहर के शिफा अस्पताल ने बताया कि मृतक और घायल जिकिम क्रॉसिंग पर जमा भीड़ में पर गोलीबारी हुई। एक वीडियो में गोलीबारी में घायल लोगों को लकड़ी की गाड़ियों में ले जाते हुए दिखाया गया है। साथ ही लोगों की भीड़ आटे के बैग लेकर जा रही है। अल-सराया फील्ड अस्पताल ने बताया कि वहां 100 से ज्यादा लोग मृत और घायल हुए हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय की आपातकालीन सेवा के प्रमुख फरेस अवाद ने बताया कि कुछ शवों को दूसरे अस्पतालों में ले जाया गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इस्राइली हमलों और गोलीबारी में रात भर और बुधवार तक कम से कम 48 फलस्तीनी मारे गए। वहीं एक बच्चे समेत सात अन्य फलस्तीनी कुपोषण से संबंधित कारणों से मारे गए। गोलीबारी को लेकर इस्राइली सेना ने कोई जवाब नहीं दिया। सेना ने बस इतना कहा कि वह केवल चरमपंथियों को निशाना बना रही है।

विमान में टर्बुलेंस से यात्री घायल, अमेरिका में डेल्टा विमान की करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डेल्टा एयरलाइंस के एक यात्री विमान की गंभीर टर्बुलेंस के बाद इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। डेल्टा एयरलाइंस के अनुसार, साल्ट लेक सिटी से एम्स्टर्डम जा रही एक उड़ान बुधवार रात गंभीर टर्बुलेंस की चपेट में आ गई, जिससे यात्री घायल हो गए। इसके बाद विमान को मिनियापोलिस-सेंट पॉल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़कर उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

एयरलाइन ने कहा कि मेडिकल स्टाफ ने उड़ान का निरीक्षण किया और 25 यात्रियों को जांच और उपचार के लिए स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। उड़ान के दौरान होने वाली टर्बुलेंस से गंभीर चोटें आनीं दुर्लभ हैं, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण जेट स्ट्रीम में परिवर्तन होने के कारण ऐसे मामले अधिक आम हो सकते हैं। मई 2024 में सिंगापुर एयरलाइंस की एक उड़ान में ऐसी ही एक गंभीर परेशानी आने से आने से एक व्यक्ति की मौत हो ग थी ई, जो कई दशकों में किसी प्रमुख एयरलाइन में टर्बुलेंस के कारण किसी यात्री की मौत का पहला मामला था।

अमेरिकी नौसेना का एफ-35 लड़ाकू विमान क्रैश, पायलट सुरक्षित; लेमूर एयरबेस के पास हुआ हादसा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना का एफ-35 फाइटर जेट कैलिफोर्निया के नेवल एयर स्टेशन लेमूर के पास क्रैश हो गया। नौसेना के बयान के अनुसार, पायलट ने समय रहते अपनी जान बचा ली, फिलहाल वो सुरक्षित है और खतरे से भी बाहर है। यह विमान स्ट्राइक फाइटर स्क्वाड्रन वीएफ-125 रफ रेडर्स से जुड़ा था। इन इकाई वाले विमानों का प्रयोग अधिकतर पायलटों और एयरक्रू को प्रशिक्षण देने के लिए किया जाता है। हादसे के बाद से ही अमेरिकी नौसेना मुस्तैद है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। 100 मिलियन डॉलर का था यह लड़ाकू विमान जो एफ-35 विमान क्रैश हुआ, वह लगभग 100 मिलियन डॉलर यानी करीब 830 करोड़ रुपये की लागत वाला था। यह अमेरिकी नौसेना के लिए डिजाइन किया गया एक विशेष वैरिएंट है जिसे एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ाया जा सकता है। इस विमान को लॉकहेड मार्टिन कंपनी बनाती है और इसे अत्याधुनिक स्टील्थ, रडार अवॉइडेंस और लड़ाकू क्षमताओं के लिए जाना जाता है। प्रशिक्षण स्क्वाड्रन से जुड़ा था विमान नौसेना के अनुसार यह विमान वीएफ-125 रफ रेडर्स नामक स्ट्राइक फाइटर स्क्वाड्रन से जुड़ा था। यह स्क्वाड्रन एक फ्लीट रिप्लेसमेंट यूनिट है, जो नए पायलटों और एयरक्रू को प्रशिक्षित करने का काम करती है। यानी यह विमान किसी मिशन पर नहीं बल्कि प्रशिक्षण उद्देश्यों के तहत

उड़ान पर था। इन देशों के पास है ये लड़ाकू विमान एफ-35 अमेरिका और उसके 19 सहयोगी देशों की पहली पसंद है, जो वैश्विक सुरक्षा को मजबूत करता है और दुनियाभर में खतरों को रोकने की क्षमता देता है। यह लड़ाकू विमान स्थिरता, इंटरऑपरेबिलिटी और बेहतरीन मूल्य प्रदान करता है। ये अमेरिकी सेना के लिए सबसे अहम फिफ्थ जनरेशन फाइटर जेट माना जाता है। इसे अमेरिकी वायुसेना, नौसेना और मरीन कॉर्प्स तीनों अलग-अलग वैरिएंट्स में इस्तेमाल करते हैं। यह साझेदार देशों के बीच तालमेल बढ़ाकर साझा प्रतिरोध को सशक्त करता है। एफ-35 के बढ़ते नेटवर्क के माध्यम से साझेदार देश एकजुट होकर दुनिया में शांति की रक्षा करते हैं। इसकी तकनीक और रणनीतिक क्षमताएं वैश्विक शक्ति संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं।

सुनामी के अलर्ट के बाद लोगों की मदद के लिए ओपरा विन्फ्रे ने नहीं खोली निजी सड़क, यूजर्स ने घेरा

हवाई, एजेंसी। रूस के पूर्वी तट कामचटका प्रायद्वीप में आए 8.7 तीव्रता वाले भूकंप के बाद जानी मानी टीवी शो निर्माता और होस्ट ओपरा विन्फ्रे को सोशल मीडिया पर लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा। लोगों ने आरोप लगाया कि भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई। लोग घरों से निकले, लेकिन ओपरा विन्फ्रे ने हवाई के कुला से वाइलिया को जोड़ने वाली अपनी निजी सड़क को नहीं खोला। सुनामी के अलर्ट के बाद लोग एक साथ सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए निकले तो हवाई में जगह-जगह जाम लग गया। लोगों ने कहा कि अगर ओपरा अपनी निजी सड़क खोल देंती तो लोगों को मदद मिल सकती थी।

बुधवार को रूस में कामचटका प्रायद्वीप के पास शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 8.7 दर्ज की गई। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि सुबह 8:25 बजे भूकंप समुद्र के नीचे उथले इलाके में आया। इसके कारण रूस, जापान, गुआम, हवाई और अलास्का में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। सुनामी की चेतावनी के बाद लोग घरों से सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए निकले। इस दौरान हवाई में जगह-जगह जाम लग गया। लोगों ने जाम में फंसने के दौरान ओपरा विन्फे पर गुस्सा निकाला।

लोगों ने एक्स पर लिखा कि ओपरा हवाई के वाइले से कुला तक अपनी निजी सड़क नहीं खोलेंगी, जिससे स्थानीय लोगों के लिए ऊंचे स्थानों पर पहुंचना आसान हो जाएगा। माउई में भारी यातायात है और हजारों लोग आने वाली भयंकर सुनामी से बचने की कोशिश कर रहे हैं। ओपरा सड़क खोल दीजिए। एक अन्य यूजर ने लिखा कि क्या उसे उत्पीड़ित नहीं होना चाहिए था? उसके पास अपना निजी रास्ता कैसे है? क्या वह महिला और अश्वेत नहीं है? क्या वह अंतर्संबंधता पैमाने पर बहुत उच्च स्कोर नहीं करती है? मुझे यह समझ में नहीं आता। यह मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता

वहीं कुछ लोगों ने ओपरा का समर्थन भी किया। उन्होंने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि उन्होंने कभी सड़क न खोली हो। उन्होंने आग लगने के दौरान इन्हें खोला था। अब वह ऐसा क्यों नहीं करेगी? 2023 में माउई जंगल की आग के दौरान निकासी में मदद करने के लिए अपनी निजी सड़क खोलने के लिए विन्फ्रे की सराहना की गई। हवाई के माउई द्वीप पर ओपरा की कई संपत्तियां हैं।

पाकिस्तान ने चीन से लॉन्च किया रिमोट वाला सैटेलाइट, सीपीईसी पर रखेगा आसमान नजर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने चीन की मदद से एक रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट लॉन्च किया है। इसकी लॉन्चिंग भी चीन स्थित शिचांग सैटेलाइट लॉन्चिंग सेंटर से हुई है। पाकिस्तान की स्पेस एंड अपर एटमॉस्पियर रिसर्च कमिशन यानी एसयूपीएआरसीओ ने इसकी जानकारी गुरुवार को दी है। एजेंसी के प्रवक्ता ने कहा कि यह सैटेलाइट पाकिस्तान और चीन को सीपीईसी की निगरानी में मदद करेगी। इसके अलावा अंतरिक्ष से ही चीन और पाकिस्तान की कई साझा परियोजनाओं पर नजर रखी जा सकेगी। बता दें कि चीन पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर का एक हिस्सा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से गुजरता है, जो वास्तव में भारत का हिस्सा है।

यह सैटेलाइट पीओके पर भी नजर रखेगा और यह भारत के लिए भी एक अलर्ट रहने वाली खबर है। पाकिस्तानी एजेंसी का कहना है कि इस सैटेलाइस से कृषि क्षेत्र की जानकारी जुटाई जा सकेगी। इसके अलावा पर्यावरणीय मसलों का विश्लेषण करने में भी मदद मिलेगी। रणनीतिक महत्व की चीजों पर भी निगरानी रखी जा सकेगी और प्राकृतिक संसधानों का भी प्रबंधन किया जा सकेगा। पाकिस्तानी एजेंसी के प्रवक्ता ने कहा कि सैटेलाइट से हमें पता चलेगा कि कहां पर भौगोलिक बाधाएं और उन्हें कैसे दूर किया जा सकता है।

एजेंसी का कहना है कि रिमोट से संचालित होने वाला पाकिस्तान का यह दूसरा सैटेलाइट है। इससे पहले पीआरएसएस-1 की लॉन्चिंग की गई थी। उसे 2018 में लॉन्च किया गया था। इस नए सैटेलाइट के साथ ही पाकिस्तान के कुल 5 सैटेलाइट अंतरिक्ष की कक्षा में सक्रिय हो गए हैं। पाकिस्तान का कहना है कि इससे हमें स्पेस आधारित मॉनिटरिंग और आपदा प्रबंधन में मदद मिलेगी। बता दें कि पाकिस्तान अंतरिक्ष अभियानों में भी पूरी तरह चीन पर ही निर्भरता रखता है। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि उसका यह सैटेलाइट भी चीन से ही लॉन्च किया गया है।

अफ्रीका और सीरिया में बढ़ा इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा का खतरा, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी गई एक नई रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया है कि इस्लामिक स्टेट (आईएस) और अल-कायदा जैसे चरमपंथी संगठनों का खतरा अफ्रीका के कुछ हिस्सों में सबसे ज्यादा है और अब यह खतरा सीरिया में भी तेजी से बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों आतंकी संगठन सीरिया को भविष्य के लिए एक रणनीतिक केंद्र के रूप में देख रहे हैं जहां से वे बाहरी हमले संचालित कर सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिम अफ्रीका में अल-कायदा से जुड़ा समूह जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) और पूर्वी अफ्रीका में अल-शबाब संगठन लगातार अपने प्रभाव वाले इलाकों का विस्तार कर रहे हैं। इस्लामिक स्टेट के मिडिल ईस्ट में कमजोर पड़ने के बाद अफ्रीका में उनका ध्यान केंद्रित हुआ है। सीरिया में फिर सिर उठा रहा आतंक सीरिया में बशर अल-असद के सत्ता से हटने के छह महीने बाद भी हालात अस्थिर बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वहां दोनों आतंकी संगठनों के खतरे बढ़ते जा रहे हैं। दिसंबर 2023 में दमिश्क पर कब्जे की सैन्य कार्रवाई में 5,000 से ज्यादा विदेशी आतंकियों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। यूरोप और अमेरिका पर भी खतरा बरकरार विशेषज्ञों ने कहा कि यूरोप और अमेरिका के लिए इस्लामिक स्टेट का खतरा अब भी गंभीर है। अमेरिका में कई आतंकी साजिशें आईएसआईएस से प्रेरित पाई गई हैं, जिनमें सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स के जरिए कट्टरपंथ फैलाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, न्यू ऑरलियन्स में एक हमले में 14 लोगों की मौत और मिशिगन में

एक सैन्य ठिकाने पर हमले की योजना नाकाम की गई। आर्थिक संकट में हैं आतंकी संगठन रिपोर्ट में बताया गया है कि आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट को फंडिंग में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उनके लड़ाकों की सैलरी 50-70 डॉलर प्रति माह तक घटा दी गई है, जो पहले से कहीं कम है। परिवारों को दी जाने वाली राशि भी अब केवल 35 डॉलर है और वह भी नियमित रूप से नहीं दी जा रही। फंडिंग के लिए अपनाए जा रहे नए तरीके रिपोर्ट में बताया गया कि ये आतंकी संगठन धन जुटाने के लिए क्षेत्रीय संसाधनों का दोहन, समुदायों पर टैक्स, फिरौती के लिए अपहरण और व्यापारिक नेटवर्क का इस्तेमाल करते हैं। साथ ही अब वे महिला दूतों और हवाला जैसी प्रणालियों के जरिए फंड ट्रांसफर कर रहे हैं ताकि पहचान से बचा जा सके।

हरियाणा मंत्रिमंडल ने महिला एवं बाल विकास विभाग के ग्रुप बी सेवा नियमों में संशोधन को दी मंजूरी

चंडीगढ़: हरियाणा मंत्रिमंडल की आज यहाँ मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग, ग्रुप बी सेवा नियम, 1997 में प्रमुख संशोधनों को मंजूरी दी गई, ताकि इन्हें वर्तमान प्रशासनिक और भर्ती आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा सके। इन संशोधनों में पदों के नामकरण, वेतनमान, शैक्षणिक योग्यता में परिवर्तन तथा विभागीय सेवा नियमों में नवसृजित पदों को शामिल करना सम्मिलित है। पूर्व सरकारी अधिसूचनाओं के अनुसार, बाल विकास परियोजना अधिकारी (महिला) और कार्यक्रम अधिकारी (महिला) के पदों का आधिकारिक नाम बदलकर क्रमश: महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी (महिला) और जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला) किया गया है। इसे दर्शाने हेतु विभागीय नियमों में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, विभागीय सेवा नियम, 1997 के नियम 14 को हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम, 1987 के स्थान पर संशोधित 2016 नियमों से प्रतिस्थापित किया गया है। चरखी दादरी जिले के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं अधीक्षक, तथा पपलोहा (पिंजौर) स्थित पंजीरी प्लांट के प्रबंधक सहित नवसृजित पदों को भी सेवा नियमों में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, मौजूदा नियमों में वेतनमानों को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप अद्यतन किया गया है। भर्ती प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से, हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) की आपत्तियों के बाद महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी (महिला) पद हेतु 50% कोटे के साथ दो अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताओं के प्रावधान को हटा दिया गया है। इसी प्रकार, उप निदेशक पद पर सीधी भर्ती के लिए यूजीसी-नेट उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता को भी समाप्त कर दिया गया है। यह निर्णय एचपीएससी द्वारा योग्यता मानदंडों को संशोधित करने की सिफारिशों के अनुरूप लिया गया है।

लाडो सखी योजना देगी बेटियों को सम्मान, लिंगानुपात में आएगा सुधार- कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा

कौमी पत्रिका

यमुनानगर। हरियाणा सरकार कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा प्रदेश में लाडो सखी सहित अनेक योजनाएं शुरू करने का स्वागत

किया है। उन्होंने कहा कि तीज के अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऐसी जनहित की कई घोषणाएं करके हर वर्ग का हितैषी होने का प्रमाण दिया है। खासकर लाडो सखी योजना महिलाओं को सम्मान देने व लिंगानुपात में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि तीज के अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडो सखी योजना का शुभारंभ करने की घोषणा की है। इसके तहत प्रदेश में गर्भवती बहनों की देखभाल के लिए लाडो सखियों को लगाया जाएगा। लाडो सखी योजना के तहत हर लाडो सखी को एक हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि योजना के तहत आंगनवाड़ी को नवीनतम तकनीक से लैस करने के लिए बढ़ते कदम डिजिटल वॉल कार्यक्रम की शुरुआत की घोषणा भी की गई है। यह कार्यक्रम नन्हे बच्चों की देखभाल और शिक्षा में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का अनुसरण करते हुए लिंगानुपात सुधारने व बेटियों को उचित सम्मान देने के लिए लगातार प्रयत्नशील है और इसी का नतीजा है कि लिंगानुपात में तेजी से सुधार हो रहा है। हरियाणा सरकार कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि इसके अलावा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा प्रदेश में 131 महिला सांस्कृतिक केंद्रों का उद्घाटन किया, हस्तशिल्प में श्रेष्ठ काम करने वाली बहन बेटियों को भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत हरियाणा स्टार्टअप नीति में 50 प्रतिशत लाभार्थी महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप होंगे, छोटी उम्र में उद्यमशीलता में रुचि को बढ़ाने के लिए छात्राओं को 10 हजार ड्र इट योरसेल्फ किट वितरित करने, महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले स्टार्टअप्स के लिए की नई योजना की शुरुआत करने, इस योजना के तहत महिलाओं को 50 हजार से 1 लाख रुपए तक की मदद की घोषणा करने, हरियाणा की महिलाओं को रोजगार देने वाली इकाइयों को अतिरिक्त सब्सिडी देने की भी की घोषणा की है जो स्वागत योग्य है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को एक राशन डिपो देने की भी घोषणा की है जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार वास्तव में नायाब सरकार है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग साथ रहें।

सरकारों ने शहीदों की सिर्फ़ तस्वीरों का इस्तेमाल किया, उनके सपने पूरे नहीं किए

फगवाड़ा। बहुजन समाज के गौरव राष्ट्रीय शहीद उधम सिंह जी की 85वीं पुण्यतिथि पर गाँव कटारिया स्थित शहीद उधम सिंह पार्क में बसपा पंजाब महासचिव प्रवीण बंगा ज़ोन इंचार्ज लुधियाना के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व और क्षेत्रवासियों ने उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रवीण बंगा के अलावा बसपा पंजाब समन्वयक श्री गुरनाम चौधरी, बंगा विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष मास्टर सतपाल रतनदा, वरिष्ठ नेता अजीत राम गुणाचौर, महिंदर पाल पटवारी, ज़िला युवा नेता कुलदीप बेहराम भी पहुँचे। बसपा नेता गुरनाम सिंह और प्रवीण बंगा ने शहीद उधम सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उधम सिंह जी ने 20 साल बाद लंदन में जनरल डायर को मारकर जिल्लियाँ वाले बाग़ के निहत्थे पंजाबियों के खूनी नरसंहार का बदला लिया। उन्होंने देश को आजाद कराने के लिए हंसते-हंसते फांसी की रस्सी को चूम लिया, लेकिन देश की आजादी के 78 साल बाद भी समय की सरकारों ने शहीदों को उचित सम्मान नहीं दिया और न ही शहीदों के सपनों को साकार किया, केवल शहीदों की तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया है और शहीदों के सपनों का हनन किया जा रहा है। बसपा नेता प्रवीण बंगा ने कहा कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में जब 1995 में पहली बार बहन कुमारी मायावती जी के नेतृत्व में बसपा की सरकार बनी तो शहीद उधम सिंह जी के नाम पर जिला बनाकर उन्हें उचित सम्मान देकर इतिहास रचा गया। बसपा द्वारा शुरू की गई पंजाब संभालो मुहिम का समर्थन करने की अपील की ताकि शहीदों के

सपनों को साकार किया जा सके। इस अवसर पर बंगा हलका अध्यक्ष सतपाल रटैंडा ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की और आयोजकों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर इंद्रजीत अटारी, धर्मपाल तलवंडी, प्रकाश फराला, मलकीत मंढाली, परमजीत मेहसामपुर, परमजीत सिंह दोसांझ, जगतार सिंह चक्रमू, तीरथ कलसी, अवतार लादियां, परविंदर कलसी, प्रेम कलसी के अलावा क्षेत्रवासियों और ग्रामीणों ने भी शहीद उधम सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

परिवहन मंत्री अनिल विज के सुझाव को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपनी सहमति दी

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि 26 और 27 जुलाई, 2025 को हरियाणा के विभिन्न शहरों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सी ई टी) परीक्षा में सेवाएं देने वाली बसों के अंदर अब आम यात्री भी सफर कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उनके सुझाव को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपनी सहमति/मान लिया है क्योंकि 27 जुलाई को हरियाणा में तीज का त्यौहार है और इस त्यौहार के दिन ज्यादातर लोग अपने परिवार के साथ आवागमन करते है। उन्होंने कहा कि आम जनता के लिए सुचारू, निर्बाध और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन सेवाएं सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए श्री विज ने बताया कि इस बारे में उनके द्वारा मुख्यमंत्री को लिखा गया था, जिस पर मुख्यमंत्री ने परिवहन मंत्री की राय पर सहमति जता दी है। परिवहन मंत्री द्वारा लिखी गई राय के अनुसार मुख्यमंत्री सहमत हो गए हैं क्योंकि तीज-त्योहारों पर आम जनता को असुविधा न हो। इसलिए, जिन बसों का शेड्यूल और रूट सीईटी अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित किया गया है, उनमें आम जनता को भी अब यात्रा करने की अनुमति दी गई है। श्री विज ने अपने सुझाव में मुख्यमंत्री को लिखा था कि उनकी राय में यह उचित नहीं है कि 26 और 27 जुलाई को 20% बसें पूरे हरियाणा का भार नहीं उठा सकतीं। चूँकि उस दिन तीज-त्योहारों के अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक यात्रा करते हैं, इसलिए, आम जनता के लिए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जानी चाहिए, जिस पर मुख्यमंत्री सहमत हो गए है। उल्लेखनीय है कि एचएसएससी सीईटी की लिखित परीक्षा के लिए यात्रा सुविधा की व्यवस्था के संबंध में परिवहन मंत्री द्वारा एक प्रस्ताव के जवाब में पूछ गया था कि एचएसएससी द्वारा 26 और 27 जुलाई, 2025 को आयोजित की जा रही सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के मद्देनजर, सभी पंजीकृत सीईटी उम्मीदवारों को राज्य भर में परीक्षा में शामिल होने के लिए मुफ्त यात्रा सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। श्री विज के अनुसार यह भी बताया गया कि हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 27 जुलाई, 2025 को तीज का उत्सव भी है, जो हरियाणा में व्यापक रूप से मनाया जाने वाला सांस्कृतिक और धार्मिक त्योहार है, जिसके दौरान बड़ी संख्या में नागरिक, विशेषकर महिलाएं, परिवार और मंदिरों में दर्शन करने के लिए यात्रा करती/करते हैं। इसलिए, आम जनता के लिए सुचारू, निर्बाध और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन सेवाएं सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अतः यह निर्धारित करना आवश्यक है कि आम जनता और यात्रियों की सुविधा के लिए उनके धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, दिन-प्रतिदिन और अन्य पारिवारिक समारोहों आदि में शामिल होने के लिए क्या वैकल्पिक और विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि इन दिनों उन्हें किसी भी असुविधा और बाधा का सामना न करना पड़े।

ग्रीस से 48 वर्षीय हरजिंदर सिंह का पार्थिव शव अमृतसर पहुंचा

अमृतसर, 1 अगस्त- जिला शहीद भगत सिंह नगर की तहसील बलाचौर के निकटवर्ती गांव धोल के साथ संबंधित 48 वर्षीय हरजिंदर सिंह पुत्र दिलबाग सिंह का पार्थिव शव आज सुबह श्री गुरु रामदास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अमृतसर में पहुंचने के बाद सरबत का भला चैरिटेबल ट्रस्ट की मुफ्त एंबुलेंस सेवा द्वारा उसके घर भेजा गया। इस सबंध में जानकारी देते हुए दुबई के प्रसिद्ध कारोबारी और सरबत का भला चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख डॉक्टर एस.पी सिंह ओबरॉय ने बताया कि हरजिंदर सिंह भी अन्य युवाओं की तरह अपने परिवार के बेहतर भविष्य के लिए करीब पिछले 20 वर्षों से ग्रीस में मेहनत कर रहा था। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार ने उनकी अमृतसर टीम के साथ संपर्क करके बताया था कि गत 14 जुलाई को ग्रीस में हुए एक दर्दनाक मोटरसाइकिल हादसे दौरान हरजिंदर सिंह की मृत्यु हो गई है। उन्होंने बताया कि आज सुबह अमृतसर हवाई अड्डे से पार्थिव शव पीड़ित परिवार की उपस्तिथि में ट्रस्ट के नुमांइदे राजबीर सिंह की तरफ से प्राप्त करके ट्रस्ट की मुफ्त एंबुलेंस सेवा द्वारा उसके घर तक भेजा गया है। डॉ. ओबरॉय ने यह भी बताया कि हरजिंदर सिंह अपने पीछे करीब 95 वर्षीय बुजुर्ग माता-पिता के अलावा अपनी पत्नी, बेटी और बेटे को छोड़ गया है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की संबंधित जिला टीम द्वारा जल्द ही परिवार की आर्थिक हालत से अवगत करवाने के बाद हरजिंदर सिंह के परिवार को जरूरत अनुसार मासिक पेंशन भी दी जाएगी। गौरतलब है कि डॉ. ओबेरॉय की अगुवाई में अब तक 421 के करीब बदनसीब युवाओं के पार्थिव शव उनके परिजनों तक पहुंचाए जा चुके हैं और पिछले कुछ समय से हवाई अड्डा अमृतसर से मृतक शव घरों तक पहुंचाने के लिए मुफ्त एंबुलेंस सेवा भी शुरू की गई है।

उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा— वोकल फॉर लोकल से साकार होगा विकसित भारत का सपना

चंडीगढ़, 29 जुलाई। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए वोकल फॉर लोकल मंत्र को अपनाना अनिवार्य है। इसी दिशा में लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने हेतु राज्यों में उद्योग विभाग के अंतर्गत एमएसएमई निदेशालय की स्थापना की गई है। राव नरबीर सिंह आज यहां हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित एनआईसी केंद्र, चंडीगढ़ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के एमएसएमई अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उद्योग मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि कलस्टर मॉडल के माध्यम से लघु उद्योगों को सशक्त किया जाए। केंद्र सरकार ने इसके लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें राज्यों की हिस्सेदारी व सब्सिडी प्रावधान भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेवारी बनती है कि इन योजनाओं की जानकारी उद्यमियों व आमजन तक समय रहते पहुंचाई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अधिकारी अपने व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाएं। उन्होंने कहा उद्यमी आपसे कुछ मांगने नहीं, बल्कि राज्य को देने आया है। इसलिए उसे सम्मान और सहयोग मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उद्यमियों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए सभी आवश्यक दस्तावेज एक बार में ही तैयार कर मुख्यालय को भेजे जाएं। उद्योग मंत्री ने सभी डिस्ट्रिक्ट मैनेजर कॉर्डिनेटर्स को निर्देश दिए कि वे हर 15 दिन में अपने जिलों के उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करें। उन्होंने कहा कि बैठकें केवल कार्यालयों तक सीमित न रहें, बल्कि सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित की जाएं, और उनके आयोजन की सूचना स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से पहले से दी जाए। बैठक में उद्योग मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की एक विस्तृत बुकलेट तैयार की जाए और उसे हर संबंधित हितधारक तक वितरित किया जाए। बैठक में मंत्री ने जिन योजनाओं व कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की उनमें हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति 2020, राज्य मिनी क्लस्टर विकास स्कीम, पदमा योजना, प्लग एंड प्ले स्कीम के अंतर्गत कलस्टर निर्माण, हरियाणा आत्मनिर्भर टैक्सटाइल पॉलिसी 2022-25, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की पीएम-एफएमई योजना शामिल है।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक श्री डी. के. बेहरा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे

चंडीगढ़, 29 जुलाई। भारत सरकार के नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के छह सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन, चंडीगढ़ का दौरा किया। आयोग के मुख्य आयुक्त श्री टी.सी. गुप्ता के नेतृत्व में आयोग के अधिकारियों द्वारा प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के महानिदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार बागड़े,आईएएस द्वारा किया गया। इस दौरे का उद्देश्य राइट टू सर्विस अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन में राज्यों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान के साथ-साथ हरियाणा राज्य में सेवाओं की समयबद्ध डिलीवरी की दिशा में किए जा रहे नवाचारों को समझना रहा। मुख्य आयुक्त श्री टी.सी. गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल को आयोग की कार्यप्रणाली, कानूनी ढांचे, शिकायत निवारण तंत्र, और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स जैसे ऑनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम, ऋड्ढस् डैशबोर्ड, तथा सेवा प्रदाय में विफल रहने पर दंडात्मक कार्रवाई की व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि आयोग द्वारा ऑटो अपील की व्यवस्था भी की गई है, जिससे नागरिकों को स्वत: ही न्याय प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आने वाले समय में और अधिक नागरिक सेवाओं को आयोग के अधिकार क्षेत्र में लाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थियों को समयबद्ध सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। बैठक में दोनों संस्थानों हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन और नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के अधिकारी उपस्थित रहे। उपस्थित अधिकारियों के बीच सेवा वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिकोन्मुख बनाने पर सार्थक विमर्श हुआ। नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के अधिकारियों ने हरियाणा में राइट टू सर्विस अधिनियम के क्रियान्वयन की प्रगति की सराहना की और इसे अन्य राज्यों के लिए एक प्रेरणास्पद मॉडल बताया। उन्होंने आयोग की डिजिटल पहलों और संस्थागत नवाचारों को नागरिक अधिकारों की रक्षा और सुशासन की दिशा में अत्यंत प्रभावशाली कदम बताया। अंत में, मुख्य आयुक्त श्री टी.सी. गुप्ता ने नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए आशा जताई कि इस प्रकार की आपसी सहभागिता देशभर में राइट टू सर्विस अधिनियमों की प्रभावशीलता को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

इफको द्वारा नैनो तरल खादों के उपयोग और महत्व पर कार्यशाला

अमृतसर। भारतीय किसानों की विश्वस्तरीय सहकारी खाद संस्था इफ्को द्वारा अमृतसर में नैनो तरल खादों के उपयोग और उनके महत्व पर एक कार्यशाला का आयोजन जिला कृषि कार्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. बलजिंदर सिंह भुल्लर ने की। कार्यक्रम में इफ्को के स्टेट मार्केटिंग मैनेजर श्री हरमेल सिंह सिद्धू (चंडीगढ़) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इफ्को के फील्ड अधिकारी शमशेर सिंह ने आए हुए अतिथियों, ब्लॉकों से आए कृषि अधिकारियों, खाद रिटेलरों, अग्रणी व प्रगतिशील किसानों का स्वागत करते हुए इफ्को के उत्पादों और उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र नाग कलां, जहांगीर से आए वैज्ञानिक डॉ. राजन भट्ट ने मृदा स्वास्थ्य, परंपरागत खादों की अनावश्यक उपयोग को कम करने और विकल्पिक खादों के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने इफ्को की नैनो तरल खादों के ट्रायल्स की चर्चा की और इनके भविष्य में आने वाले सकारात्मक परिणामों की जानकारी दी। इसके बाद श्री हरमेल सिंह सिद्धू ने इफ्को के उद्देश्यों और उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने परंपरागत खादों के अंधाधुंध उपयोग के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए संतुलित खाद उपयोग और आने वाले समय में संभावित खाद संकट की दृष्टि से नैनो यूरिया प्लस, नैनो डी.ए.पी. जैसी उन्नत खादों के उपयोग पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि इफ्को की नैनो तरल खादें परंपरागत खादों की तुलना में खेती की लागत घटाकर उत्पादन बढ़ाने का एक बेहतर विकल्प हैं। इनका उपयोग पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों को प्रदूषित होने से बचा सकता है। उन्होंने अपील की कि किसानों को इन खादों के सही और पूर्ण उपयोग की जानकारी दी जानी चाहिए, ताकि अधिकतम लाभ मिल सके और खाद संकट से निपटने में भी मदद मिले। जिला मुख्य कृषि अधिकारी ने इफ्को उत्पादों की सराहना करते हुए इस जानकारीयुक्त कार्यशाला की प्रशंसा की और परंपरागत खादों की पूर्ति के लिए विकल्पिक खादों के उपयोग पर बल देते हुए सभी से आग्रह किया कि इन खादों की जानकारी स्वयं रखें और किसानों तक पहुँचाएं। प्रगतिशील किसान सतनाम सिंह, गांव राजियां ने इफ्को नैनो उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इनका उपयोग कर परंपरागत खाद की मात्रा घटाकर अच्छा लाभ प्राप्त किया है। निशान सिंह, गांव बोपाराय ने इफ्को की जैविक खादों व नैनो खादों के उपयोग से अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने मक्का की फसल पर परंपरागत खाद की जगह नैनो खाद का प्रयोग कर लाभ उठाया।

NAME CHANGE

I, AKANKSHA SHRIKANT GHOSPURIKAR W/O AMARISH AVINASH HIRALIKAR R/O B1/405,G21 AVENUE VATIKA INDIA NEXT, SECTOR-83, GURGAON, HARYANA-122004, HAVE CHANGED MY NAME TO AKANKSHA AMARISH HIRALIKAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public at large that Mr. Tanuj Nayanam, our client, has approached IDBI Bank Ltd. for a home loan against the property bearing Residential Society Built-up No. 406, Fourth Floor, admeasuring 157.94 Sq. Mtrs., situated in the layout plan of Indian Airlines Officers & Engineers CGHS Ltd., known as Maitri Apartments, built on Plot No. 17, Sector 10, Dwarka, New Delhi - 110075. At present, the said property stands in the name of Mrs. Poonam Bhardwaj. It is further brought to the notice of the public that the Original Sale Deed dated 03.07.2007, executed by Mr. Jai Deep Singh in favour of Ms. Sangeeta Bhowal in respect of the aforementioned property, and registered as Document No. 7223, Book No. 1, Volume No. 3799, Pages 154-168 at the office of Sub-Registrar IX, Delhi, is reported to be lost/missing. The said property is proposed to be mortgaged with IDBI Bank Ltd. for the purpose of availing the home loan. Any person(s), including banks, financial institutions or any other individual/entity having any claim, right, title, interest, objection, demand or encumbrance of any nature whatsoever (whether by inheritance, mortgage, charge, lien, possession, lease, assignment or otherwise) in respect of the said property or any part thereof, are hereby requested to notify the same in writing along with documentary evidence to the undersigned within 7 (seven) days from the date of publication of this notice. Failing which, it shall be presumed that there are no such claims or objections, and the same shall be deemed to have been waived and forfeited for all intents and purposes.

Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. 247, Ground Floor, Vipin Garden, Uttam Nagar New Delhi-110059
Mobile no. 9717780057.

NAME CHANGE

I, QAISER JAHAN W/O MEHFUZ AHMED residing at HOUSE NO-64, GALI NO-1, RAMGHAT, WAZIRABAD, DELHI-110084 have changed my name to KAISAR JAHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MEHFOOZ AHMAD / MEFUZ AHMED S/O ABDUL AZIZ residing at HOUSE NO-64, GALI NO-1, RAMGHAT, WAZIRABAD, DELHI-110084 have changed my name to MEHFUZ AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as ANKUR S/o RAMKISHOR, R/o Rasoolpur Tank, Deoband, Saharanpur, Uttar Pradesh-247554, have changed my name and shall hereafter be known as SUNNY.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client Shri Madan Sahani, S/O: Shri Swami Nath Sahni R/O: C-2/182, Gali No.12, Nagli Vihar Extn. Baprola, Najafgarh, West Delhi, Delhi-110043, has disowned, debarred, discarded all her relations to son Sunny Sahani D.O.B. 02/02/2001, Aadhar No. 8009 1491 8516 from all hes moveable and immovable properties because hes son above named is out of her control. My client had severed all relations with him. Anyone dealing with him may do so at his/her own risks, costs and consequences. In future, if the above named person is facing any unwanted incident, then my client shall not be responsible whatsoever.

OMPRAKASH KR. SRIVASTAVA
ADVOCATE
THE VETERANS LAW ASSOCIATES
PLOT NO.4, POCKET-7, MALHAN FALCON PLAZA, SECTOR-12, DWARKA, New Delhi-78

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client Smt. Meena Sahni W/O: Shri Madan Sahani, R/O: C-2/182, Gali No.12, Nagli Vihar Extn. Baprola, Najafgarh, West Delhi, Delhi-110043, has disowned, debarred, discarded all her relations to son Sunny Sahani D.O.B. 02/02/2001, Aadhar No. 8009 1491 8516 from all her moveable and immovable properties because her son above named is out of her control. My client had severed all relations with him. Anyone dealing with him may do so at his/her own risks, costs and consequences. In future, if the above named person is facing any unwanted incident, then my client shall not be responsible whatsoever.

OMPRAKASH KR. SRIVASTAVA
ADVOCATE
THE VETERANS LAW ASSOCIATES
PLOT NO.4, POCKET-7, MALHAN FALCON PLAZA, SECTOR-12, DWARKA, New Delhi-78

NAME CHANGE

It is for general information that I, Sunil S/O Gyan Prakash R/O A-58, A- Block, Pocket-00, 60 MTR, Plot Sector - 2,Rohini, North West Delhi, Delhi - 110085, declare that name of mine and my father have been wrongly written as Sunil Kumar Gupta and Dian Prakash in my Passport No J4760143, the actual name of mine and my father are Sunil and Gyan Prakash

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED, (1.) MRS. KAMLESH DEVI W/O LT MR. SUBHASH CHAND R/O A-55, RAJ NAGAR, SECTOR-23, GHAZIABAD, (2.) MR. VINAY SHARMA S/O LT MR. SUBHASH CHAND R/O A-55, RAJ NAGAR, SECTOR-23, GHAZIABAD, (3.) MRS. YOGITA SHARMA C/O MR. VIJAY KUMAR SHARMA D/O LT MR. SUBHASH CHAND R/O FLAT 104, SHRI LAXMI CELEBRATION RESIDENCY, VASUNDHARA, SECTOR-2-B, GHAZIABAD, U.P. AND (4.) MRS. PRIYA VISHWAKARMA D/O LT MR. SUBHASH CHAND R/O A-55, RAJ NAGAR, SECTOR-23, GHAZIABAD ARE LEGAL HEIRS OF LT MR. SUBHASH CHAND AND LEGALLY OWNER OF PLOT NO. 9, MEASURING 82 SQ. YDS., PART OF KHASRA NO. 1238, SITUATED IN VILLAGE-SIHANI GHAZIABAD, U.P. AFTER THE DEATH OF MR. SUBHASH CHAND WHO ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DATED 26.05.1989 EXECUTED BY MR. RAMENDER KUMAR TYAGI, MR. SUSHIL KUMAR TYAGI SONS OF BANWARI LAL & MR. BHIM SINGH S/O DHARAMVIR SINGH DULY REGISTERED WITH DOCUMENT NO. 6047/1809, IN BOOK NO. 1, VOLUME NO. 4255/4270, PAGE NO. 392/291-293, REGD. ON 04.01.1990/23.03.1990. AND SAID MR. SUBHASH CHAND DIED ON 02.08.2019 AND LEGAL HEIR CERTIFICATE ISSUED BY SDM GHAZIABAD IN THE NAMES OF SAID LEGAL HEIRS. NOW THE SAID LEGAL HEIRS / OWNERS I.E. MRS. KAMLESH DEVI, MR. VINAY SHARMA, MRS. YOGITA SHARMA AND MS. PRIYA VISHWAKARMA ARE GOING TO MORTGAGE THE SAID PROPERTY WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST LOAN. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

NAME CHANGE

I, M Neiboi Kom is legally wedded spouse of GO-002443A SE (Civ) M Lunneithang Kom R/o CPWD Qtr No. S-11, 5B, Sector-10, RK Puram, New Delhi-110022 have changed my name from M. HOITINNEI KOM to M NEIBOI KOM for all future purposes. Vide affidavit No.IN-DL269850 67778338 Xdated 30.07.2025 before Sub division magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, Raghu Nath S/O Rajender R/O B-522, Gautam Puri-II, Badar Pur South Delhi-110044 Have changed my name to Raghu Nath Diwakar for all the future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohammad Javed S/O Irshad Ahmed R/O 160 14, Tiriyanizavat, khan (R), Bareilly Uttar Pradesh - 243123 Have changed my name to Mohd Javed for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to public that my client Sh. Laxman Singh S/o Sh. Nathi Ram, R/o H.No.331, First Floor, Gali No.11, Chhattarpur Pahari, South Delhi, Delhi-110074, has disowned and debarred his son SONU and his wife HEM LATA from his all movable and immovable properties and severed all the relations due to their misbehaviour towards my client, and if any one deals with them in future, my client shall not be responsible in any manner for any of their acts.

YOUDHISTER SINGH
ADVOCATE
CH. NO.521, SAKET COURTS, NEW DELHI-110017.

Lost & Found

Lost property documents of property no. 4/6, Facility Center, Mayapuri, Phase - 2, New Delhi - 110064 in the name of Anil Kumar s/o Raghubir Singh. If found contact 9818521210

NAME CHANGE

It is for general information that I, VISHWAS KUMAR S/o KAMESHWAR KAPAR R/o A-286, Pappu Colony, Prahladpur Banger, Rohini Sector-31, Delhi-110042, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as NAVAL KISHORE and RINKU in my 10th and 12th educational documents. The actual name of my father and my mother are KAMESHWAR KAPAR and DAULATIYA DEVI respectively, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

मैं, अब्दुल जब्बार, पुत्र स्वर्गीय श्री मोहम्मद मुमताज़, निवासी मकान संख्या B-217, गली संख्या 2, चांदू नगर, दिल्ली 110094, सत्यपूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने, अभ्यर्थी ने, एक त्यागपत्र (Disowning Deed) संपादित किया है, जिस पर मेरे हस्ताक्षर हैं, जिसके माध्यम से मैंने अपने नाती (बेटी के पुत्र), जिसका नाम मोहम्मद सलमान पुत्र मोहम्मद रब्बान है, को अपने सभी संपर्क, संबंध एवं चल/अचल संपत्तियों से पूर्ण रूप से त्याग दिया है। उक्त त्याग मेरी स्वेच्छा एवं स्वतंत्र इच्छा से किया गया है, क्योंकि मोहम्मद सलमान मेरे अनुकूल नहीं था, मेरी आज्ञा का पालन नहीं करता था और मेरे नियंत्रण से बाहर था। अत: मैं उसके साथ सभी पारिवारिक, सामाजिक, कानूनी एवं उत्तराधिकार के संबंधों को पूर्ण रूप से समाप्त करता हूँ। कोई भी व्यक्ति उससे कोई भी लेन-देन करता है तो वह स्वयं के जोखिम पर करेगा, इसके लिए मैं अथवा मेरा परिवार किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होंगे।

NAME CHANGE

I, No-14851888N Rank-NK Name-AAMERA KARAN SINGH residing at B-101, OMNIUM SQUARE, OPP SWAMINARYAN PARK, NAVA NARODA, AHMEDABAD, GUJARAT-382330, have changed my father's name from AAMERA JAYPAL SINGH to JAYPALSING RAJPUT for all future purposes vide Affidavit dated 01/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-14851888N Rank-NK Name-AAMERA KARAN SINGH residing at B-101, OMNIUM SQUARE, OPP SWAMINARYAN PARK, NAVA NARODA, AHMEDABAD, GUJARAT-382330, have changed my mother's name from AAMERA NARMADA to NARMADABEN RAJPUT for all future purposes vide Affidavit dated 01/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NAND KUMAR Father of No-4588063K Rank-L/NK Name- RAM LAKHAN residing at WARD NO-2, MAHANT, JANJGIR-CHAMPA, CHATTISGARH-495668, have changed my name from NAND KUMAR to NAND KUMAR RATHORE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1967 instead of my correct date of birth as 01/01/1968 Vide Affidavit dated 01/08/2025 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I, ISHWARI BAI mother of No-4588063K Rank-L/NK Name- RAM LAKHAN residing at WARD NO-2, MAHANT, JANJGIR-CHAMPA, CHATTISGARH-495668, have changed my name from ISHWARI BAI to ISHWARI BAI RATHORE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 02/01/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 Vide Affidavit dated 01/08/2025 before Notary Public Delhi.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **धर्मेन्द्र**, **पुत्र:** श्री प्रेम पाल, **पता:** मकान नं. 262, हर्ष विहार-II, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश ने मुकदमा **FIR No. 547/2018, U/s 356/379/411/34 IPC, थाना: नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **धर्मेन्द्र** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **धर्मेन्द्र** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 547/2018, U/s 356/379/411/34 IPC, थाना: नंद नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **धर्मेन्द्र** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.09.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी-03
कमरा नं. 19, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/10225/NE/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

जल निकासी के लिए छतरी लेकर निरीक्षण पर निकले मेयर राजीव जैन

एजेंसी

सोनीपत। बरसात के मौसम में शहरवासियों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए नगर निगम प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। इसी क्रम में सोनीपत नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने छतरी लेकर विभिन्न डिस्पोजलों का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। सोनीपत में मेयर राजीव जैन ने ड्रेन नंबर-6 पर शिव कॉलोनी के पास बने पंप को चालू करवाया और श्रीराम पुलिया की मोटर भी चालू करवाई। इसके पश्चात उन्होंने शंभूदयाल डिस्पोजल का निरीक्षण कर वहां की जाली सफाई, मोटरों और विद्युत पैनल की स्थिति की जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फोन पर ही निर्देश दिए कि सभी डिस्पोजल समय पर और व्यवस्थित रूप से चालू किए जाएं। चावला कॉलोनी की जल निकासी के लिए श्रीराम पुलिया का पंप भी चालू करवाया गया। खाटूश्याम मंदिर के पास बने डिस्पोजल में जनरेटर में तेल खत्म होने के कारण वह चालू नहीं हो सका, जिस पर उन्होंने तुरंत तेल उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। आनंद सिनेमा हॉल के सामने व पुराने औद्योगिक क्षेत्र के डिस्पोजलों का भी दौरा किया गया। मेयर ने बताया कि गीता भवन, ककरोई चौक, मिशन चौक, शनि मंदिर अंडरपास सहित कई जलभराव वाले स्थानों पर अब स्थिति में सुधार आया है। शेष कमियों को भी शीघ्र दुरुस्त किया जाएगा।

हरियाणा के 1300 नवचयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे मुख्यमंत्री

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आगामी 2 अगस्त को पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में ग्रुप ए, बी, सी और डी के लगभग 1,300 नवचयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। मानव संसाधन विभाग के निदेशक और आबकारी एवं कराधान आयुक्त विनय प्रताप सिंह ने कार्यक्रम स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से चर्चा की और कहा कि सभी को मिलकर यह कार्यक्रम भव्यता के साथ सम्पन्न करवाना है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीनों में हरियाणा के भर्ती आयोगों द्वारा ग्रुप ए, बी ,सी और डी के लिए चयनित युवाओं को मुख्यमंत्री नियुक्ति पत्र सौंपेगे। नवचयनित युवाओं को मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र सौंपे जाने से अन्य युवाओं को भी कड़ी मेहनत कर परीक्षा पास करने की प्रेरणा मिलेगी। इस कार्यक्रम में लगभग 1,300 नवचयनित युवा सम्मलित होंगे।

पलवल में जलभराव से 500 एकड़ फसल तबाह, किसान पहुंचे जिला परिषद, मुआवजे की मांग

पलवल। जिले में लगातार हो रही बारिश और यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण कई गांवों के खेतों में जलभराव हो गया है। इस आपदा की वजह से 500 एकड़ से अधिक फसलें बर्बाद हो चुकी हैं । नुकसान से परेशान किसानों ने जिला परिषद के सीईओ जितेंद्र कुमार से मुलाकात की और मुआवजे की मांग उठाई। प्रभावित किसानों का कहना है कि उनके खेतों में भारी मात्रा में बरसाती पानी भर गया है, जिससे धान, बाजरा और अन्य फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। किसानों ने बताया कि बारिश का पानी लगातार खेतों में जमा होता जा रहा है और सिंचाई या निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। बागपुर खुर्द गांव की महिला सरपंच के पति कृष्णपाल प्रधान ने किसानों के साथ मिलकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि प्रशासन को तत्काल सर्वे करवाकर किसानों को उचित मुआवजा देना चाहिए, ताकि गरीब किसानों को राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश और पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बारिश के कारण यमुना नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। खतावर क्षेत्र के ग्रामीणों में डर का माहौल है, क्योंकि यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच चुका है। किसानों ने प्रशासन से अपील की है कि बर्बाद हुई फसलों का तुरंत सर्वे करवाया जाए और प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता दी जाए, ताकि वे दोबारा खेती के लिए तैयार हो सकें। प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों को शीघ्र सर्वे करवाने और हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है।

साइबर ठग अपना रहे नए-नए तरीके,रहें सावधान

जींद। जिला पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जन जागरूकता हेतु निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के दिशा-निर्देशानुसार जिलेभर में साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों के प्रति नागरिकों को सचेत किया जा रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया ग्रुपों में हो रहे नकली करेंसी लेनदेन एवं डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के मामलों को ध्यान में रखा जा रहा है। वर्तमान में साइबर अपराधी व्हाट्सअप, टेलीग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया ग्रुपों में शामिल होकर स्वयं को सेना का अधिकारी, बैंक कर्मी या व्यापारी दर्शाते हैं। ये अपराधी लोगों को नकली करेंसी की बिक्री, पुराने नोटों का सस्ते दामों पर एक्सचेंज, डिजिटल पेमेंट (पेटीएम, गूगल पे) आदि के माध्यम से विशेष ऑफर देकर अपने जाल में फंसा लेते हैं। लोग इन पर विश्वास करके धनराशि स्थानांतरित कर देते हैं, जिसके पश्चात अपराधी संपर्क से बाहर हो जाते हैं। जिससे आमजन को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति या ग्रुप के साथ करेंसी अथवा पैसों से संबंधित लेनदेन न करें।

हरियाणा सरकार ने रबी फसल के नुकसान की भरपाई को जारी किया 52.14 करोड़ रुपये का मुआवजा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज प्रदेश के 22,617 लाभार्थी किसानों के लिए 52.14 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि जारी की, जिनकी रबी फसलें 2025 सीजन के दौरान ओलावृष्टि और भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गई थी। यह फसल क्षतिपूर्ति की आकलन 'क्षतिपूर्ति पोर्टल' के माध्यम से एकत्रित व्यापक फसल क्षति आंकड़ों के आधार पर की गई है, जिसे दिसंबर 2024 और मार्च 2025 के बीच चालू किया गया था। राज्य भर के किसानों ने पोर्टल पर अपना नुकसान दर्ज कराया था, जिसके बाद गहनता से आकलन और सत्यापन किया गया। हरियाणा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वेबसाइट के शुभारंभ के अवसर पर चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि गहन सत्यापन के बाद लगभग 57,485 एकड़ भूमि मुआवजे के

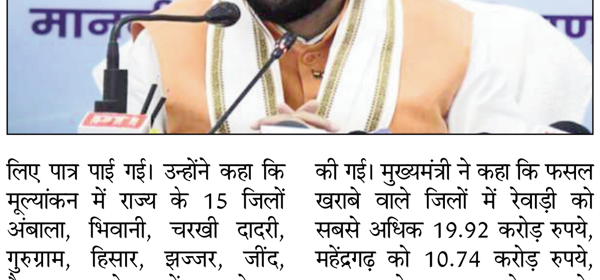

लिए पात्र पाई गई। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन में राज्य के 15 जिलों अंबाला, भिवानी, चरखी दादरी, गुरुग्राम, हिसार, झज्जर, जींद, कैथल, कुरूक्षेत्र, महेंद्रगढ़, मेवात, पलवल, रेवाड़ी, रोहतक और यमुनानगर को शामिल किया गया और प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल खराबे वाले जिलों में रेवाड़ी को सबसे अधिक 19.92 करोड़ रुपये, महेंद्रगढ़ को 10.74 करोड़ रुपये, झज्जर को 8.33 करोड़ रुपये, गुरुग्राम को 4.07 करोड़ रुपये, चरखी दादरी को 3.67 करोड़ रुपये तथा भिवानी को 2.24 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है। अन्य जिलों को उनके सत्यापित प्रभावित क्षेत्रों और पंजीकृत किसानों के आधार पर अलग-अलग राशि जारी की गई है।

इस मुआवजे का उद्देश्य 2025 के रबी सीजन के दौरान खराब मौसम की स्थिति के कारण होने वाले नुकसान से उबरने में किसानों की सहायता करना है। मुआवज़े की राशि की गणना सत्यापित प्रभावित क्षेत्र के आधार पर और आपदा राहत के सरकारी मानदंडों के अनुसार की गई। दावों के सत्यापन और पात्र लाभार्थियों को शीघ्र धनराशि जारी करने में जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एचटेट के दोनों सत्रों में 14014 ने दी परीक्षा, 2194 रहे गैर हाजिर

एजेंसी

सिरसा। जिला में आयोजित हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा (एचटेट) की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जिला प्रशासन ने परीक्षा को लेकर कड़े सुरक्षा प्रबंध किए हुए थे और परीक्षा केंद्रों के आसपास पुलिस बल की तैनाती की गई थी। हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा सुबह व शाम के सत्र में आयोजित हुई। सुबह के सत्र में 11703 परीक्षार्थियों में से 10254 परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे तथा 1449 गैरहाजिर रहे। इसी प्रकार शाम के सत्र में 4505 परीक्षार्थियों में से 3760 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 745 गैर हाजिर रहे। बता दें कि वीरवार को लेवल-दो की परीक्षा 40 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 10 से साढे बारह बजे तक आयोजित की गई तथा सांयकाल सत्र में लेवल-एक की परीक्षा 15 परीक्षा केंद्रों पर तीन से साढ़े पांच बजे तक आयोजित की गई। एचटेट में शामिल होने 14 हजार

से अधिक परीक्षार्थी सिरसा पहुंचे और दिनभर रुक-रुक कर हुई बारिश के चलते शहर की सडक़ों पर जाम की स्थिति बनी रही। हिसार रोड, डबवाली रोड, रानियां रोड, ओवरब्रिज और शाह सतनाम जी मार्ग सहित कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आए। ट्रैफिक पुलिस के जवान बारिश में भी व्यवस्था संभालने में जुटे रहे।

हरियाणा के नए राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह से की मुलाकात

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के नव नियुक्त राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। दोनों मुलाकातों में उनकी पत्नी, लेडी गवर्नर मित्रा घोष भी मौजूद थीं। यह उनकी नियुक्ति के बाद प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के साथ पहली भेंट थी। राज्यपाल प्रोफ़ेसर घोष ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ कि उन्होंने मुझ पर जो ज़िम्मेदारी और भरोसा जताया है। मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की निरंतर कोशिश करूँगा, क्योंकि मैं यहाँ हरियाणा के लोगों की पूरी लगन और ईमानदारी से सेवा करने आया हूँ। गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बारे में प्रो. घोष ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर मुझे

बहुत शिक्षा मिली। उन्होंने मुझे मार्गदर्शन और सुझाव दिए, जो हरियाणा के प्रशासन के संबंध में मेरे लिए बहुत उपयोगी रहेगे।

एचटेट परीक्षा की तीनों पाली में 6887 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) 30 व 31 जुलाई को सोनीपत जिले में शांतिपूर्ण व पारदर्शी ढंग से आयोजित की गई। प्रशासन द्वारा तीनों स्तरों की परीक्षा के लिए सघन सुरक्षा, पारदर्शिता और सुविधा व्यवस्था की गई। सभी परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात रहे और व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की गई। उपायुक्त सुशील सारवान ने परीक्षा के बाद शाम बताया कि सोनीपत जिले में आयोजित एचटेट स्नातकोत्तर, लेवल-2 (प्राथमिक शिक्षक) और लेवल-1 (प्राथमिक शिक्षक) परीक्षाएं शांतिपूर्वक संपन्न हुईं। तीनों परीक्षाओं में कुल 25 हजार से अधिक परीक्षार्थियों में से लगभग 6,887 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, जो कुल अनुपस्थित प्रतिशत लगभग 27.77 प्रतिशत बनता है। 30 जुलाई को स्नातकोत्तर अध्यापक के लिए 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए, जिनमें 7,191 अभ्यर्थियों में से 5,829 ने परीक्षा दी और 1,362 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति प्रतिशत 81.05 रहा। 31 जुलाई को लेवल-2 की परीक्षा सुबह की शिफ्ट में आयोजित हुई, जिसमें 33 परीक्षा केंद्रों पर कुल 12,504 अभ्यर्थियों में से 10,269 ने भाग लिया, जबकि 2,235 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यहां उपस्थिति दर 82.12 प्रतिशत रही। इसी दिन शाम की शिफ्ट में लेवल-1 परीक्षा के लिए 17 परीक्षा केंद्रों पर 6,305 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 5,015 ने परीक्षा दी। 1,290 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल नहीं हुए। इस स्तर पर उपस्थिति 79.54 प्रतिशत रही।

परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेटों द्वारा पूरे दिन विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। जिला प्रशासन ने परीक्षार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था और शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित किया। पुलिस बल की मौजूदगी से सुरक्षा चाक-चौबंद रही। परीक्षार्थियों ने प्रशासन की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। कई ने बताया कि उन्हें बिना किसी बाधा के परीक्षा देने का अवसर मिला। उपायुक्त ने तीनों परीक्षाओं को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी टीम का आभार जताया और इसे सुचारू संचालन का परिणाम बताया। इस प्रकार तीनों स्तरों की परीक्षा में कुल 26 हजार से अधिक में से लगभग 6,887 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

प्रदेश के सभी 377 मंडलों में भाजपा निकालेगी तिरंगा यात्रा:मोहन लाल बड़ौली

●बड़ौली बोले, भाजपा के लिए देश और कांग्रेस के परिवार जरूरी

एजेंसी

गुरुग्राम। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा प्रदेश के सभी 377 मंडलों में तिरंगा यात्रा निकालेगी। विभाजन विभीषिका पर 14 फरवरी को फरीदाबाद में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम होगा, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत मंत्री, विधायक और प्रदेश के कार्यकर्ता शामिल होंगे। विभाजन विभीषिका पर जिला स्तर पर भी कार्यक्रम होने हैं। प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय गुरुकमल में जिला पदाधिकारियों की बैठक ले रहे थे। इससे पहले उन्होंने पत्रकारों से भी बात की। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि देश की जनता का कांग्रेस से मोह भंग हो चुका है और अब कोई भी कांग्रेस पार्टी से जुडऩा नहीं चाहता।

उन्होंने कांग्रेस को देश की 140 करोड़ जनता का दिल दुखाने वाली पार्टी बताया। देश के लोगों को भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियां पसंद हैं और लोग खुश हैं। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि कहने को कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी है, लेकिन वह परिवार की पार्टी बनकर रह गई है और कई परिवारों के साथ बंधी हुई है। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा के लिए देश सर्वप्रथम है, इसलिए देश के विकास के बारे में सोचती है, जबकि कांग्रेस की सोच राष्ट्रहित में ना होकर परिवार हित में है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा 2014 से पहले और अब 2025 का गुरुग्राम देखेंगे तो हर क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। पार्टी कार्यक्रमों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हर घर तिरंगा यात्रा के लिए प्रदेश समिति का गठन हो गया है। पूर्व मंत्री असीम गोयल को कमेटी का संयोजक नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि मनीष यादव गुरुग्राम, डा. आदित्य बतरा रोहतक, मीना परमार भिवानी को सह संयोजक नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि सभी मंडलों में तिरंगा यात्राएं निकाली जानी है, इसलिए सभी कार्यकर्ता अधिक से अधिक लोगों को तिरंगा यात्रा में शामिल करें और उत्साह और जोश के साथ तिरंगा यात्राएं निकालें। बड़ौली ने कहा कि हरियाणा के सभी जिलों में बूथ, मंडल और जिला की नई टीमों का गठन हो चुका है। उन्होंने कहा कि 10 अगस्त तक जिला व मंडलों की कार्यकारिणी की बैठकें भी होंगी।

राशन डिपो पर सीएम फ्लाइंग की छापेमारी

एजेंसी

जींद। सीएम फ्लाइंग तथा खाद्य आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने गुरूवार को पिल्लूखेड़ा में राशन डिपो पर छापेमारी कर अनियमितता पकड़ी है। टीम ने डिपो होल्डर की विस्तृत रिपोर्ट बना कर मुख्यालय को भेज दी है। राशन डिपो संचालक के खिलाफ खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने पुलिस कार्रवाई की सिफारिश की है। सूचना मिली थी कि पिल्लूखेड़ा में राशन डिपो होल्डर राशन में गोलमाल कर रहा है। जिसके चलते लोगों को उनका राशन नही मिल पा रहा है। सूचना के आधार पर सीएम फ्लाइंग के निरीक्षक रोहताश के नेतृत्व में छापामार टीम ने डिपो संचालक के यहां छापेमारी की। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एएफएसओ मोहित भी टीम में मौजूद रहे। टीम ने राशन डिपो की पीओएस मशीन की डिटेल तथा स्टॉक को खगाला तो 97.35 क्विंटल गेहूं, 426 किलोग्राम चीनी, 460 लीटर सरसों ऑयल कम पाया गया। जिस पर टीम राशन डिपो की रिपोर्ट बना कर मुख्यालय को भेज दी है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एएफएसओ मोहित ने बताया कि विभाग ने डिपो संचालक के खिलाफ आवश्यक वस्तु कालाबाजारी अधिनियम के तहत पुलिस को शिकायत दे दी है। पीओएस मशीन की डिटेल तथा स्टॉक में अनियमितता मिली है।

जिला में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई एचटेट की परीक्षा

जेंसी

जींद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा जिला में गुरूवार को हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) दो सत्रों में करवाई गई। इस परीक्षा को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न करवाने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। प्रातःकालीन सत्र में लेवल 2 (टीजीटी) की परीक्षा करवाई गई। जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा 30 केंद्र स्थापित किए गए थे। एचटेट की परीक्षा में प्रातःकालीन सत्र में 9, 346 परीक्षार्थियों में से 8,384 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी तथा 962 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सायंकालीन सत्र में हुई लेवल एक (पीआरटी) की परीक्षा के लिए 10 केंद्र स्थापित किए गए थे। जिसमें 3090 परीक्षार्थियों में से 2621 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी तथा 469 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के नोडल अधिकारी एसडीएम सत्यवान सिंह मान परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। प्रात- कालीन सत्र की परीक्षा 10 बजे दोहपर साढ़े 12 बजे तक करवाई गई और सायंकालीन सत्र की परीक्षा तीन बजे से सांय साढ़े 5 बजे तक करवाई गई। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी की जद में रहे।कोई भी परीक्षार्थी किसी प्रकार के इलैक्ट्रोनिक डिवाइस का प्रयोग न

कर सके, इसके लिए जैमर लगाए गए थे। गठित उडऩदस्ते पूरा दिन परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करते रहे। परीक्षा केंद्रों के पास फोटो स्टेट की दुकानें पूरी तरह से बंद रही। इसके साथ-साथ कोचिंग सेंटरों पर भी नजर रखी गई ताकि पेपर आउट होने जैसी कोई घटना न हो। एचटेट की परीक्षा के सही संचालन को लेकर डीसी, नोडल अधिकारी सत्यवान मान नियमित रूप से पुलिस के अधिकारियों के साथ बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। डीसी मोहम्म्द इमरान रजा ने बताया कि जींद में आयोजित की गई अध्यापक पात्रता परीक्षा लेवल 1 व लेवल 2 की परीक्षा दो सत्रों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। फ्लाइंग टीमें नियमित रूप से परीक्षा केंद्रों में व्यवस्थाओं पर नजर रखे हुए थी। इसका नतीजा ये रहा कि जिला में एचटेट की परीक्षा के दौरान कोई शिकायत सामने नहीं आई है। परीक्षा को लेकर जिला अधिकारी पूरी सतर्कता बरते हुए थे।

प्रदेश में नायब नहीं गायब सरकार है : दुष्यंत चौटाला

एजेंसी

जींद। पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जिस प्रकार से हर खाद विक्रेताओं को नोटिस दिए जा रहे हैं और भी ज्यादा पाबंदियां लगाई जा रही हैं। यह साफ मंशा दर्शाता है कि किसान को और पीड़ित करने की दिशा में सरकार बढ़ रही है। हलके के दौरे पर जानकारी मिली कि उचाना में कई खाद विक्रेताओं को नोटिस दिया गया कि आपने दूसरे गांव के जिन्होंने ठेके पर जमीन ले रखी है उनको खाद कैसे बेचा। सरकार की गलत नितियों की वजह से खाद की सही मात्रा नहीं आ पाई और अब इस तरह के प्रतिबंध लगाकर व्यापारी के माध्यम से किसान को तंग किया जा रहा है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला गुरूवार को उचाना हलके में पहुंचे और कार्यकर्ताओं के यहां सुख, दुख में वो शामिल हुए। काकड़ोद, डोहाना खेड़ा, बधाना, थुआ, कुचराना गांव में वो पहुंचे। काकड़ोद गांव में पत्रकारों से बातचीत में दुष्यंत चौटाला ने कहा कि यह नायाब नहीं गायब सरकार है कानून व्यवस्था तो सभी ने देखी है। किस तरह के हालात प्रदेश में बन चुके हैं। ठेकेदारों को तो सिक्योरिटी दे सकते हैं लेकिन आम नागरिकों को कैसे सिक्योरिटी दी जाएगी। झज्जर जिले में सात, रोहतक जिले में पांच, सोनीपत में नौ मामले एक दिन में होते है। सभी 22 जिलों का अगर आंकड़ा देखा जाए तो यह हालात हैं कि पुलिस गायब है और गुंडे सक्रिय है।दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा टैरिफ लगाया गया है, इससे हरियाणा, भारत के लोगों को दिक्कत नहीं होगी। टैरिफ का अगर सबसे ज्यादा नुकसान होगा तो अमेरिका के अंदर वस्तुओं की कीमत बढ़ेगी। हमें अपनी अर्थव्यवस्था पर सोचना है। 140 करोड़ लोगों के लिए सोचना है और 140 करोड़ के लिए सरकार को योजना बनानी पड़ेगी। अमेरिका की गीदड़ भभकियों से डरने की जरूरत नही है। आज कांग्रेस की बहुत दयनीय स्थित है। जिस तरह से एकतरफा राज बाबू बेटा विधानसभा चुनाव में बना चुके थे।

हरियाणा में भाजपा के 20 वादों को लागू न करने का कांग्रेस का आरोप, 3 अगस्त से सोनीपत-चंडीगढ़ पदयात्रा

एजेंसी

सोनीपत। कांग्रेस ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा द्वारा किए गए 20 सूत्री वादों को लागू न करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने भाजपा पोल खोलो अभियान के तहत 3 अगस्त से सोनीपत से चंडीगढ़ तक पदयात्रा शुरू करने की घोषणा की है, जिसमें अधूरे वादों के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। पदयात्रा 3 अगस्त को रोहतक से सांसद दीपेंद्र हुड्डा द्वारा अंबेडकर पार्क से रवाना होगी और चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने के साथ समाप्त होगी।सोनीपत में आयोजित पत्रकार वार्ता में जिला पार्षद संजय बडवासनीय, रवि इंदौर, ऋतुराज, यशपाल बजाना, कृष्ण हुड्डा, गुलशन करेवाड़ी, विजय मोर, रामकरण मलिक व अमित सहित अन्य वक्ताओं ने भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले गरीबों को 100 गज के प्लॉट, महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपये, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, 10 शहरों में औद्योगिक क्लस्टर और 5 नौकरियां, बुजुर्गों को रुपए 5 लाख और आमजन को रुपए 10 लाख तक का मुफ्त इलाज जैसी योजनाएं भी अधूरी पड़ी हैं। पुरानी पेंशन

लाख रोजगार देने जैसे वादे किए थे, जिनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ।इसके अलावा, कौशल निगम में लगे कर्मचारियों को पक्का करने की बजाय हटाया जा रहा है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य, युवाओं को 2 लाख सरकारी बहाली, आवास निर्माण व अग्निवीरों को नौकरी देने के वादे भी पूरे नहीं किए गए।उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है, भ्रष्टाचार व महंगाई चरम पर है और सरकार के विरोध में बोलने पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं।

हरियाणा में 2 अगस्त से खेल महाकुंभ का आगाज, मुख्यमंत्री सैनी करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार खेलो इंडिया की तर्ज पर खेल महाकुंभ का आयोजन कर रही है, जिसका पहला चरण 2 अगस्त से पंचकूला में शुरू होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उद्घाटन करेंगे। इस महाकुंभ में 15,410 खिलाड़ी 26 खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। पहले चरण में 2 से 4 अगस्त तक चार जिलों में 11 खेलों का आयोजन होगा। खेल महाकुंभ की तैयारियों को लेकर खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि पंचकूला में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हैंडबॉल व हॉकी, फरीदाबाद में शूटिंग व ताइक्वांडो, रोहतक में बॉक्सिंग, नेटबाल व फुटबॉल और सोनीपत में लान टेनिस खेल आयोजित किए जाएंगे, जिसमें प्रदेश के 22 जिलों व हरियाणा खेल विश्वविद्यालय राई (सोनीपत) के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

खेल महाकुंभ में दोनों चरणों में 2102 पदकों से खिलाड़ियों को नवाजा जाएगा। पहले चरण में

836 और दूसरे चरण में 1266 पदक, विजेता खिलाड़ियों को दिए जाएंगे।

दूसरे चरण के खेल अगस्त के अंतिम सप्ताह में करवाए जाएंगे। खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने बताया कि खेल महाकुंभ में मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्यातिथि होंगे तो ओलंपिक और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेता खिलाड़ियों को भी आमंत्रित किया गया है। वे महाकुंभ की शोभा बढ़ाएंगे और खिलाड़ियों से संवाद भी करेंगे। इन खिलाड़ियों को आमंत्रित करने का मकसद यूथ को खेलों के प्रति आकर्षित करना है।

NAME CHANGE
I hitherto known as A RAGHAV MALIK S/o SAMAN MALIK, R/o H-24/18, DLF Phase 1, Sikandarpur Ghosi(68), PO: DLF Qe, Dist. Gurgaon, Haryana-122002, have changed my name and shall hereafter be known as ADITHYA RAGHAV MALIK.

आज पहली तारीख....यूपीआई, गैस सिलेंडर, फास्टैग सहित इन सुविधाओं में हो गया बदलाव

नई दिल्ली।

1 अगस्त 2025 से आम लोगों की जेब से जुड़े कई बदलाव हो रहे हैं। इन बदलाव का असर अपनी जैब पर सीधा पड़ने वाला है। जहां भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने यूपीआई लेनदेन के प्रतिक्रिया समय को कम करने के लिए 1 अगस्त, 2025 से कुछ बदलाव लागू किए हैं। बैलेंस चेक लिमिट में प्रतिदिन 50 कर दी गई है। ऑटो-पे ट्रांजैक्शन केवल नॉन-पीक आवर (गैर-व्यस्त समय) के दौरान ही प्रोसेस किए जाएंगे। इतना ही नहीं बैंकों को हर लेनदेन के साथ बैलेंस अपडेट भेजना अनिवार्य होगा, ताकि उपयोगकर्ताओं को हर बार मैन्युअल रूप से जांच न करनी पड़े। वहीं 1 अगस्त से कॉमर्शियल एजपीजी सिलेंडर 35 रुपये तक सस्ता हुआ है। हर महीने की पहली तारीख को तेल कंपनियां सिलेंडर और विमान के ईंधन (एविएशन फ्यूल) के दामों पर फैसला लेती हैं।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 1 जुलाई, 2025 से कॉल मनी, मार्केट रेपो और ट्राई-पार्टी रेपो बाजारों के कारोबारी घंटों में विस्तार की घोषणा की थी, जो दो चरणों में प्रभावी होगा। 1 अगस्त, 2025 से, मार्केट रेपो और ट्राई-पार्टी रेपो के लिए कारोबारी घंटे शाम 4ः00 बजे तक बढ़ा दिए गए हैं। नया समय सुबह 9ः00 बजे से शाम 4ः00 बजे तक है।

इतना ही नहीं 10 जुलाई, 2025 को जारी एनपीसीआई सर्कुलर के अनुसार, 31 अगस्त से उपयोगकर्ताओं को एफडी, शेयर, बॉन्ड, सोना, संपत्ति, व्यक्तिगत/व्यावसायिक ऋण आदि द्वारा समर्थित पूर्व-स्वीकृत क्रेडिट लाइनों (ऋण/ओवरड्राफ्ट) को यूपीआई से जोड़ने की अनुमति होगी। इस सप्ताह एक बड़ी बैठक होने वाली है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक 4 से 6 अगस्त तक तय है। इस बैठक में रेपो दर में बदलाव सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की जा सकती हैं। यदि रेपो दर में कमी आती है, तब होम या कार लोन की ईएमआई सस्ती हो सकती है। इसके अलावा अगस्त में एसबीआई कई को-ब्रांडेड कार्डों पर उपलब्ध मुफ्त हवाई दुर्घटना बीमा कवर को बंद कर देगा। केंद्रीय सड़क एंव परिवहन मंत्रालय के द्वारा आज से निजी वाहन मालिकों के लिए एक नया फास्टैग सालाना पास पेश किया जा रहा है। यह वैकल्पिक सुविधा है, जिसके तहत 3,000 देकर या 200 टोल लेनदेन तक या एक साल तक इस पास का उपयोग किया जा सकेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त 2025 को पीएम किसान योजना की 20वीं किस्त जारी होने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक विशेष कार्यक्रम के दौरान 9 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 2,000 ट्रांसफर करने वाले है। ये मोदी सरकार की जनप्रिय योजना हैं इसके तहत देशभर के किसानों को 2000 हजार रुपये की किस्त जारी की जाती है।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है और कीमतें घटीं हैं। इससे घरेलू बाजार में सोने की कीमतें आज 98,600 रुपये, जबकि चांदी 1,09,850 रुपये के करीब हैं। आज

सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज सुबह गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अक्टूबर अनुबंध आज 67 रुपये नीचे आकर 98,702 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 98,769 रुपये था। ।

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध आज 118 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,09,854 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,09,973 रुपये था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन चांदी के भाव तेजी के साथ खुलने के बाद गिर गए। कामेक्स पर सोना 3,342.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव प्राइस 3,348.60 डॉलर प्रति औंस था। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.78 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 36.71 डॉलर था।

ट्रस्टियों ने दिखाया भरोसा एन चंद्रशेखरन को फिर सौंप दी कमान....आईपीओ की उम्मीद टूटी

मुंबई।

टाटा संस की कमान फिर से एन चंद्रशेखरन को सौंप दी गई है। उन्हें 5 साल के लिए टाटा संस का चेयरमैन नियुक्त कर दिया गया है। टाटा ट्रस्ट्स में सभी की सहमति के बाद यह फैसला किया गया है। यह फैसला दिखाता है कि टाटा समूह अपने लीडरशीप में स्थिरता को देख रहा है। वहीं, सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के सभी ट्रस्टियों ने टाटा संस को निजी संस्था बनाए रखने पर सहमति जाहिर की है। इसके अलावा शापूरजी पालोनजी ग्रुप के संभावित एक्जिट को लेकर भी चर्चा शुरू कर दी गई है।

टाटा ट्रस्ट का यह नया फैसला मौजूदा शेयरहोल्डर्स के परिवर्तन के बीच स्थिरता के रास्तों को तलाशता हुआ दिखाता है। बता दें, टाटा संस को निजी बनाए रखने के फैसले ने आईपीओ की उम्मीद लगाकर कर बैठे निवेशकों के लिए बड़ा झटका है। चंद्रशेखरन ने टाटा संस को अक्टूबर 2016 में ज्वाइन किया था। उन्हें जनवरी 2017 में टाटा संस का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उनकी अगुवाई में टाटा ग्रुप का रेवन्यू करीब दोगुना हो गया। वहीं, नेट प्रॉफिट तीन गुना बढ़ गया है।

टाटा संस में टाटा ट्रस्ट्स की कुल 66 प्रतिशत की है। रिपोर्ट के अनुसार चंद्रशेखरन ने साबित है कि उनके पास पर शानदार रिजल्ट देने की क्षमता है। उनकी लीडरशिप स्थिरता और ग्रोथ दिखाता है। सभी ट्रस्टियों का चंद्रशेखरन पर भरोसा कायम है। उनकी क्षमता से नए बिजनेस में निवेश के जरिए ग्रोथ और तेजी हासिल की जा सकेगी। वहीं, उनकी अगुवाई में टाटा संस एक टाटा ट्रस्ट्स की इच्छा के मुताबिक एक प्राइवेट संस्था बनी रहेगी। हालांकि, चंद्रशेखरन के लिए चुनौतियां कम नहीं होंगी। उन्हें एसपी ग्रुप के निकासी के रास्ते तलाशन होगा। शापूरजी पालोनजी ग्रुप की टाटा में हिस्सेदारी 18.37 प्रतिशत है।

ट्रंप के टैरिफ लगाने से टेंशन में तेल रिफाइनरी कंपनियां, रुस से तेल खरीदना किया बंद

-भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने बीते हफ्ते से कच्चा तेल नहीं किया इंपोर्ट

नई दिल्ली।

टैरिफ को लेकर अमेरिका के दबाव के बीच भारत की कई सरकारी तेल रिफाइनरी कंपनियों ने रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अस्थाई रोक लगा दी है। इनमें इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और मैंगलोर रिफाइनरी पेट्रोकेमिकल जैसी कंपनियां शामिल हैं। इन्होंने रूस से कच्चे तेल खरीदना फिलहाल रोक दिया है। इसके बजाए इन कंपनियों ने तेल खरीद के लिए मिडिल ईस्ट और अफ्रीका का रुख किया है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारत की इन सरकारी कंपनियों ने बीते हफ्ते से कच्चा तेल इंपोर्ट नहीं किया है। अभी तक इन कंपनियों और सरकार की ओर से इस पर कोई जवाब नहीं आया है। हालांकि, रिलायंस और नायरा जैसी भारत की निजी तेल रिफाइनरी कंपनियां सालाना सौदे के तहत अभी भी रूस का तेल आयात कर रही हैं। 2022 के बाद से रूस से भारत जिन सस्ती दरों पर तेल खरीद रहा था। उसमें गिरावट आई है।

बता दें ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रंप ने 90 से ज्यादा देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ का ऐलान किया है। भारत पर एक अगस्त से 25 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। रूस से तेल खरीद को लेकर ट्रंप भारत पर अतिरिक्त पेनाल्टी भी लगा सकते हैं। बता दें भारत तेल आयात के मामले में दुनिया का तीसरा बड़ा देश है। वह चीन के बाद रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीद रहा है।

ट्रंप के टैरिफ अटैक से दुनियाभर के अमीरों की सूची में आई उथल-पुथल

मस्क का अरबपति नंबर वन का ताज खतरे में

अंबानी और अडानी को भी हुआ बहुत नुकसान

मुंबई (ईएमएस)। दुनिया के अरबपतियों की सूची में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ के बाद काफी उथल-पुथल मच गई है। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की संपत्ति गुरुवार को 7.7 अरब डॉलर और कम हो गई। इसके बाद मस्क का अरबपति नंबर वन का ताज खतरे में पड़ गया है। लैरी एलिसन तेजी से मस्क के करीब पहुंच रहे हैं। दूसरी ओर अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की टॉप-20 सूची से बाहर हो गए हैं। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 100 अरब डॉलर क्लब से बाहर हो गए हैं।

मार्क जुकरबर्ग एक ही दिन में 26.8 अरब डॉलर अपने नेटवर्थ में जोड़ लिए। अब इस साल उनकी कमाई 64 अरब डॉलर हो गई है। गुरुवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई और मुकेश अंबानी की संपत्ति 1.22 अरब डॉलर घटकर 99.9 अरब डॉलर रह गई। वहीं, टेस्ला के शेयर गिरने से मस्क 7.70 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। हालांकि, इस साल के टॉप-लूजर भी मस्क हैं। उनकी संपत्ति में 76.5 अरब डॉलर की सेंध लग चुकी है।

इस साल के टॉप गेनर्स में लैरी एलिसन हैं, जिनकी संपत्ति एक ही साल में 112 अरब डॉलर बढ़ी है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक दुनिया के टॉप-10 अमीरों में 8 तकनीकी क्षेत्र से हैं। पहले पर एलन मस्क, जो टेस्ला, स्पेसएक्स, एक्स से हैं। दूसरे पर लैरी एलिसन ओरेकल से हैं। तीसरे पर मार्क जुकरबर्ग (मेटा), चौथे पर जेफ बेजोस (अमेजन), 5वें पर स्टीव बाल्मर (माइक्रोसॉफ्ट), छठे पर लैरी पेज (गूगल-अल्फाबेट), 7वें पर सर्गी ब्रिन (गूगल-अल्फाबेट) और 8वें पायदान पर भी टेक्नोलाजी से जुड़े एनवीडिया के जेनसन हुआंग हैं।

इनके बाद कंज्यूमर सेक्टर से बर्नार्ड अर्नाल्ट और 10वें पर मशहूर निवेशक वॉरेन बफेट हैं। अब लगता है अरबपतियों के टॉप-10 पोजीशन में सभी पर टेक दिग्गजों का कब्जा हो जाएगा।

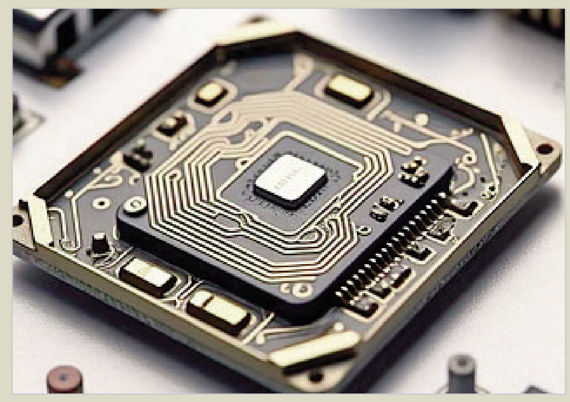

मस्क ने की सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ चिप सप्लाई की डील

-टेस्ला एआई4, एआई5 और अब एआई6 चिप्स पर कर रही काम

सियोल । टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ हाल ही में हुई बड़ी चिप सप्लाई डील का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि सैमसंग के चेयरमैन और उनकी टीम के साथ इस डील के सभी अहम पहलुओं पर चर्चा की गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह डील 22.8 ट्रिलियन वॉन यानी करीब 16.5 अरब अमेरिकी डॉलर की हुई है, जिसे सैमसंग ने एक अज्ञात ग्राहक के साथ साइन किया था। अब मस्क ने साफ कर दिया है कि इस डील के पीछे टेस्ला की साझीदार थी। मस्क ने यह जानकारी एक्स पर एक यूजर के सवाल का जवाब देते हुए दी। जब एक यूजर ने कहा कि सैमसंग को शायद समझ नहीं आया कि उन्होंने किस चीज पर साइन किया है तब मस्क ने जवाब दिया, उन्हें पता है। मस्क ने कहा कि मैंने सैमसंग के चेयरमैन और सीनियर लीडरशिप के साथ वीडियो कॉल की थी, जिसमें यह समझाया कि एक सच्ची साझेदारी कैसी होनी चाहिए। हम दोनों कंपनियों की ताकतों का इस्तेमाल कर बेहतरीन परिणाम हासिल करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक एक अन्य यूजर ने कहा कि चिप निर्माण के मामले में सैमसंग टीएसएमसी से पीछे है, तो मस्क ने सैमसंग का बचाव करते हुए कहा कि टीएसएमसी और सैमसंग दोनों ही बेहतरीन कंपनियां हैं। इनके साथ काम करना हमारे लिए गर्व की बात है। इस डील के तहत सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स अमेरिका के टेक्सास में अपने नए सेमीकंडक्टर प्लांट में टेस्ला की अगली पीढ़ी की एआई6 चिप का निर्माण करेगा। मस्क ने कहा कि इस डील का रणनीतिक महत्व बहुत ज्यादा है, इसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वहीं, सैमसंग के चेयरमैन ली जाए-योंग अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी पहुंच गए हैं। माना जा रहा है कि वे अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच चल रही व्यापारिक बातचीत और टैरिफ से जुड़े मामलों को लेकर चर्चा करेंगे। हालांकि उन्होंने अपनी यात्रा का उद्देश्य सार्वजनिक नहीं किया है। सैमसंग की यह डील कंपनी की कुल वार्षिक आय 300.9 ट्रिलियन वॉन का करीब 7.6 फीसदी है। यह सैमसंग द्वारा अब तक हासिल किया गया सबसे बड़ा चिप ऑर्डर है। टेस्ला इन चिप्स का इस्तेमाल अपनी फुल सेल्फ ड्राइविंग तकनीक को और बेहतर बनाने के लिए कर रही है। इसके लिए कंपनी एआई4, एआई5 और अब एआई6 चिप्स पर काम कर रही है।

फोनपे ने ऑफलाइन पार्टनर प्रोग्राम किया लांच

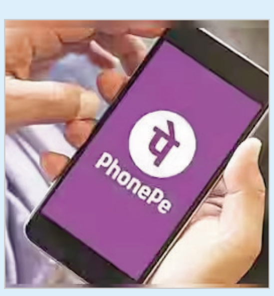

मुंबई । फोनपे ने अपने ऑफलाइन पार्टनर प्रोग्राम की शुरुआत की घोषणा की है। यह एक नई पहल है, इसका उद्देश्य भारत के मर्चेंट इकोसिस्टम को सर्विस प्रोवाइडर्स के माध्यम से मजबूत करना है। यह प्रोग्राम पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) बिलिंग सॉफ्टवेयर, एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सॉफ्टवेयर, वेंडिंग मशीन और सेल्फ-सर्विंग कियोस्क प्रदान करने वाले सर्विस प्रोवाइडर्स को फोनपे के इंटीग्रेटेड सॉल्यूशन को उनके ग्राहकों को रेफर करने और कस्टमाइज्ड कमीशन अर्जित करने में सक्षम बनाता है। इस प्रोग्राम में शामिल होने वाले सर्विस प्रोवाइडर्स (पार्टनर) अपने ग्राहक को बिलिंग और इंटीग्रेटेड पेमेंट का पूरा समाधान दे सकते हैं। यह पहल व्यापारियों को पेमेंट मैनेजमेंट को सरल बनाने में मदद करेगी, जिससे स्टोर का संचालन आसान हो जाएगा। मर्चेंट अपने बिलिंग सॉफ्टवेयर के साथ फोनपे के इंटीग्रेटेड सॉल्यूशन का इस्तेमाल कुछ ही घंटों में शुरू कर सकते हैं। इस सूट में इंटीग्रेटेड पीओएस डिवाइस, डायनेमिक क्यूआर (जो प्रति ट्रांजेक्शन के लिए विशिष्ट कोड जेनरेट करते हैं), एसएमएस-बेस्ड कलेक्शन के लिए पेमेंट लिंक आदि शामिल हैं। ये सॉल्यूशन मर्चेंट्स को बिलिंग सॉफ्टवेयर के साथ इंटीग्रेट होने पर त्रुटि-रहित और धोखाधड़ी-मुक्त लेनदेन, सुचारू भुगतान संग्रह, सत्यापन और समाधान सुनिश्चित करने में मदद करते हैं। फार्मेसी, सुपरमार्केट, रेस्टोरेंट, परिधान और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे कई व्यापारियों के लिए यह संयोजन लाभदायक हो सकता है। इस कार्यक्रम में शामिल होने से भागीदारों को कस्टमाइज्ड कमीशन अर्जित करने का अवसर मिलेगा।

मस्क की स्टारलिंक को इंटरनेट सेवा शुरू करने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली।

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही स्पेक्ट्रम अलॉटमेंट और गेटवे सेटअप का ढांचा भी तैयार कर लिया गया है ताकि सेवाओं की लॉन्चिंग में कोई दिक्कत न आए। यह जानकारी केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दी। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब देश में पहली बार मोबाइल कॉल किए जाने के 30 साल पूरे हो रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंधिया ने कहा कि स्टारलिंक को यूनिफाइड लाइसेंस मिल गया है। स्पेक्ट्रम अलॉटमेंट और गेटवे की रूपरेखा तैयार है, जिससे सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं का रोलआउट आसानी से हो सके। स्टारलिंक के साथ ही भारती ग्रुप समर्थित यूटेलसैट वनवेब और जियो एसईएस भी अपने सैटकॉम सर्विसेज शुरू करने के लिए स्पेक्ट्रम अलॉटमेंट का इंतजार कर रही है। सिंधिया ने कहा कि पिछले 11 साल में पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की डिजिटल यात्रा ऐतिहासिक रही है। टेलीफोन कनेक्शन अब 1.2 अरब हो गए हैं, जबकि इंटरनेट सब्सक्रिप्शन करीब 286 फीसदी से बढ़कर 97 करोड़ हो गया है।

ब्रॉडबैंड कनेक्शन 2014 के 6 करोड़ से बढ़कर 94.4 करोड़ हो गए यानी 1,450 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। मोबाइल डेटा की कीमतें 96.6 फीसदी घटीं और अब सिर्फ 8.9 प्रति जीबी में डेटा उपलब्ध है, जिससे भारत दुनिया में सबसे सस्ता डेटा

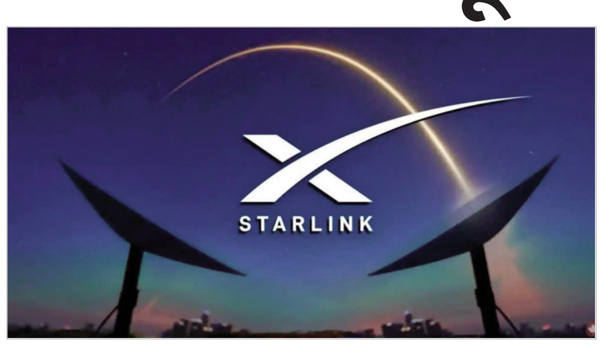

देने वाला देश बन गया है। सिंधिया ने बताया कि बीएसएनएल का रिवाइवल भी बड़ी उपलब्धि है। 18 साल में पहली बार बीएसएनएल ने लगातार दो साल मुनाफा कमाया– वित्त वर्ष 2024-25 में 262 करोड़ और 280 करोड़। 83 हजार से ज्यादा 4जी साइट्स लगाई गईं, जिनमें से 74,000 चालू हैं।

एआई-आधारित मॉनिटरिंग और फाइबर फॉल्ट 12 घंटे में ठीक करने जैसी सुविधाओं ने सेवा को और बेहतर बनाया है। भारत का 5जी रोलआउट भी रिकॉर्ड तोड़ रहा है। 99.6 फीसदी जिलों में 5जी पहुंच गया है, 4.74 लाख 5जी टावर और 30 करोड़ यूजर्स हैं। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा प्रति व्यक्ति 5जी डेटा यूज करने वाला देश बन गया है, भारत 6जी पेटेंट फाइलिंग में भी दुनिया के टॉप 6 देशों में शामिल है।

ग्लोबल स्पोर्ट्स रिटेलर डेकाथलॉन भारत में 3 लाख नौकरियां करेगा पैदा

कंपनी 2030 तक भारत में स्थानीय सोर्सिंग को 3 बिलियन डॉलर तक बढ़ाएगा

नई दिल्ली। ग्लोबल स्पोर्ट्स रिटेलर डेकाथलॉन ने भारत में उत्पादन शुरू करने की 25वीं सालगिरह पर एक अहम फैसला लिया है। कंपनी ने कहा है कि डेकाथलॉन का यह फैसला भारतीय निर्माण पर बढ़ते ध्यान को दर्शाता है। वर्तमान में भारत डेकाथलॉन के वैश्विक उत्पादों का 8 फीसदी आपूर्ति करता है। डेकाथलॉन ने ऐलान किया है कि वह 'मेक इन इंडिया' नीति के तहत 2030 तक भारत में अपनी स्थानीय सोर्सिंग को 3 बिलियन डॉलर तक बढ़ाएगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि कंपनी का लक्ष्य 2030 तक अपने उत्पादन तंत्र में 3 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करना है। कंपनी का उद्देश्य इसे 15 फीसदी तक बढ़ाना है, जिसमें फुटवियर, फिटनेस उपकरण और एडवांस स्पोर्ट्स वस्त्र जैसी उच्च संभावनाओं वाली श्रेणियों पर जोर दिया जाएगा। डेकाथलॉन अपने 132 भारतीय स्टोर्स के 70 फीसदी से ज्यादा सामान घरेलू स्तर पर स्रोत करता है और 2030 तक इसे 90 फीसदी तक बढ़ाने की उम्मीद करता है। इस उत्पादन नेटवर्क में 113 सुविधाएं, 83 आपूर्तिकर्ता, सात उत्पादन कार्यालय और एक डिजाइन केंद्र शामिल हैं। डेकाथलॉन इंडिया के सीईओ ने कहा कि हमारी गुणवत्ता और निर्माण की गति ने हमें खुदरा बिक्री बढ़ाने और व्यापक 'मेड इन इंडिया' रेंज पेश करने में मदद की है।

अंबुजा सीमेंट्स का मुनाफा 24 प्रतिशत बढ़कर 970 करोड़ रुपये हुआ

मुंबई ।

सीमेंट्स ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शानदार नतीजे दर्ज किए हैं, जिसमें कंपनी का मुनाफा 24 प्रतिशत बढ़कर 970 करोड़ रुपये हो गया है। यह वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 783 करोड़ रुपये था। कंपनी की आय सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। इस तिमाही में अंबुजा सीमेंट्स की बिक्री 18.4 मिलियन टन (एमटी) रही है, जो अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है। तिमाही ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) सालाना आधार पर 53 प्रतिशत बढ़कर 1,961 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की मौजूदा क्षमता 104.5 मिलियन टन प्रति वर्ष है, जिसे मार्च 2026 तक बढ़ाकर 118 मिलियन टन प्रति वर्ष करने का लक्ष्य है। कंपनी वित्त वर्ष 2028 तक 140 मिलियन टन प्रति वर्ष के इकोसिस्टम की ओर बढ़ रही है।

अंबुजा सीमेंट्स के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ विनोद बहेटी ने नतीजों को एक वाइब्रेंट मूड, गति, पैमाने और स्थिरता की एक परिवर्तनकारी कहानी बताया।

उन्होंने बताया कि कंपनी प्रमुख बाजारों में मूल्य, व्यवसाय-अनुकूल, समाधान-केंद्रित प्रीमियम उत्पादों, पुनर्जीवित आपूर्ति श्रृंखला और बेहतर ब्रांड प्रभाव पर ध्यान केंद्रित कर रही है। अंबुजा सीमेंट्स वैश्विक स्तर पर 9वीं सबसे बड़ी निर्माण सामग्री समाधान कंपनी है।

कंपनी ने दुनिया के सबसे ऊंचे सिंगल-आर्च चिनाब रेलवे पुल के लिए सीमेंट की आपूर्ति की थी, जो उनकी उत्पाद गुणवत्ता और ब्रांड विश्वास का प्रमाण है। क्रेडाई के साथ साझेदारी के माध्यम से, कंपनी आवास, निर्माण और बुनियादी ढाँचे में एकीकृत, स्मार्ट, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार समाधानों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लक्ष्यों को आगे बढ़ा रही है। अंबुजा सीमेंट्स को वित्त वर्ष 2026 में सीमेंट की मांग 7-8 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, जिसका समर्थन मजबूत ग्रामीण और शहरी मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्च में बढ़ोतरी और आवास एवं रियल एस्टेट

इंपोर्टेड कारों और बाइक्स की कीमतों में भारी गिरावट उम्मीद

नई दिल्ली।

हाल ही में भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) हुआ है। यह एग्रीमेंट भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार के लिए एक बड़ा बदलाव साबित हो सकता है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस समझौते के लागू होने से भारत में इंपोर्टेड लग्जरी कारों और बाइक्स की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। अभी तक भारत में विदेश से लाई गई कारों पर करीब 100 प्रतिशत तक इंपोर्ट ड्यूटी लगती थी, जिससे उनकी कीमतें लगभग दोगुनी हो जाती थीं। लेकिन इस नए एफटीए के तहत कोटा सिस्टम लागू किया जाएगा, जिसके अनुसार सीमित संख्या में वाहनों पर केवल 10 प्रतिशत टैक्स लगेगा। इससे रॉल्स रायस कुलिनन जैसी कारें, जो अभी 12 करोड़ रुपये की आती हैं, केवल 6 करोड़ रुपये में उपलब्ध हो सकती हैं। इसी तरह बेंटले बेंटायेगा की कीमत 6 करोड़ से घटकर 3 करोड़ रुपये तक आ सकती है। इस समझौते से सबसे अधिक फायदा उन ब्रांड्स को होगा जो यूके में बनती हैं और भारत में पहले से मौजूद हैं जैसे जगुआर, लेंड रोवर, मेकलारेन और बेंटले। मेकलारेन की सुपरकार 750एस, जिसकी मौजूदा कीमत 5.91 करोड़ रुपये है, वह भी लगभग 3 करोड़ में मिल सकती है। हालांकि, इसमें जीएसटी, रजिस्ट्रेशन और बीमा जैसे खर्च शामिल नहीं होंगे। बाइक प्रेमियों के लिए भी यह सौदा फायदेमंद है।

भारत आजाद है किसी से डरने की चिंता करना नहीं चाहिए

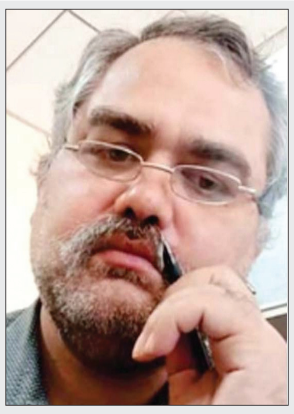

संजय गोस्वामी

कभी भी भारत को किसी भी क्षेत्र में कम आंकना गलत होगा टैलेंटेड लोगो की खान है भारत, तभी अमेरिका के लाख मना करने और उसके सेटेलाईट को मात देकर परमाणु परीक्षण किया और देश में कलाम और चिदंबरम जैसे वैज्ञानिक हुए देश उस समय गर्व से एकता का प्रदर्शन किया और अभी भी भारत को इन सब से चिंता नहीं चैलेन्ज की तरह लेना चाहिए।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प आज कल टैरीफ को लेकर चर्चा का विषय बने हुए हैं दरअसल ऑपरेशन सिंदूर के बाद ही राष्ट्रपति ट्रम्प के

सीजफायर पर संसद में उनका गुणगान नहीं किया गया और बदले की भावना से रूस से भारत के तेल व्यापार का बहाना बनाकर भारत पर 25परसेंट टैरीफ लगाने का ऐलान कर दिया इससे भारत को चिंता करने की बात नहीं है अटलजी जब प्रधानमंत्री थे तो 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण पर भी आर्थिक प्रतिबंध इससे कहीं अधिक था लेकिन बाद में आर्थिक प्रतिबन्ध को हटाना पड़ा क्योंकि उससे अमेरिका का ही बाजार बन्द हुआ और नुकसान हुआ अब 25 परसेंट लगावो या 100 परसेंट भारत 140 करोड़ जनता का देश है और लोकतान्त्रिक व्यवस्था है अतः हम क्यों डरे भारत एक कृषि प्रधान देश है और हमारे मजदूर वर्ग कोई चोरी से नहीं मेहनत से रोटी के लिए खून पसीना एक कर देता है चाहे गर्मी हो या बरसात और एक आकड़ा के मुताबिक भारत के गरीब और मध्यम वर्ग के लोग बीजेपी को सबसे ज्यादा वोट देते हैं हमारा देश भगवान राम के आदर्शो पर चलने वाला देश है किसी भी देश की अपनी आतंरिक मामलों पर दखल देना हरगिज पसन्द नहीं करेगा भारत माता में हमारी पुरी आस्था है और हमारे जवान जुझारू हैं हमारी टेक्नोलॉजी को पुरी दुनिया लोहा मानती हैं अतः कभी भी भारत को किसी भी क्षेत्र में कम आंकना गलत होगा टैलेंटेड लोगो की खान है भारत, तभी अमेरिका के लाख मना करने और उसके सेटेलाईट को मात देकर परमाणु परीक्षण किया और देश में कलाम और चिदंबरम जैसे वैज्ञानिक हुए देश उस समय गर्व से एकता का प्रदर्शन किया और अभी भी भारत को इन सब से चिंता नहीं चैलेन्ज की तरह लेना चाहिए। इसी पर एक कहानी याद आती है एक बार गिद्धों का एक बड़ा झुंड उड़ता-उड़ता एक टापू पर जा पहुँचा। वह टापू समुद्र के बीचों-बीच था, जहाँ शांति ही शांति थी। मछलियाँ, मेंढक और छोटे समुद्री जीवों की भरमार थी। वहाँ गिद्धों को भोजन की कोई कमी नहीं थी। और सबसे बड़ी बात–टापू पर कोई शिकारी जानवर नहीं था।

गिद्धों को जैसे स्वर्ग मिल गया हो। आरामदायक जीवन, बिना किसी खतरे के। हर दिन मौज-मस्ती, भरपेट भोजन और चैन की नींद। गिद्धों में अधिकतर युवा थे। उन्होंने वहीं बस जाने का मन बना लिया। वे बोले, 'अब जंगल का क्या काम? वहाँ खतरे हैं, मुश्किलें हैं। हम यहीं रहेंगे, यही हमारा भविष्य है।'

लेकिन उसी झुंड में एक बूढ़ा गिद्ध भी था। उसने वह जंगल देखा था जहाँ जीवन कठिन था, लेकिन सच्चा था। उसने शिकारी जानवरों से जूझना सीखा था, भूख में उड़ना सीखा था, और गिरकर उठना सीखा था।एक दिन बूढ़े गिद्ध ने सभा बुलाई। उसने कहा, 'बेटों, यह टापू तुम्हें मजबूत नहीं बना रहा, यह तुम्हें कमजोर कर रहा है। तुम उड़ना भूल चुके हो, पंजे कुंद हो गए हैं, और आँखें आलस की धुंध में धँस चुकी हैं। चलो, लौट चलें जंगल की ओर, जहाँ जीवन कठिन है, लेकिन वो तुम्हें जीवित रहना सिखाता है।'

युवा गिद्ध हँस पड़े। एक ने कहा, 'बाबा, तुम पुरानी सोच के हो। अब जमाना बदल गया है। हमें आराम मिल रहा है, फिर जंगल क्यों लौटें?'

बूढ़े ने बहुत समझाया, लेकिन कोई नहीं माना। वो अकेला ही उड़ गया। समय बीता।

कुछ महीने बाद बूढ़े गिद्ध को अपने पुराने साथियों की याद आई। उसने सोचा, 'देखूं, सब कैसे हैं।' वह वापस टापू पर लौटा। पर वहाँ जो उसने देखा, उससे उसकी आँखें भर आईं।

हर ओर गिद्धों की लाशें पड़ी थीं। कुछ घायल गिद्ध तड़प रहे थे। उसने दौड़कर एक घायल गिद्ध से पूछा, 'ये क्या हो गया?'

घायल गिद्ध की आँखों में पश्चाताप था। उसने कहा,

'बाबा, आपके जाने के कुछ दिन बाद एक जहाज आया। जहाज से कुछ शिकारी कुत्ते इस टापू पर छोड़ दिए गए। पहले तो उन्होंने कुछ नहीं किया, लेकिन फिर उन्हें पता चल गया कि हम उड़ नहीं सकते। हमारे पंजे बेकार हो चुके हैं, नाखून कुंद हो चुके हैं। फिर उन्होंने हम पर हमला किया।।। और एक-एक कर मार डाला। हम चाहकर भी भाग नहीं सके। हमें माफ कर दीजिए, हमने आपकी बात नहीं मानी।।।'

बूढ़े गिद्ध ने सिर झुका लिया। वह जानता था, जो होना था, वह हो चुका है।अतः हमें अपने दम पर मेक इन इंडिया को आगे बढ़ाने की कोशिश में लगे रहना चाहिए भारत आत्मनिर्भर देश है अंग्रेजो को भगाया आजादी में जी रहें हैं हमें किसी देश की धमकी नहीं डरा सकती है।अतः हम खुद ही अपने ताकत और ईमानदारी से मेहनत से उड़ते हैं हमारे पंजे बेकार नहीं हैं, हमारे आदर्श भगवान श्री राम है जिसमें गिद्ध ने भगवान के लिए अपने प्राण भी दे दिए और जटाउ ने तो रावण से सीता माता को रावण से विमान से छुराने के लिए संघर्ष किया और भगवान श्री राम की गोद में अपने प्राण त्याग दिया और उसी के भाई संपात्ति ने रामेश्वरम के धनुषकोटि से भगवान श्री राम के साथ वानर सेना को देखकर अपने भाई का हाल पूछा और राजा सुग्रीव और सभी वानर सेना सीता माता की खोज में निकलें थे और हताश हो गए थे तभी सम्पाती ने चट्टान के ऊपर से देखकर बता दिया की सीता माता लंका में रावण के अशोकवाटिका में बैठी है और तभी उसने ऐ भी कहा गिद्ध की नजर याने देखने की क्षमता अन्य प्राणियों से काफी अधिक होती है भारत एक ऐसा , देश है जो हजारों वर्षों से युद्ध लड़ता आया, जिसने ज्ञान, बलिदान, तप और त्याग की विरासत पाई थी। लेकिन अब वह टापू के गिद्धों की तरह दूसरे देश के झुण्ड में चलने से अच्छा अपना रास्ता चुने जो आत्मनिर्भर भारत गांधीजी का एक सपना था। भारत के वीर सेना के ऊपर ट्रम्प ने उनकी बहादुरी को बिलकुल दरकिनार कर दिया और अब चाहता है कि मेरा सिक्का भारत में चले ऐ देश के स्वाभिमान का प्रश्न है भारत का एक एक नागरिक अपने मातृभूमि से प्यार करता है सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा के लिए ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका महान थी जिसे देश पर गर्व है। भारत आजाद है किसी से डरने की चिंता करना नहीं है मीडिया और विपक्ष को अब देश में ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना के प्रति रना सकारात्मक होना चाहिए घटना घटी वहाँ कोई सिपाही मौजूद नहीं था और आतंकवादी ने सभी पर्यटक को मार डालें कभी कभी घटना अनजाने में हो जाती है जिसे राज्य सरकार को देखना चाहिए लेकिन उन बीते हुए कल को याद कर किसी पर दोष देकर मीडिया और दूसरे देश में मजाक उड़ाते हैं लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद मारे गए पर्यटक को न्याय जरूर मिला जबकी 26/11/2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमले में केवल आतंकवादी ही मारे गए और कसाब को इतना दिन तक जिन्दा क्यों रखा और यदि बयान देने और सवाल पूछने के बाद आखिर क्या हुआ।

संपादकीय

ट्रंप का झटका

दोस्त दोस्त ना रहा। ट्रंप ने आखिर, अपना रंग दिखा ही दिया। इसे भारत को बहुत पहले समझ जाना चाहिए था लेकिन अफसोस हम आज भी ट्रंप से उम्मीदें लगाए हुए हैं जबकि ट्रंप ने शीराजा ही हिला दिया है। कहां तो हम अपने अनुकूल व्यापार समझौते की उम्मीद लगाए बैठे थे पर दोनों देशों के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के बहाने ट्रंप ने भारत पर एक अगस्त से 25प्र. शुल्क लगाने की घोषणा की है। रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुमार्ना लगाने का भी फैसला किया है। ट्रंप ने यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय की है, जब एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि एक अमेरिकी व्यापार दल व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए 25 अगस्त से भारत का दौरा करेगा। ट्रंप की इस हरकत को भारत पर अमेरिका की मांगों को मानने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा सकता है, जिसने हाल में जापान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ अनुकूल व्यापार समझौते किए हैं। लगता है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद में चर्चा के दौरान भारत सरकार का यह कहना कि किसी देश ने भारत को युद्धविराम के लिए नहीं कहा था, ट्रंप को अखर गया है। ट्रंप तो अब तक 30 बार कह चुके हैं कि युद्धविराम उन्होंने ही कराया था। लगता है कि ट्रंप भारत को परेशान करने पर उतर आए हैं। उन्होंने सोशल मीड़िया पर एक पोस्ट में भारत की व्यापार नीतियों को अप्रिय करार दे ड़ाला है। ट्रंप ने कहा-सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को एक अगस्त से 25प्र. शुल्क और रूस से खरीद को लेकर जुमार्ना भी देना होगा। चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार भारत है। इन अपमानकारी हरकतों के बाद ट्रंप ने भारत को भ्रमित करने की कोशिश की और सोशल मीड़िया पोस्ट में भारत को अपना 'मित्र' बताया। ट्रंप की घोषणा पर भारत ने कोई प्रतिक्रिया नहीं जताई है। दरअसलङ्क भारत दुविधा में है क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि 25प्र. का शुल्क मौजूदा 10प्र. के मूल शुल्क के अतिरिक्त होगा या नहीं। ट्रंप भरोसे के काबिल नहीं रह गए हैं। याद रखें कि ब्रिक्स बैठक में पारित इस्राइल विरोधी प्रस्ताव के बाद वह पहले ही भारत सहित सभी ब्रिक्स देशों पर 10प्र. शुल्क लगा चुके हैं। अभी तो रूस से तेल व सैन्य सामग्री की खरीद पर लगने वाला शुल्क कितना होगा यह भी साफ नहीं है।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते हो: प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!' झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है।

युवाओं में बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित करना समय की मांग

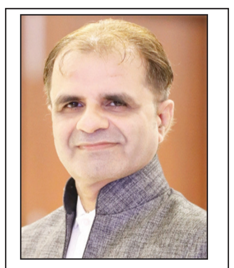

योगेश कुमार गोयल

एक जमाना था जब हमारे घरों में माताएं लकड़ी और कोयले से जलते चूल्हे पर रोटी और चावल पकाते और हम सामने बोरा बिछाकर बैठ देखते थे और पलभर में थाली में भोजन परोसा जाता था और हम ग्रहण कर बाहर प्रकृति की गोद में खटिया पर बैठकर या झाड़ों के बीच चक्कर लगाते या अपने कार्य पर चले जाते थे! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्रआज भी यह देखता हूं कि यही प्रक्रिया हमारे बड़े बुजुर्गों, पिछली पीढ़ियों और कई गांव शहरों में आज भी शुरू है!और खासियत है कि ऐसे लोगों में किसी भी प्रकार की बीमारी का कोई लक्षण नहीं था, पाश्चात्य संस्कृति का कोई लक्षण नहीं था, सीमित जिंदगी और सुखी जिंदगी की वह स्थिति!! आज उस जमाने की बात करें कर कहते हैं न जाने कहां गए वो दिन!! इस प्रकार की पुरानी यादों की बात वरिष्ठ नागरिक करते हैं तो सुनकर बहुत आश्चर्य और अच्छा लगता है!!! उत्साह होता है कि ऐसी सुखी जिंदगी जीने की!! यह थी टिकाऊ जीवन शैली!!

साथियों बात अगर हम वर्तमान जीवन शैली की करें तो इसके लिए उपरोक्त पुरानी टिकाऊ जीवन शैली की चर्चा करना बेहद जरूरी था जिसकी प्रत्यक्ष रिपोर्टिंग मैंने बुजुर्गों से की इसी जीवन शैली का नतीजा हमारे सामने माननीय पीएम द्वारा उल्लेखित 126 वर्षीय पदम पुरस्कार से सम्मानित बाबा शिवानंद का है जो पूरे विश्व के सामने एक मिसाल कायम है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थकर आहार की करें तो वर्तमान में हम देख रहे हैं कि अनेक चाइनीस फूड, पिज्जा जैसे सैकड़ों ऐसे फास्ट फूड हैं जिसपर आहार के रूप में हमारी निर्भरता बढ़ गई है हमनें हर दिन या हर दूसरे तीसरे दिन इनको ग्रहण करने के का प्रचलन कायम कर दिए हैं। हालांकि यह फास्ट फूड ग्रहण करने का हमारा विरोध या टीकाटिप्पणी नहीं है परंतु हमारा उद्देश्य अस्वास्थ्यकर आहरों की आदत से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है क्योंकि अगर हम दशकों पुराने जमाने और आज के जमाने की निरंतर बढ़ती खाई, अस्वास्थ्यता, बीमारियों का प्रकोप, स्वास्थ्य स्थिरता, शारीरिक कष्ट इत्यादि सैकड़ों स्वास्थ्य खतरों की करें तो यह समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है।

अगर हम खासकर वर्तमान पीढ़ी, देश का भविष्य बच्चों और युवाओं को इस बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित नहीं करा पाए तो यह गैप बहुत बढ़ जाएगी और हमारी ओरिजिनल भारतीय आहार संस्कृति, टिकाऊ जीवन शैली, विलुप्तता की ओर बढ़ने लगेगी इसलिए समय आ गया है कि हम युवाओं में इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें सचेत करें।

साथियों बात अगर हम पुरानी टिकाऊ जीवन शैली और वर्तमान जीवन शैली के अंतर की करें तो हमने कई बार सुना होगा,, दादा जी तुम तो पुरानी मजबूत हड्डियों से बने हो! तुम्हारे पास पुराने ही घी मक्खन की ताकत है!! तुम पुराने जमाने के सोने के अंडे खाए!! लाभ पाए हो!!! इत्यादि इत्यादि बातें हम करते हैं जो बिल्कुल सच है परंतु यह असर कोई शक्तिशाली विटामिन का नहीं बल्कि टिकाऊ जीवन शैली, स्वास्थ्यकर आहार, नियमित कसरत, अपार मेहनत, प्रकृति की गोद में बिताए लम्हों की ताकत है जो स्वास्थ्य और शरीर को मजबूत और टिकाऊ बनाए हुए हैं इसीलिए हर बड़े बुजुर्ग का कर्तव्य है कि वह अपने मार्गदर्शन से एक सामाजिक टीम खड़ी कर युवाओं को हेल्दी फूड स्वस्थ्य आहार की आदत, पाश्चात्य जीवन शैली का त्याग, तेजी से बदलती जलवायु परिवर्तन के घातक परिणामों से सबक जैसे अनेक मुद्दों को रेखांकित कर युवाओं को मार्गदर्शन, जन जागरण अभियान चलाकर प्रेरित करें।

साथियों बात अगर हम अस्वास्थ्यकर आहार के खतरों पर देश में बने कानूनों, नियमों, विनियमों, राज्य स्तरीय कानूनों, शासन, प्रशासन की करें तो हालांकि उपभोक्ता कानून सहित अनेक नियमों कानूनों में इस संबंध में सख्त धाराएं हैं परंतु जरूरत उस सख्ती के साथकानून लागू करनें की, जनता को जागृत करने की, अधिकारियों में जांबाजी और जज्बे की, जिसके बल पर कुछ कानून का सहारा, कुछ जनजागरण का सहारा, प्रोत्साहन, सतर्कता इत्यादि के बल पर हम इन से बचकर एक टिकाऊ जीवन शैली,स्वास्थ्यकर आहार, आदतों को अपनाकर अपने शरीर, स्वास्थ्य, जीवन को सुरक्षित और सकारात्मक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम दिनांक 10 अप्रैल 2022 को माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो इस विषय पर उन्होंने भी कहा, भारत में गैर-संचारी रोगों में वृद्धि की चिंताजनक रूझान को रेखांकित करते हुए उन्होंने निजी क्षेत्र में चिकित्सा संस्थाओं से लोगों, विशेष रूप से युवाओं के बीच एक निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार की आदतों से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से निष्क्रिय जीवन शैली का त्याग करने और स्वस्थ जीवन जीने का तरीका अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी और तेजी से बदलती जलवायु हमें हमारी आदतों और जीवन के तरीके के बारे में कई सबक सिखाती है। उन्होंने प्रकृति की गोद में अधिक समय व्यतीत करने और अधिक टिकाऊ जीवन शैली अपनाने की अपील की।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि टिकाऊ जीवन शैली अपनाएं। निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार की आदतों से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करना जरूरी है। युवाओं के बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित करना समय की मांग है।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

मुद्दाः हर किसी की भाषा से जुड़ना होगा

विवेक शुक्ला

भारत में अपने देश की भाषाओं को लेकर होने वाले विवाद को लेकर हम सब खबरें पढ़ते रहते हैं। इस मसले पर सियासत भी खूब होती है। तो इस समस्या का हल क्या है? सच पूछा जाए तो भाषा के मसले पर विवादों का एकमात्र हल है कि हम अपनी मातृ भाषा के अलावा भी किसी प्रांत की जुबान पढ़ें और सीखें। एक उदाहरण लीजिए। सुष्मिता बोस और अमना जकी राजधानी के अपने स्कूल की लाइब्रेरी के बाहर धारा प्रवाह पंजाबी में बातचीत कर रही थीं। इनके बीच संवाद को सुन कर कोई कह नहीं सकता था कि दोनों की मातृ भाषा पंजाबी नहीं है। बांग्लाभाषी सुष्मिता और अमना के घर में उर्दू या कहें हिन्दुस्तानी बोली जाती हैं। दोनों ने पंजाबी लिखना-बोलना राजधानी के अपने दशमेश पब्लिक स्कूल, विवेक विहार में सीखा। इधर पंजाबी भाषा सभी बच्चों को आठवीं कक्षा तक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाई जाती है।

अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृ भाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़ें और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिलङ्क बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो। दशमेश पब्लिक स्कूल की मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन सरदार बलबीर सिंह विवेक विहार कहते हैं कि भारत में 22 आधिकारिक भाषाएं और सैकड़ों बोलियां बोली जाती हैं, जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दशार्ती हैं। लेकिन यह विविधता कभी-कभी क्षेत्रीय और भाषाई दीवारें भी खड़ी कर देती है, जो लोगों के बीच आपसी समझ और एकता को कमजोर कर सकती है।

इस संदर्भ में, भारत के स्कूलों में विभिन्न प्रांतों की भाषाओं को पढ़ाने की अवधारणा न केवल एक शैक्षिक सुधार है, बल्कि यह सामाजिक-सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम भी हो सकता है। प्रत्येक भाषा अपने साथ साहित्य, परंपराएं, और जीवनशैली की अनूठी झलक लेकर आती है। उदाहरण के लिए, बांग्ला भाषा रबींद्रनाथ टैगोर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसे साहित्यकारों की विरासत को समेटे हुए है, तो पंजाबी भाषा गुरबानी और लोक संगीत की जीवंतता दशार्ती है। इसी तरह, असमिया और मलयालम जैसी भाषाएं अपनी साहित्यिक-सांस्कृतिक गहराई के लिए जानी जाती हैं। एक बांग्लाभाषी बच्चा, जो पंजाबी सीखता है, न केवल भाषा सीखेगा, बल्कि पंजाब के इतिहास, सिख संस्कृति और वहां के लोक नृत्यों जैसे भांगड़ा को भी समझेगा। इसी तरह, हिन्दीभाषी बच्चा, जो असमिया सीखता है, असम के चाय बागानों, बिहू नृत्य और वहां की प्राकृतिक सुंदरता से भी परिचित होगा।

यह प्रक्रिया बच्चों में एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति और सम्मान विकसित करेगी जो राष्ट्रीय एकता की नींव बन सकती है। जो बच्चे एक से अधिक भाषाएं सीखते हैं, उनकी संज्ञानात्मक लचीलापन, समस्या-समाधान क्षमता और रचनात्मक सोच में वृद्धि होती है। भारत जैसे बहुभाषी देश, जहां हर कुछ सौ किमी. पर भाषा और बोली बदल जाती है, में बच्चों को विभिन्न भाषाएं सिखाने से उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी। उदाहरण के लिए, मलयाली बच्चों को हिन्दी पढ़ाने से न केवल उन्हें नई भाषा सीखने का अवसर मिलेगा, बल्कि यह उन्हें उत्तर भारत की संस्कृति-साहित्य से भी जोड़ेगा। हिन्दी, जो भारत की राजभाषा है, देश के कई हिस्सों में संवाद का प्रमुख माध्यम है। मलयाली बच्चे जब हिन्दी सीखेंगे तो हिन्दी साहित्य के महान कवियों जैसे सूरदास, तुलसीदास, और प्रेमचंद की रचनाओं से परिचित होंगे। यह उनके लिए एक नई सांस्कृतिक खिड़की खोलेगा।

भारत में क्षेत्रीयता और भाषाई पहचान कई बार सामाजिक तनाव का कारण बनती है। जब एक बांग्लाभाषी बच्चा पंजाबी सीखता है, तो न केवल भाषा सीखता है, बल्कि पंजाब की संस्कृति, त्योहारों और जीवनशैली को भी समझता है। बहुभाषी शिक्षा के व्यावहारिक लाभ भी कम नहीं हैं। भारत तेजी से वैश्विक होता देश है, जहां नौकरी और व्यापार के अवसर अब क्षेत्रीय सीमाओं से परे हैं। विभिन्न भाषाओं का ज्ञान बच्चों को भविष्य में बेहतर अवसर प्रदान कर सकता है। पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में भी बहुभाषी शिक्षा महत्त्वपूर्ण भूमिका

निभा सकती है।

हालांकि विभिन्न प्रांतों की भाषाओं को स्कूलों में पढ़ाने का विचार आकर्षक है, लेकिन इसके कार्यान्वयन में चुनौतियां भी हैं। कई स्कूलों में संसाधनों की कमी है। विभिन्न भाषाओं को पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की आवश्यकता होगी जो चुनौती हो सकती है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कुछ व्यावहारिक कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, स्कूलों में भाषा शिक्षा को वैकल्पिक विषय के रूप में शुरू किया जा सकता है, ताकि छात्र अपनी रु चि के अनुसार भाषा चुन सकें। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश, जहां भाषा और संस्कृति लोगों को जोड़ने के साथ-साथ अलग भी करती हैं, में बहुभाषी शिक्षा एकता की दिशा में मह'वपूर्ण कदम हो सकती है।

श्रीनगर कैंप से बीएसएफ का जवान हुआ लापता, पुलिस में गुमशुदगी दर्ज

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर कैंप से बीएसएफ का एक जवान लापता हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। जानकारी अनुसार लापता जवान की खोज में सुरक्षाबल और स्थानीय प्रशासन लगा रहा, लेकिन जब जवान का कोई सुराग नहीं मिला तो स्थानीय पुलिस को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जानकारी अनुसार, बीएसएफ के जवान सुगम चौधरी 31 जुलाई की शम को अपने बटालियन मुख्यालय, पंथाचौक से अचानक गायब हो गए। उनके लापता होने पर बीएसएफ की टीम ने तुरंत ही आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन जवान का कोई अता-पता नहीं मिला। इसके बाद ही बीएसएफ यूनिट ने स्थानीय पुलिस स्टेशन पंथाचौक में जवान के गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट लिखे जाने के बाद पुलिस और बीएसएफ संयुक्त रूप से मामले की जांच करने में जुट गए हैं। लापता हुए जवान की तलाश के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बीएसाएफ से प्राप्त जानकारी अनुसार बीएसएफ की 60वीं बटालियन के जवान सुगम चौधरी 31 जुलाई की देर रात को बटालियन मुख्यालय पंथाचौक से लापता हुए हैं और उनकी तलाश में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के बावजूद कोई सुराग नहीं मिल सका है।

आपत्तिजनक पोस्ट से पुणे के यावत गांव में तनाव... पुलिस इलाके में मौजूद

महाराष्ट्र (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के यावत गाँव में एक युवक द्वारा सोशल मीडिया पर कथित तौर पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के बाद तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। पुलिस का कहना है कि गाँव में एक हफ़्ते पहले एक घटना हुई थी, इसकारण यहाँ पहले से ही स्थिति तनावपूर्ण थी। ग्रामीण सड़कों पर उतर आए और कुछ युवकों ने एक ढाँचे में तोड़फोड़ करने की कोशिश की। लेकिन घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस इलाके में मौजूद है। पुलिस ने बताया कि यवत गाँव में दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक ने अपने व्हाट्सएप/फेसबुक पर एक आपत्तिजनक स्टेटस पोस्ट किया है। शिकायत के बाद लड़के को पुलिस स्टेशन लाया गया। कार्रवाई शुरू की गई। कुछ गाँव वाले भी वहाँ पहुँचे। हमारी पुलिस टीम ने गाँव में शांति बनाए रखने के लिए गाँव के प्रतिनिधियों के साथ बैठक शुरू की। लेकिन तब तक सोशल मीडिया पर संदेश वायरल हो गया था। एक सप्ताह पहले गाँव में एक घटना हुई थी, इसलिए यहाँ स्थिति पहले से ही तनावपूर्ण थी इसलिए क्योंकि भावनाएँ पहले से ही बढ़ गई थीं, ग्रामीण सड़कों पर उतर आए और कुछ युवाओं ने एक संरचना में तोड़फोड़ करने का प्रयास किया। लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस प्रशासन ने यहाँ प्रतिक्रिया दी और गाँव में गश्त की। स्थिति अभी शांतिपूर्ण है।

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। राज्य के विभिन्न हिस्सों से चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इन उग्रवादियों का संबंध प्रतिबंधित संगठनों से है और इनके पास से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद हुई है। गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों और उनके संगठनों में मोइरंगथेम बिरमानी मेइती, स्वयंभू सेना प्रमुख, कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोंगड्रेनखोम्बा), स्थान- बिष्णुपुर जिले के फुबाला पट्टन, गिरफ्तारी- बृहस्पतिवार को। केइशम विल्सन सिंह (18) और थोकचोम सनाथोई मेइती (22), सदस्य, कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल), स्थान- थौबल जिले का सलुंगफाम बाजार, आरोप- छोटे व्यवसायों से जबरन वसूली है और इनके पास से बरामदगी 9एमएम पिस्तौल, मैगजीन, तीन कारतूस हैं। तेलेम नाओबा सिंह (29) सक्रिय कार्यकर्ता, पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक (प्रो), स्थान- इंफाल पूर्व जिले के खुरई चैरेनथोंग, गिरफ्तारी बृहस्पतिवार को और इनके पास से हथियारों और विस्फोटकों की बरामदगी हुई है। स्थान- चुराचांदपुर जिले के गेलजंग क्षेत्र से बरामदगी, एक एके राइफल, एक मैगजीन, तीन डेटोनेटर, दो रेडियो सेट, एक आईईडी कैप, तीन देसी मोर्टार हैं। अधिकारियों ने बताया कि उग्रवादी संगठनों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। सुरक्षा बलों ने कई क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया है, जिससे आगे और भी गिरफ्तारियां संभव हैं।

गोरखपुर कलेक्ट्रेट में बवाल : वकील और मजदूरों में झड़प, पुलिस फोर्स तैनात

गोरखपुर (एजेंसी)। शुक्रवार सुबह गोरखपुर कलेक्ट्रेट परिसर हिंसा और हंगामे का गवाह बना, जब वकीलों और निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के बीच तीखी झड़प हो गई। सुबह करीब 11 बजे हुई इस घटना ने देखते ही देखते बड़ा रूप ले लिया और अधिवक्ताओं ने जमकर हंगामा किया, टीनशेड तोड़ दिए और जेसीबी पर पत्थरबाजी भी की। जानकारी अनुसार विवाद उस समय शुरू हुआ जब कुछ वकील कलेक्ट्रेट भवन में प्रवेश करना चाह रहे थे। वकीलों का आरोप है कि निर्माण कार्य के चलते ठेकेदार के मजदूरों ने उन्हें अंदर जाने से रोका। विरोध करने पर मजदूरों ने बार एसोसिएशन के मंत्री सीपी मिश्रा के साथ मारपीट की, जिसमें उनके हाथ में चोट आई। घटना की सूचना मिलते ही एडीएम सिटी अंजनी कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और वकीलों को समझाने की कोशिश की। बात न बनने पर एसपी सिटी अभिनव त्यागी, एसपी नॉर्थ जितेंद्र श्रीवास्तव और सीओ गोरखनाथ रवि सिंह सहित कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। कैंट, गोरखनाथ, शाहपुर और रामगढ़ताल थाने की पुलिस को तैनात किया गया। यहां बताते चलें कि कलेक्ट्रेट परिसर में भवन निर्माण कार्य चल रहा है और कई जगह बैरिकेडिंग की गई है। वकीलों का कहना है कि आने-जाने के लिए रास्ता नहीं छोड़ा गया, जिससे रोजाना असुविधा हो रही है। वे पहले से ही इसका विरोध कर रहे थे, लेकिन शुक्रवार को विवाद हिंसक हो गया।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का हमला, राहुल गांधी कोई बच्चे नहीं... देश के सम्मान को बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए

संसद के बाधित होने का सबसे बड़ा नुकसान विपक्षी दलों को

बीकानेर (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर कार्यवाही बाधित करने और भारत विरोधी बयान देने का आरोप लगाकर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कोई बच्चे नहीं हैं और उन्हें देश के सम्मान को बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी बार-बार इसतरह के बयान दे रहे हैं जो भारत विरोधी हैं और यह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई भी भारतीय अर्थव्यवस्था और छवि के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकता। रिजिजू ने दावा किया कि कई विपक्षी दलों के नेताओं ने भी राहुल गांधी के इन बयानों की निंदा की है। राहुल गांधी कोई बच्चे नहीं हैं, यह हर भारतीय का कर्तव्य है, और विपक्ष के नेता के तौर पर उन्हें समझना चाहिए कि देश विरोधी बयान देना और संसद को बाधित करना सही नहीं है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने मानसून सत्र के पहले दिन से ही विपक्ष पर हंगामा करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि विपक्ष की मांग पर ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हुई थी, जिसमें सभी दलों ने भाग लिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि एक बार जब एक विषय पर चर्चा समाप्त हो जाती है, तब विभिन्न दलों द्वारा नोटिस दिए जाते हैं, लेकिन बहस शुरू होते ही वे सदन के वेल में आ जाते हैं। रिजिजू ने विपक्ष पर सदन को चलने नहीं देने और फिर यह आरोप लगाने की निंदा की कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। उन्होंने फिर कहा कि कि संसद के बाधित होने का सबसे बड़ा नुकसान विपक्षी दलों के सदस्यों को हो रहा है, क्योंकि वे लोगों की आवाज और सवाल नहीं उठा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जनता के आशीर्वाद से और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूती से काम कर रही है।

एसआईआर पर चर्चा से इंकार

एसआईआर (सर्वोच्च न्यायालय की आंतरिक रिपोर्ट) पर बहस की विपक्ष की मांग के बारे में, रिजिजू ने स्पष्ट किया कि सरकार नियमों के अनुसार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने कहा कि एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि यह एक संवैधानिक संस्था द्वारा की जाने वाली प्रक्रिया है और यह पहली बार नहीं हो रहा है।

नौसेना के युद्धपोत पर पहुंचे महानायक... मुझे उन सैनिकों पर गर्व है जो हमारे लिए सब कुछ समर्पित कर देते

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने सैनिकों के बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को फिर सलाम किया है। अमिताभ ने भारतीय नौसेना के युद्धपोत पर एक दिन बिताने के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति प्रशंसा और गर्व व्यक्त किया। बिग बी ने पोस्ट कर लिखा.....'मेरे जीवन का अनुभव, नौसेना के युद्धपोत पर पूरा दिन बिताया... हमारी लड़ाकू सेनाओं के लिए गर्व और सम्मान। अमिताभ ने युद्धपोत पर बिताए दिन की तस्वीरें साझा कीं और सशस्त्र बलों की वीरता और समर्पण की कहानियों का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, ''हम सुनते हैं कि हमारे सैनिक हमारे लिए अपने प्राणों का बलिदान देते हैं। हम उनकी वीरता की कहानियां सुनते हैं, जिससे हम सुरक्षित हैं और चैन की नींद लेते हैं। महानायक ने कहा कि हम अपने घरों में आराम से रहते हैं, जबकि वे हमारी सुरक्षा और शांति के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। ''मैं आज एक सीख लेकर लौटा हूं। मुझे लगता है जैसे कोई अदृश्य शक्ति मुझे सेनाओं की उस सच्चाई के सामने ले गई, जो अक्सर अनदेखी कर दी जाती है। अमिताभ ने गर्व के साथ कहा कि मैं भारत का नागरिक हूं और मुझे उन सैनिकों पर गर्व है जो हमारे लिए सब कुछ समर्पित कर देते हैं। भारत माता की जय!

कांग्रेस नेता ने कहा- भगवा नहीं हिंदुओं को आतंकी कहिए, मचा बवाल

मुंबई (एजेंसी)। मालेगांव बम धमाके के सभी सात आरोपियों की अदालत से रिहाई के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने इस निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, मैं अनुरोध करता हूं कि भगवा आतंकवाद शब्द का प्रयोग न करें। अगर करना ही है तो 'सनातनी आतंकी' या 'हिंदू आतंकी' कहें। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कहा कि असल में आतंकवाद का कोई धर्म या जाति नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि इस केस को जानबूझकर कमजोर किया गया और इसकी निष्पक्ष जांच नहीं हुई। चव्हाण ने कहा, मालेगांव में विस्फोट तो किसी ने किया ही था। मुझे पहले से ही अंदेशा था कि इस केस का यही नतीजा होगा, क्योंकि यह मामला यूपीए सरकार के समय शुरू हुआ था और फिर बीजेपी सत्ता में आ गई। एनआईए ने इस केस को कमजोर किया। एनआईए किसके नेतृत्व में काम कर रही है?चव्हाण ने आतंकवाद से जुड़े मामलों में जवाबदेही की कमी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा, अगर जिन लोगों को बरी किया गया है उन्होंने धमाका नहीं किया, तो फिर किया किसने? यही हाल ट्रेन ब्लास्ट केस में भी हुआ। उन लोगों के परिवारों को क्या जवाब देंगे जिन्होंने अपने परिजन खोए?इस दौरान चव्हाण ने भगवा आतंकवाद शब्द के उपयोग पर भी टिप्पणी की। उनकी इस टिप्पणी से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी दलों ने चव्हाण पर सांप्रदायिक भावना भड़काने का आरोप लगाया है।29 सितंबर, 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव शहर में हुए बम विस्फोट में 6 लोगों की मौत और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। मामले की जांच में कई बार मोड़ आए और मुकदमा 17 साल तक चला। अंततः सभी सातों आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

ऑपरेशन महादेव: एक लाहौर से, दूसरा पीओके से... हमलावरों की पाकिस्तानी आईडी सामने आई

और कितने सबूत चाहिए विपक्षी दलों को

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन महादेव के तहत हुई मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मार गिराया गया है, और उनकी पहचान पाकिस्तानी नागरिकों के रूप में हुई है। 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 बेकासूर लोग मारे गए थे, जिससे पूरे देश में आक्रोश था। अब सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन महादेव' के तहत लिदवास इलाके में हुई एक मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मार गिराया गया।

मुठभेड़ में मारे गए तीनों आतंकियों की पहचान पाकिस्तानी नागरिकों के रूप में हुई है। इसमें से एक आंतकी लाहौर का निवासी था, जबकि दूसरा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से था। तीसरे की भी पाकिस्तानी नागरिकता की पुष्टि की जा रही है। पाकिस्तानी आईडी और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े ट्रेनिंग वीडियो आतंकियों के पास से बरामद हुए हैं। सुरक्षा एजेंसियों की जांच में सामने आया है कि ये तीनों आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सक्रिय सदस्य थे और पिछले तीन महीनों से भारत में छिपे हुए थे। सुरक्षा बलों द्वारा गिरफ्तार किए गए कुछ मददगारों ने इनकी पहचान सुलेमान, अफगानी और जिबरान के रूप में की है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद मिशन की निगरानी की। उन्होंने चंडीगढ़ फोरेंसिक लैब से अंतिम रिपोर्ट आने तक सोमवार की पूरी रात जागकर वैज्ञानिकों से फोन और वीडियो कॉल पर बात की। उन्होंने लोकसभा में बताया कि छह वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि मुठभेड़ में बरामद हथियार वहीं हैं जिससे पहलगाम में हमारे बेकासूर भाईयों पर गोलियां चली थीं।

मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों के पास से एक एम9 और दो एके-47 राइफलें बरामद हुई। इन हथियारों को खास विमान से श्रीनगर से चंडीगढ़ फोरेंसिक लैब लाया गया। अहमदाबाद से एक विशेष मशीन मंगाई गई, जो बुलेट केसिंग मिलान के लिए जरूरी थी। चंडीगढ़ लैब में टेस्ट फायरिंग की गई, जिसमें गोली के खोल बैसरन घाटी से मिले सबूतों से 99 प्रतिशत मेल खाते निकले। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण था कि मारे गए आतंकी ही पहलगाम हमले के दोषी थे।

बात दें कि पहलगाम हमले के तुरंत बाद शाह खुद कश्मीर गए और स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी आतंकी पाकिस्तान वापस न लौट सके। सुरक्षा एजेंसियों ने करीब 8 किलोमीटर लंबे संभावित भागने वाले रास्ते को चिन्हित कर कड़ी सुरक्षा में लिया। सुरंगों को खोजकर बंद किया गया ताकि आतंकी भाग न सकें। इन सख्त उपायों के कारण तीनों आतंकी तीन महीने तक छिपे रहे, और उन्हें इस दौरान कोई और हमला करने या भागने का मौका नहीं मिला। उनकी मुठभेड़ में मौत के बाद यह भी साफ हो गया कि उनके हथियारों से आखिरी बार बैसरन में ही गोली चली थी।

उपराष्ट्रपति पद पर चुनाव नौ सितंबर को होगा : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नौ सितंबर को होगा। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को यह घोषणा की। आयोग के अनुसार उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अधिसूचना सात अगस्त को जारी होगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त होगी। आयोग ने कहा कि यदि मतदान की जरूरत हुई तो यह नौ सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संसद भवन के प्रथम तल पर स्थित कक्ष संख्या एफ-101, वसुधा में होगा। उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। उपराष्ट्रपति पद 21 जुलाई को निवर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा त्यागपत्र देने के कारण रिक्त हो गया था। निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राज्यसभा महासचिव को निर्वाचन अधिकारी और राज्यसभा सचिवालय के दो अधिकारियों को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल होते हैं। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के पात्र होते हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य, राज्यसभा के 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543 सदस्य शामिल होते हैं।

मालेगांव विस्फोट मामले में मोहन भागवत को गिरफ्तार करने का दबाव था

महाराष्ट्र एटीएस के पूर्व अधिकारी का दावा- मैंने आदेश का नहीं किया पालन

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मालेगांव में 2008 में हुए विस्फोट मामले की जांच करने वाले महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते के एक पूर्व पुलिस अधिकारी ने दावा किया है कि उन पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करने का दबाव था। इस मामले में बीजेपी की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत सभी सात आरोपियों को बरी करने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र एटीएस के रिटायर्ड इन्सपेक्टर महबूब मुजावर ने कहा कि भागवत को गिरफ्तार करने के आदेश का उद्देश्य 'भगवा आतंकवाद' को स्थापित करना था।

उन्होंने सोलापुर में कहा कि कोर्ट के फैसले ने एटीएस के फर्जीवाड़े को नकार दिया है। शुरू में एटीएस ने मामले की जांच की थी, लेकिन बाद में इसे एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया था। मुजावर ने एक वरिष्ठ अधिकारी का नाम लेते हुए कहा कि इस फैसले ने एक फर्जी अधिकारी द्वारा की गई फर्जी जांच को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए विस्फोट की जांच करने वाली एटीएस टीम का हिस्सा थे, जिसमें छह लोग मारे गए थे और 101 घायल हुए थे।

उन्होंने दावा किया कि उन्हें मोहन भागवत को 'गिरफ्तार' के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कह सकता कि एटीएस ने उस समय क्या जांच की और क्यों... लेकिन मुझे राम कलसांगरा, संदीप डांगे, दिलीप पाटीदार और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बारे में कुछ गोपनीय आदेश दिए गए थे। ये सभी आदेश ऐसे नहीं थे कि उनका पालन किया जा सके। मुजावर ने कहा कि दरअसल उन्होंने उनका पालन नहीं किया क्योंकि उन्हें हकीकत पता थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि मोहन भागवत को पकड़ना मेरी क्षमता से परे था। मैंने आदेशों का पालन नहीं किया, इसलिए मेरे खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया और इसने मेरे 40 साल के करियर को बर्बाद कर दिया। मुजावर ने कहा कि उनके पास अपने दावों के समर्थन के सबूत हैं। उन्होंने कहा कि कोई भगवा आतंकवाद नहीं था। सब कुछ फर्जी था।

स्कूल के पानी के टैंक में जहर मिलाने पर भड़के सीएम सिद्धारमैया, बताया आतंकवादी कृत्य

बैंगलोर (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शिवमोगा जिले में एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय के पानी के टैंकों को शरारती तत्वों द्वारा कीटनाशक से दूषित करने और चार बच्चों के बीमार पड़ने की चौंकाने वाली घटना पर शुक्रवार को प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे आतंकवादी कृत्य बताया। यह घटना गुरुवार को शिवमोगा जिले के होसानगरा तालुक के हुविनाकोण गाँव की है। सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य सरकार ने उस घटना को बहुत गंभीरता से लिया है जिसमें बदमाशों ने सरकारी प्राथमिक विद्यालय के पीने के पानी के टैंक में कथित तौर पर कीटनाशक मिला दिया था। मेरे विचार से, मासूम बच्चों की सामूहिक मौत के इरादे से किया गया यह जघन्य कृत्य किसी आतंकवादी हमले से कम नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय के रसोइया कर्मचारियों की सतर्कता की बदौलत एक बड़ा हादसा टल गया। मैं समय पर हस्तक्षेप करने के लिए रसोई कर्मचारियों की सराहना करता हूँ। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस को मामले की गहन जाँच करने, इस कृत्य के दोषियों की पहचान करने और उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा दिलाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जिस मानसिकता के कारण कोई व्यक्ति पीने के पानी में ज़हर मिलाता है, वह हमारे समाज में मानवता के नैतिक पतन को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि सभी को इस पर गहराई से विचार करना चाहिए।÷ गुरुवार को, सरकारी स्कूल में दो पानी की टंकियाँ दूषित पाई गईं, जिनमें से एक में कीटनाशक की मात्रा बहुत ज़्यादा थी। यह मामला तब सामने आया जब कुछ छात्रों ने दूसरे टैंक के पानी से हाथ धोते समय दुर्गंध महसूस की। कुछ असामान्य महसूस होने पर, उन्होंने शिक्षकों को सूचित किया। कथित तौर पर दूषित पानी से हाथ धोने वाले चार बच्चे बीमार पड़ गए। उन्हें होसानगर अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत फिलहाल स्थिर है। तहसीलदार रश्मि हलेश अन्य अधिकारियों के साथ स्कूल पहुँचीं और मौके पर जाकर निरीक्षण किया।

अभी नहीं रुकेगी बारिश, अगस्त-सितंबर में भी लोगों को नहीं मिलेगी राहत

-इस साल बिहार, बंगाल और ओडिशा में अब तक सामान्य से कम बारिश

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पश्चिम यूपी जैसे इलाकों में इस साल अच्छी बारिश हुई है। गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली के तमाम इलाकों में जोरदार बारिश हुई है। कई मोहल्ले और सोसायटियों में तो लगातार पानी भरने की शिकायतें आती रहती हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगस्त और सितंबर में भी सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि अगस्त में सामान्य बारिश होगी। इसके अलावा सितंबर में सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। दो महीने में 106 फीसदी बारिश होगी, जो सामान्य से 6 फीसदी ज्यादा है। ऐसा देश के सभी हिस्सों में नहीं होगा। इस साल यूपी, दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब और उत्तराखंड में अच्छी बारिश होगी। पूर्वी भारत, मध्य भारत और पश्चिमी भारत के ज्यादातर राज्यों में बारिश सामान्य से कम होगी। इस साल बिहार, बंगाल और ओडिशा में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है।

आमतौर पर उत्तर बिहार में अच्छी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने ब्लॉक स्तर पर भी बारिश का अनुमान जताया है। पूरे देश के 7,200 ब्लॉकों का मौसम कैसा रहेगा, कब बारिश होगी और कब आसमान साफ रहेगा इसकी जानकारी ब्लॉक-वाइज रेनफॉल मॉनिटरिंग स्कीम के जरिए की गई है। मौसम विभाग का कहना है कि इसके जरिए रियलटाइम जानकारी मिलेगी। अब तक मौसम विभाग की ओर से जिलावार जानकारी दी जाती थी। माना जा रहा है कि अब मौसम विभाग का अनुमान सटीक हो सकेगा।

आमतौर पर जिला स्तर के अनुमान में किसी एक हिस्से में बारिश होती थी और कहीं नहीं होती थी। इसे लोग मौसम विभाग के अनुमान से जोड़ते थे कि वह गलत साबित हुआ। अब ब्लॉक लेवल पर अनुमान लगाया जाएगा। मौसम विभाग ने जून और जुलाई की मॉनसून बारिश का भी आंकड़ा दिया है। मौसम विभाग ने कहा कि जून और जुलाई में ज्यादातर राज्यों में सरप्लस बारिश हुई, लेकिन मध्य, पश्चिम और पूर्वी भारत के कई राज्यों में अनुमान से कम बारिश हुई है।

कृष्ण और गांधी

ओशो

गांधी गीता को माता कहते हैं लेकिन गीता को आत्मसात नहीं कर सके क्योंकि गांधी की अहिंसा युद्ध की संभावनाओं को कहां रखेगी? तो गांधी उपाय खोजते हैं, कहते हैं कि यह जो युद्ध है, सिर्फ रूपक है, यह कभी हुआ नहीं। यह जो कुरु क्षेत्र है, कहीं कोई बाहर का मैदान नहीं है, और ऐसा नहीं है कि कृष्ण ने कहीं अर्जुन को किसी बाहर के युद्ध में लड़ाया हो। गांधी को कठिनाई है क्योंकि गांधी का जैसा मन है, उसमें तो अर्जुन ही ठीक मालूम पड़ेगा। अर्जुन के मन में बड़ी अहिंसा का उदय हुआ है। वह युद्ध छोड़कर भाग जाने को तैयार है। कहता है, अपनों को मारने से फायदा क्या? इससे तो बेहतर है कि सब छोड़कर भीखमंगा हो जाऊं। बेहतर है कि भाग जाऊं और सारे दुःख वरण कर लूं, लेकिन हिंसा में न पड़ूं। कृष्ण की बात गांधी की पकड़ में कैसे आ सकती है? क्योंकि कृष्ण उसे समझाते हैं कि तू लड़। कृष्ण का तर्क है कि जब तक तू ऐसा मानता है कि कोई मर सकता है, तब तक तू आत्मवादी नहीं है। तब तक तुझे पता ही नहीं है कि जो भीतर है, वह कभी मरा है, न कभी मर सकता है। अगर तू सोचता है कि मैं मार सकूंगा, तो बड़ी भ्रांति में है, बड़े अज्ञान में है क्योंकि मारने की धारणा ही भौतिकवादी की धारणा है।

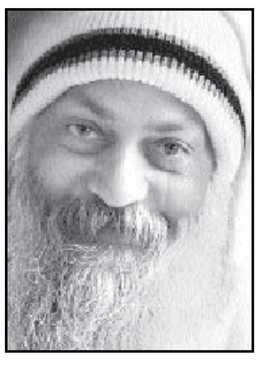

इसलिए कृष्ण को जिन्होंने पूजा भी है, आराधना भी की है, उन्होंने भी कृष्ण के टुकड़े-टुकड़े करके किया है। सूरदास के कृष्ण कभी बच्चे से बड़े नहीं हो पाते। बड़े कृष्ण के साथ खतरा है। सूरदास बर्दाश्त न कर सकेंगे। वह बाल कृष्ण को ही..क्योंकि बालकृष्ण अगर गांव की स्त्रियों को छेड़ आता है, तो हमें बहुत कठिनाई नहीं है। लेकिन युवा कृष्ण जब गांव की स्त्रियों को छेड़ देगा तो फिर बहुत मुश्किल हो जाएगा। फिर हमें समझना बहुत मुश्किल हो जाएगा क्योंकि हम अपने ही तल पर तो समझ सकते हैं। तो कोई है, जो कृष्ण के एक रूप को चुन लेगा; कोई है, जो दूसरे रूप को चुन लेगा। गीता को प्रेम करने वाले भागवत की उपेक्षा कर जाएंगे क्योंकि भागवत का कृष्ण और ही है। भागवत को प्रेम करने वाले गीता की चर्चा में पड़ेंगे क्योंकि कहां राग-रंग, कहां रास और कहां युद्ध का मैदान! उनके बीच कोई तालमेल नहीं है। शायद कृष्ण से बड़े विरोधों को एक-साथ पी लेने वाला कोई व्यक्तित्व ही नहीं है। इसलिए, कृष्ण की एक-एक शक्ल को लोगों ने पकड़ लिया है। जो जिसे प्रीतिकर लगी है, उसे छांट लिया है, बाकी शक्ल को उसने इनकार कर दिया है।

खबरें जरा हटके

पति का पुनर्जन्म मान 74 साल की महिला ने की बछड़े से शादी

पुनर्जन्म पर बहुत से लोग विश्वास करते हैं और बहुत से लोग नहीं। हालांकि पुनर्जन्म से जुड़ी कई कहानियां हमें पढ़ने को मिलती रहती हैं। इन दिनों कंबोडिया की रहने वाली खिम हैंग सोशल मीडिया पर कुछ इसी वजह से छाई हुई हैं। यह महिला 74 साल की है और हाल ही इसने एक बछड़े से शादी रचाई है। महिला इसे बहुत प्यार करती है। मामला पति के बछड़े के रूप में पुनर्जन्म का है। लोग इसे लेकर काफी हैरान और उत्सुक हैं। उनके घर पर लोगों की भीड़ लग रही है। महिला अपने इस बछड़े पति से इतना प्यार करती है कि उसे अपने साथ ही सुलाती है। दिन भर उसकी देखभाल भी करती है। खिम हैंग का कहना है कि उनके पति टोल खूत इस बछड़े के रूप में वापस उनके पास आए हैं। उन्हें इस बात का पूरा विश्वास है, क्योंकि एक दिन उनके पति की आत्मा उनके पास आई थी। उसने उनसे कहा था कि मैं तुम्हारा पति टोल खूत हूं। इसके बाद वह बछड़ा उनके समीप आया और उनके बालों को सहलाने लगा। इतना ही नहीं उनकी गर्दन को चूमा भी। यह बछड़ा बिल्कुल वैसे ही सीढ़ियां चढ़ता है, जैसे उनके पति चढ़ते थे। जिससे उन्हें भी अहसास हो गया कि यह उनका पति ही है। सबसे खास बात तो यह है कि वह बछड़े को उसी कमरे में रखती हैं। जिसमें उनके पति रहते थे। हालांकि उनके बच्चे इस बछड़े को अपना पिता नहीं मानते हैं।

आधे चेहरे के साथ पैदा हुई लड़की, अमरीका में सर्जरी के बाद दिखती है ऐसी

दुनिया में शारीरिक विकृतियों के साथ कई बच्चे पैदा होते हैं। इनमें से जो जीवित रहते हैं उनके लिए डॉक्टर भगवान हो जाता है। इनके शरीर में जो कमी भगवान छोड़ देते हैं, सर्जरी की मदद से उसे डॉक्टर पूरा करते हैं। स्लोवाकिया की रहने वाली 30 साल की इवांका डेंसिसोवा गोल्डेनहेर सिंड्रोम से पीड़ित हैं। यह जन्मजात बीमारी है, जिसमें चेहरे के कई अंग पूरी तरह वकसित नहीं हो पाते और चेहरा अधूरा रह जाता है। इवांका के साथ भी कुछ ऐसा ही है। वह पिछले 30 सालों से आधे चेहरे के साथ जिंदगी गुजार रही हैं। कई बार उनके मन में सुसाइड का ख्याल भी आया, लेकिन इवांका ने हिम्मत नहीं हारी। अपनी कमजोरी को दुनिया से छुपाते छुपाते उन्होंने जीवन के 30 साल गुजार लिए। इवांका वकील हैं और अब चाहती हैं कि वह अपने चेहरे को सही आकार दे सकें। इसके लिए उन्होंने अमरीका में सर्जरी करवाई। अब उनकी एक सर्जरी सितंबर में होनी है। जिसके बाद इवांका का चेहरा भी पूरी तरह से बदल जाएगा। अपने आधे चेहरे को छुपाने के लिए इवांका लंबे बाल रखती है और उसे आगे करके चेहरो को ढंकती है। इतने सालों तक उन्होंने इसी तरीके से अपनी शक्ल दुनिया से छुपाए रखी। इवांका को जो बीमारी है वह करीबन 25 हजार बच्चों में किसी एक को होती है। इसमें चेहरे के कान और आंख ज्यादा प्रभावित होते हैं। यह अपने क्रमानुसार बढ़ नहीं पाते। यही नहीं इसकी वजह से हार्ट, किडनी और फेफड़ों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

सेहत

मिट्टी का प्रयोग बनाएगा शरीर को निरोगी

प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों में से एक मिट्टी चिकित्सा पद्धति वास्तव में इस धारणा पर केंद्रित है कि शरीर पंच महाभूतों पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु से मिलकर बना है। इन्हीं तत्वों में असंतुलन होने पर शरीर रोगी होता है। तत्वों में संतुलन करने के लिए मिट्टी का प्रयोग चिकित्सा में होता है।

गर्म मिट्टी = मिट्टी की लुगदी बनाकर एक घंटा गर्म करके पट्टी बनाकर शरीर पर लगाया जाता है। इससे शरीर की जकड़न, सूजन, जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द में तुरंत राहत मिलती है।

ठंडी मिट्टी = मिट्टी में ठंडा पानी मिलाकर 6-8 घंटे फूलने के लिए रख दें। इस मिट्टी की पट्टी बनाकर लगाने से पेट की जलन, अल्सर, एसिडिटी में राहत मिलती है।

सर्वांग मिट्टी लेप = पानी में भिगी मिट्टी को लेपन योग्य तरल करके सिर से तलवों तक मिट्टी का सर्वांग लेप होता है, इससे उच्च रक्तचाप और चर्म रोगों से लाभ मिलता है। मिट्टी चिकित्सा में काली भुरभुरी मिट्टी (कुम्हार जिससे बर्तन बनाते हैं) उपयुक्त होती है। इसमें थोड़ी सी बालू मिलाई जाती है। मिट्टी जमीन से तीन से चार फुट नीचे से ली जानी चाहिए।

तैलीय त्वचा वाले लोग मिट्टी में नींबू का रस मिला सकते हैं। मिट्टी में नीम की छाल का उपयोग करने से फोड़े-फुंसी और चर्म रोग में लाभ होता है। दही व शहद मिट्टी में मिलाने से बालों की कंडिशनिंग करें। मुल्तानी मिट्टी के साथ चंदन पाउडर व गुलाब जल लगाने से चेहरे पर चमक आती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

काकुरो पहेली - 770

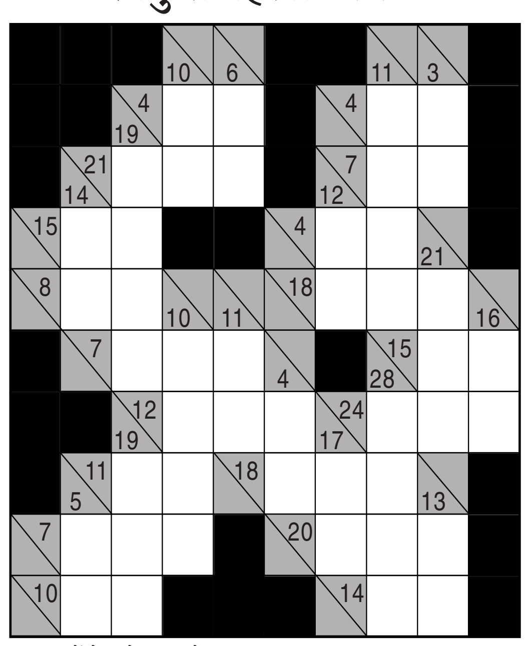

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

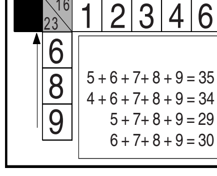

काकुरो - 769 का हल

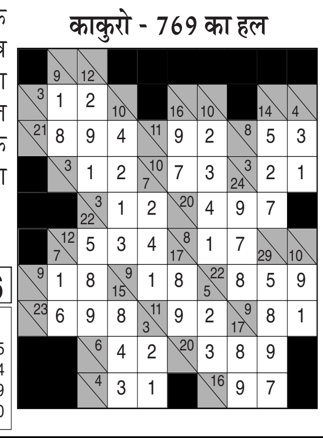

फिल्म वर्ग पहेली- 770

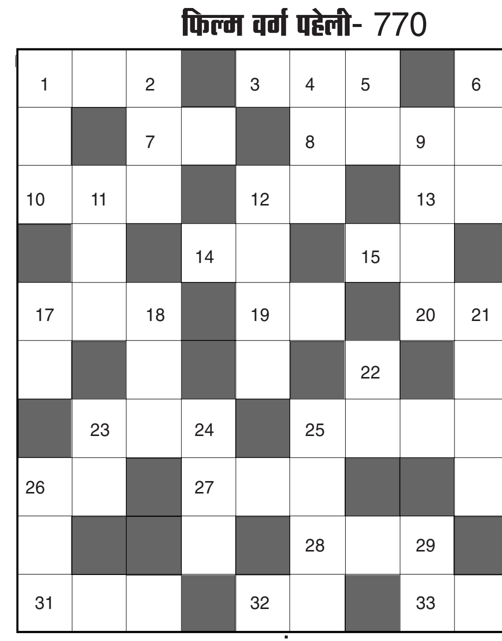

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 769

चा	ल	बा	ज		चा	ला	क		जा
ह		रि		आ	ह		र्ज		ल
त	ला	श		र	त	न		प्या	सा
	वा		रा	जू		ज	ख्म		ज
रा		तु	म		जो	र		ना	
म	स्ती		क	ह	र		अ	स्ति	त्व
अ		जीं	स		दा	वा		क	
व	क्त		म	द	र		दा		अं
ता		हे		र्द		फि	दा		जा
र	ह	मा	न		रो	जा		धू	म

सूडोकु -770

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -769 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 770

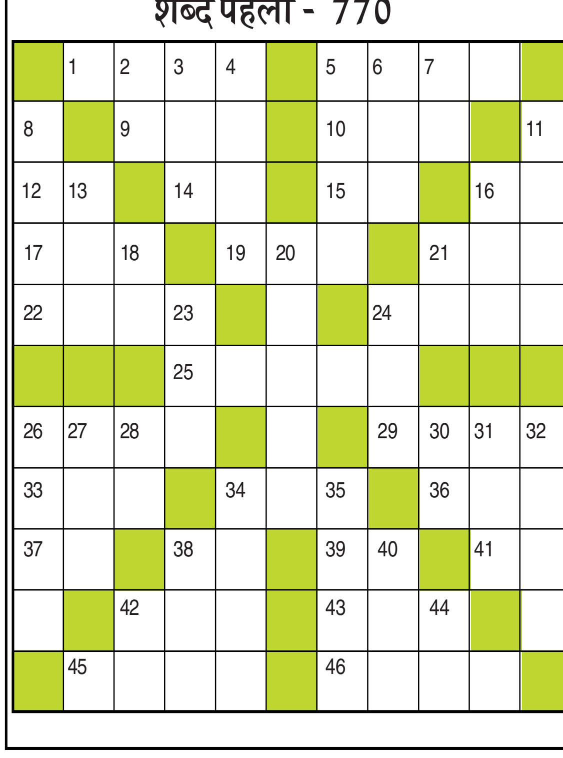

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -769 का हल

	ना	स	म	झ			क	पा	स	
कु	ल		झ		क	रा	ह		म	न
ल			धा	र	ण		र			क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	ल
ति		ह		म	नो	नी	त		सी	
	जा	त						त	ब	
	मु		फि	त	र	त		ना		ना
म	न	का		न		प	र	व	रि	श
लि			न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी		खा	न
	आ	स	रा			जा	य	दा	द	

बिहार के भोजपुर में पकड़ा गया एक और सिम बॉक्स का मामला, एक और गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। राज्य में सिम बॉक्स से जुड़ा एक और साइबर फ्रॉड का मामला सामने आया है। इस बार भोजपुर जिले के नारायणपुर गांव में छापेमारी करके 4 सिम बॉक्स उपकरण बरामद किए गए हैं। साथ ही इस मामले में एक आरोपित मुकेश कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के स्तर से डीएसपी पंकज कुमार के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ के बाद भी कई स्थानों पर निरंतर छापेमारी की थी। एसआईटी ने भोजपुर जिले के नारायणपुर गांव में छापेमारी करके 4 सिम बॉक्स उपकरण बरामद कर एक और आरोपित मुकेश को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में जुड़े कई अन्य आरोपितों की भी तलाश जारी है। इससे पहले मोतिहारी से तीन सिम बॉक्स उपकरण के साथ शातिर साइबर फ्रॉड हर्षित को गिरफ्तार किया गया था। इस मामले की सघन तफ्तीश में भोजपुर से जुड़ा लिंक मिला था, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। भोजपुर से गिरफ्तार मुकेश कुमार से पूछताछ में यह बात सामने आई है कि सिम बॉक्स के माध्यम से एक समानांतर एक्सचेंज का संचालन किया जा रहा था। इसमें अंतरराष्ट्रीय साइबर स्कैम के अड्डों से आने वाली अंतरराष्ट्रीय कॉल को लोकल कॉल में परिवर्तित करके स्थानीय स्तर पर ठगी की जुगत की जाती थी।

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के ग्राम कुड़ाल में ईसाई धर्मावलंबियों के लिए प्रवेश वर्जित

कांकेर। दुर्ग में दो ननों की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश में धर्मांतरण को लेकर चढ़े सियासी पारे के बीच कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुड़ाल के ग्रामीणों ने पास्टर-पादरी के साथ ईसाई धर्मावलंबियों के गांव में प्रवेश पर रोक लगा दी है। इसके लिए गांव के चारों प्रवेश द्वार पर बाकायदा बोर्ड लगा दिया गया है। यही नहीं सरपंच ने स्पष्ट किया है कि कोई ईसाई धर्मावलंबी किसी के घर जाएगा, तो उसे शैतान की संज्ञा दी जाएगी। ग्राम कुड़ाल के प्रवेश द्वार पर लगाए गए बोर्ड में पास्टर-पादरी के साथ ईसाई धर्मांतरित व्यक्तियों के प्रवेश वर्जित होने की सूचना दी गई है। बोर्ड में लिखा गया है कि ग्राम कुड़ाल, थाना भानुप्रतापपुर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर भारत के संविधान के पांचवीं अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत आता है। हमारे गाम कुड़ाल में पेशा (पंचायत उपबंध अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम 1996 लागू है। जिसके अंतर्गत ग्राम सभा को अपनी परंपरा और रूढ़िवादी संस्कृति का संरक्षण करने का अधिकार है। अतः हम ग्रामसभा के प्रस्ताव के आधार पर हमारे ग्राम कुड़ाल में ईसाई धर्म के पास्टर व पादरी व बाहर गांव से आने वाले धर्मांतरित व्यक्तियों के प्रवेश एवं ईसाई धर्म के किसी भी प्रार्थना प्रयोजन, धार्मिक आयोजन पर रोक लगाते हैं। कुड़ाल गांव के सरपंच बिनेश गोटी ने बताया कि बड़ी संख्या में आदिवासी धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। यह लगातार बढ़ता जा रहा है।

भारत को 'डेड इकोनॉमी' कहने वाले बयान पर तालियां बजाना राहुल गांधी की 'डेड सोच' का परिचायक है : ऋतुराज सिन्हा

पटना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) कहे जाने पर खुशी जताते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से दिए गए बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने हमला बोला। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि भारत को 'डेड इकोनॉमी' कहने वाले बयान पर तालियां बजाना राहुल गांधी की 'डेड सोच' का परिचायक है, न कि भारत की अर्थव्यवस्था का। राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी को लगता है कि भारत का अपमान करना कोई उपलब्धि है। जब देश आगे बढ़ रहा हो, तब विदेशी मंचों पर भारत को नीचा दिखाना दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, शर्मनाक भी है। यह वही मानसिकता है जिसने बार-बार देश के गौरव को ठेस पहुंचाई है। जब भारत पूरी दुनिया में आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, तब इस तरह की बयानबाजी साफ दर्शाती है कि राहुल गांधी की सोच आज भी हताशा और दिशाहीनता में डूबी हुई है। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी का यह रवैया नया नहीं है। यह पहली बार नहीं है, जब उन्होंने विदेश में भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया हो। फर्क बस इतना है कि इस बार वे बिना किसी शर्म के खुलेआम यह स्वीकार कर रहे हैं कि उन्हें ट्रम्प जैसे नेता के भारत-विरोधी बयान से 'खुशी' मिल रही है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची तैयार

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए निर्वाचक-मंडल की सूची तैयार कर ली है और यह जल्दी ही इसे बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि निर्वाचक-मंडल की सूची के सदस्यों के नाम उनके सदन के राज्य और केन्द्र शासित क्षेत्रों के सदस्यों के नामों के वर्णानुक्रम के अनुसार क्रमागत तरीके से रखा गया है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में राज्य सभा के निर्वाचित और मनोनीत सदस्य तथा लोक सभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति निर्वाचन अधिनियम 1974 के नियम 40 के अनुसार इन चुनावों के लिए निर्वाचक मंडल (मतदाता सूची) तैयार करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होती है। इसमें उनका अद्यतन पता भी शामिल होता है।

अच्छा डॉक्टर के साथ एक अच्छा इंसान भी होना जरूरी : राष्ट्रपति

एजेंसी

देवघर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि डॉक्टर व्यहार में क्लीनिकल न बनें, बल्कि मरीज को सहानुभूति के साथ सलाह दें। बाबा बैद्यनाथ ने आपको जनसेवा के लिए भेजा है। एक अच्छा डॉक्टर के साथ एक अच्छा इंसान भी होना जरूरी है। राष्ट्रपति मुर्मु देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर अनगिनत लोगों के जीवन में उजाला कर सकते हैं। समाज निर्माण में भी वे अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि एम्स के साथ मेरी विशेष स्मृति जुड़ी हुई है। जब मैं झारखंड की राज्यपाल थीं, तो 25 मई 2018 में सिंदरी से इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। देवघर एम्स की विकास यात्रा से मेरा विशेष संबंध बन गया। उन्होंने कहा कि वहीं देवघर एम्स में कल्चर ऑफ एक्सिलेंस की शुरूआत हो रही है। इसके लिए एम्स की पूरी टीम को शुभकामनाएं। राष्ट्रपति ने कहा कि आज उपाधि

और पदक पाने वालों में बेटियों की संख्या छात्रों के बराबर है। एम्स में प्रवेश पाना और शिक्षा ग्रहण करने का मतलब है कि आप एक कुशल डॉक्टर बन गए हैं, लेकिन सेंसेटिव कम्यूनिकेशन की क्षमता भी होनी चाहिए। कुछ ऐसे डॉक्टर हैं जिनके परामर्श से परिवार के लोग बेहतर महसूस करते हैं। राष्ट्रपति ने डॉक्टरों से कहा कि प्राइमरी हेल्थ क्षेत्र में भी सक्रियता के साथ काम होना चाहिए। अर्बन-रुरल हेल्थ कम्यूनिटी सेंटर भी जाकर अपनी सेवा दें। उन्होंने देवघर एम्स से कहा कि गांवों को गोद लेने का दायरा बढ़ाना चाहिए। देवघर एम्स ने अब तक पांच गांवों को ही गोद लिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि जब मैं राज्यपाल थी तो मैंने पूरे गांव का भ्रमण किया। इसलिए हेल्थ इज वेल्थ को ध्यान में रखकर काम करने की जरूरत है। समाज के काम में भी ध्यान देने की जरूरद है। सेवा देना के लिए काफी अवसर भी हैं। शिशु मृत्यु दर और थैलेसिमिया को भी कम करने की जरूरत है। उन्होंने डॉक्टरों से कहा कि आप एक उदाहरण बनें। दवा पर कम से कम खर्च हो। स्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में एम्स की भूमिका है। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि चिकित्सा केवल पेशा ही नहीं होना चाहिए, बल्कि एक पुनीत कर्म भी होना चाहिए। ज्ञान की प्राप्ति तभी सार्थक है, जब उसका उपयोग जनकल्याण के लिए हो। उन्होंने कहा कि अपनी विशेषज्ञता को राष्ट्र निर्माण में लगाएं। यह शैक्षणिक उपलब्धि ही नहीं सामाजिक दायित्व की भी शुरूआत है। चिकित्सा मार्ग सिर्फ करियर ही नहीं, बल्कि संवेदना और नैतिक दृढ़ता की भी मांग करता है।

मालेगांव मामले में न्यायालय के फैसले से सत्य उजागर हुआ: सुनील आंबेकर

एजेंसी

नागपुर। महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में हुए बम विस्फोट मामले में मुंबई के विशेष न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि इस फैसले से सत्य उजागर हुआ है। सुनील आंबेकर ने यहां पत्रकारों से कहा कि कुछ लोगों ने अपने निजी तथा राजनीतिक स्वार्थ के चलते मालेगांव मामले को उलझाया। उस समय हिंदू धर्म और हिंदू समाज को आतंक से जोड़ने का प्रयास हुआ था। एक लंबी न्यायिक प्रक्रिया और तथ्यों के आधार पर न्यायालय ने अपना निर्णय दिया है। बकौल आंबेकर न्यायालय के निर्णय ने इन सारे आरोपो को निराधार घोषित किया है। मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए बम विस्फोट मे 6 लोगों की मौत हुई थी और 100 लोग घायल हो गए थे। इस मामले मे आरोपित साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपितों को अदालत ने बरी किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के विशेष न्यायालय के न्यायाधीश एके लाहोटी ने अपने फैसले में कहा कि केवल संदेह के आधार पर मामले को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता।

नतीजतन विशेष अदालत ने इस मामले में आरोपित साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय, समीर कुलकर्णी, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी और सुधाकर द्विवेदी को बरी करने का फैसला किया।

हिमाचल में लगातार छह दिन भारी वर्षा का अलर्ट, जुलाई में सामान्य से ज्यादा बारिश, 291 सड़कें बंद, अब तक 173 मौतें

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून का असर लगातार जारी है और आने वाले दिनों में भी तेज बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने छह अगस्त तक प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। एक अगस्त को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। दो अगस्त को शिमला, सोलन और सिरमौर में येलो अलर्ट जारी किया गया है। तीन अगस्त को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा।

चार अगस्त को मानसून और तेज होगा और लाहौल-स्पीति व किन्नौर को छोड़कर बाकी सभी 10 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। चार से छह अगस्त तक भी कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। प्रदेश के अधिकतर इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली। बीते 24 घंटों में मंडी जिले के बिजाही में सबसे ज्यादा 60 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। कांगड़ा के धर्मशाला और कुल्लू के कोठी में 50-50 मिलीमीटर, मंडी के गोहर में

40 मिलीमीटर, शिमला के सराहन, मंडी के सुंदरनगर, बिलासपुर के नैनादेवी और मंडी के पंडोह में 30-30 मिलीमीटर जबकि सिरमौर के संगड़ाह, हमीरपुर और मंडी में 20-20 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश और भूस्खलन से प्रदेश में जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार गुरुवार शाम तक एक नेशनल हाईवे और 291 सड़कों पर आवाजाही पूरी तरह बंद रही। 416 ट्रांसफार्मर और 219 पेयजल योजनाएं भी ठप पड़ी हैं। मंडी जिले में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है जहां 171 सड़कें, एक नेशनल हाईवे (एनएच-21 मंडी-कोटली बनाला के पास), 89 ट्रांसफार्मर और 78 पेयजल योजनाएं बंद पड़ी हैं। कुल्लू में 76 सड़कें और 174 ट्रांसफार्मर खराब हुए हैं। चंबा में 142 ट्रांसफार्मर और 7 पेयजल योजनाओं पर असर पड़ा है जबकि कांगड़ा जिले में 134 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं।

अमरनाथ यात्राः श्रद्धालुओं की संख्या 4 लाख के पार पहुंची, एलजी मनोज सिन्हा ने बताया 'चमत्कार'

एजेंसी

श्रीनगर । इस साल अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या 4 लाख के पार पहुंच गई है। बालटाल आधार शिविर से श्रद्धालुओं को आगे बढ़ने की अनुमति मिलने के बाद यह आंकड़ा पार हुआ। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस उपलब्धि की जानकारी दी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बाबा अमरनाथ असंभव को भी संभव बनाते हैं। उनके आशीर्वाद से पवित्र यात्रा ने 4 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। मैं इस चमत्कार के लिए भगवान शिव को नमन करता हूं और पवित्र यात्रा को श्रद्धालुओं के लिए एक दिव्य अनुभव बनाने में शामिल सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।उन्होंने लिखा, देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड संख्या में दर्शन और आगमन भारत की एकता और चुनौतियों पर विजय पाने के उसके संकल्प का प्रमाण है। मैं उन श्रद्धालुओं का हृदय से आभारी हूं, जिन्होंने अपार आस्था दिखाई है और हमारी अमूल्य आध्यात्मिक विरासत को सुदृढ़ किया है। उपराज्यपाल ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, यह दिव्य

यात्रा अतुलनीय है, इसलिए नहीं कि यह कठिन और चुनौतीपूर्ण है, बल्कि इसलिए कि यह परमानंद की एक अद्वितीय यात्रा है। यह एक आध्यात्मिक अनुभव है और भक्तों को स्वयं को जानने का अवसर देता है, गहरी आस्था का संचार करता है और हृदयों को अनंत कृतज्ञता से भर देता है। जम्मू स्थित भगवती नगर यात्री निवास से श्रद्धालुओं की आवाजाही स्थगित कर दी गई थी, लेकिन बाद में गंदेरबल जिले के बालटाल आधार शिविर से श्रद्धालुओं को अमरनाथ गुफा की ओर जाने की अनुमति दे दी गई।

यात्री गुफा मंदिर तक, पारंपरिक पहलगाम मार्ग या छोटे बालटाल मार्ग के जरिए पहुंचते हैं। पहलगाम की ओर से यात्रा करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल आधार शिविर का उपयोग करने वाले श्रद्धालु दर्शन करने के बाद उसी दिन कैंप में लौट आते हैं।

आदिवासी अंचलों तक सड़कों की पहुंच से छत्तीसगढ़ में बढ़ेगी विकास की गति : नितिन गडकरी

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आदिवासी अंचलों तक सड़कों की पहुंच से बढ़ेगी विकास की गति बढ़ेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकताओं और दृष्टिकोण की सराहना की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली में उनके निवास पर सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, सड़क परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की अधोसंरचना योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को राज्य में चल रही प्रमुख सड़क परियोजनाओं की अद्यतन जानकारी दी और बताया कि

छत्तीसगढ़ सरकार निर्माण कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य के दूरस्थ और वनवासी क्षेत्रों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के प्रयास तेज़ी से किए जा रहे हैं, ताकि वहाँ के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक अवसर प्राप्त हो सकें। इस दौरान चर्चा में उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों और नवगठित जिलों में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ करना राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष बल दिया कि सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि वे रोज़गार, निवेश और सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला भी हैं।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकताओं और दृष्टिकोण की सराहना करते हुए यह भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राज्य को हर संभव सहयोग प्रदान करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आदिवासी अंचलों तक सड़कों की पहुंच से न केवल विकास की गति बढ़ेगी, बल्कि इन क्षेत्रों में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन भी आएगा। मुख्यमंत्री साय ने गडकरी को छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के अंतर्गत राज्य की दीर्घकालिक रणनीति से भी अवगत कराया।

हिन्दू कभी आतंकी नहीं हो सकता, लेकिन कांग्रेस ने हमेशा तुष्टिकरण के आधार पर बात की- सीएम भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर । सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस के लोगों से मैं बात करता हूं तो उन्हें बड़ा दर्द होता है और दर्द भी ऐसा होता है कि मुझसे कहते हैं कि मुख्यमंत्री तो मंदिर जाते हैं, क्या मैं मेरे आस्था केंद्रों पर नहीं जाऊं। आप अपनी मानसिकता को बदलिए। सीएम ने कहा कि मालेगांव में जो आज फैसला आया है। कांग्रेस ने हमेशा वोटबैंक की, तुष्टिकरण की राजनीति की है। उन्होंने हिंदू टेरर जैसा अपमानजनक झूठ फैलाया था, निर्दोष साधु संतों और समाज गरिमा को निशाना बनाया था। उन्होंने कहा कि मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हाल ही में हमारे गृह मंत्री ने कहा था कि हिंदू कभी आतंकी नहीं हो सकता, क्योंकि ये हमारे संस्कार में है। हमारे विचार में है। हम तो वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ चलते हैं। हम तो चलते हैं, तो देखते हैं कि कहीं पैर के

नीचे चींटी तो नहीं आ गई। हम तो इस तरह के संस्कार के लोग हैं। आप किस तरह की बात करते हैं। लेकिन कांग्रेस ने हमेशा तुष्टिकरण के आधार पर बात की।

सुप्रीम कोर्ट की समिति ने सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और लोगों की जान बचाने का किया आह्वान

एजेंसी

भोपाल। उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया है। उन्होंने भोपाल प्रवास के दौरान मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक की। जस्टिस सप्रे ने बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारियों से आम आदमी के जीवन को सुरक्षित रखने का दायित्व निभाने की अपील भी की। उन्होंने सड़क सुरक्षा की गंभीरता के दृष्टिगत अधिकारियों को सलाह और मार्गदर्शन भी दिया। उन्होंने कहा कि स्वीडन में सड़क सुरक्षा को लेकर बहुत अच्छा काम हुआ है। वैसा काम हम हमारे देश और मध्य प्रदेश में भी कर सकते हैं। सड़क दुर्घटना से

प्रतिवर्ष लगभग डेढ़ लाख लोगों की मृत्यु होती है। उनके जीवन को बचाने के लिए मिशन की शुरुआत मध्य प्रदेश से की है।

उन्होंने बताया कि रोड सेफ्टी की मैदानी स्थिति जानने के लिए वे सड़क से ही अपनी यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश के लिए दीर्घकालीन एवं तात्कालिक नीति तैयार की जाकर क्रियान्वयन किया जाये। अच्छे काम करने वालों को प्रोत्साहित किया जाये तथा खराब सड़क बनाने वालों को ब्लैक लिस्ट करें। सड़कों पर इतनी सुरक्षा होनी चाहिये कि एक भी व्यक्ति की जान नहीं जाये। जस्टिस सप्रे ने अधिकारियों से कहा कि लोगों की जान बचाने की आपको जिम्मेदारी दी गयी है और इस कार्य पर उच्चतम न्यायालय पूरे समय ध्यान दे रहा है। जस्टिस सप्रे ने कहा कि जैसे मध्य प्रदेश के इंदौर ने स्वच्छता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वैसे ही प्रदेश के शहर सड़क सुरक्षा में अपना स्थान बनाएंगे। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की है कि प्रदेश के अधिकारी लोगों की जान बचाने के लिए अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करेंगे। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि भारत सरकार की ही तरह तात्कालिक एवं दीर्घकालीन उपाय प्रदेश के सभी 55 जिलों में लागू किये जाएंगे।

एसपी गोयल ने संभाला यूपी के मुख्य सचिव का पदभार

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को नए मुख्य सचिव मिल गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एसपी गोयल को उत्तर प्रदेश का नया मुख्य सचिव नियुक्त करने का आदेश जारी कर दिया है। इसके बाद ही एसपी गोयल ने लोकभवन स्थित मुख्य सचिव कार्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। निवर्तमान मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने उन्हें औपचारिक से कार्यभार सौंप दिया। लोकभवन में पदभार ग्रहण करने के उपरांत मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि सबसे पहले मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति धन्यवाद करना चाहूंगा। उन्होंने मुझे प्रदेश की सेवा करने का अवसर प्रदान किया है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं जीरो टालरेन्स, औद्योगिक विकास जैसे कार्यों के साथ मनोज कुमार सिंह ने मुख्य सचिव के रूप में जो आदर्श

प्रस्तुत किया है, उसी गति के साथ मैं भी कार्य कर सकूं। मैं प्रयास करूंगा कि टीम भावना के साथ उत्तर प्रदेश के विकास कार्य को गति प्रदान करूं।

पदभार ग्रहण करने के मौके पर प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव संस्कृति मुकेश मेश्राम, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आलोक कुमार और लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की योगी सरकार आने के बाद से ही एसपी गोयल की भूमिका महत्वपूर्ण हो गयी थी। वह लम्बे समय से प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री के पद पर बने हुए थे। इसी पद पर रहते हुए यह अपर मुख्य सचिव के पद पर प्रोन्त हुए थे। इस समय इनके पास अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, नागरिक उड्डयन, राज्य सम्पत्ति और प्रोटोकाल विभाग का दायित्व था। अब इन्हें उत्तर प्रदेश का मुख्य सचिव बनाया गया है। इसके साथ ही वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजय प्रसाद के दायित्व में भी परिवर्तन किया गया है। संजय प्रसाद को प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, प्रोटोकाल, गृह,गोपन, वीजा पासपोर्ट, सतर्कता तथा सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के साथ ही प्रमुख सचिव राज्य सम्पत्ति एवं नागरिक उड्डयन विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

टीएमसी ने अमेरिका के शुल्क बढ़ाने को बताया विदेश नीति की विफलता

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने केंद्र सरकार की विदेश नीति को लेकर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत से आने वाले सभी सामानों पर एक अगस्त से 25 प्रतिशत (टैरिफ) शुल्क लगाने का फैसला इस विफल विदेश नीति का ही परिणाम है, जिसमें प्रचार और भव्य आयोजनों को कूटनीति से अधिक महत्व दिया गया।टीएमसी ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, बात को जोड़ कर देखिए- भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और अतिरिक्त दंड लगाया गया है, जो चीन, जापान या वियतनाम से भी अधिक है। रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है। यही नतीजा है जब विदेश नीति को प्रचार और फोटो-ऑप्स में बदल दिया जाता है। वैश्विक छवि सजाई गई, लेकिन वास्तविक कूटनीति को नजरअंदाज किया गया। अब इसका खामियाजा भारत को भुगतना पड़ रहा है। टीएमसी की यह टिप्पणी उस समय आई जब केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संसद के दोनों सदनों में बयान देते हुए कहा कि अमेरिका के इस फैसले के संदर्भ में भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। गोयल ने अपने सुओ मोटो बयान में कहा कि केंद्र सरकार इस निर्णय के प्रभावों का अध्ययन कर रही है और निर्यातकों, उद्योग प्रतिनिधियों सहित सभी संबंधित पक्षों से परामर्श कर रही है।

प्रमिला ताई का समर्पण प्रेरणादायी : मोहन भागवत

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व प्रमुख संचालिका प्रमिला ताई मेढ़े का ध्येयनिष्ठा के लिए समर्पण हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।प्रमिला ताई के निधन की सूचना मिलते ही सरसंघचालक भागवत ने राष्ट्र सेविका समिति के कार्यालय जाकर प्रमिला ताई के पार्थिव देह के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दी। सरसंघचालक ने कहा

कि प्रमिला ताई की कार्यकर्ताओं पर ममता की छाया थी। अपने जीवन काल में उन्होंने समिति के कार्यविस्तार के लिए बहुत परिश्रम किया था। पूर्वोत्तर भारत से लेकर पूरे देश में उन्होंने लगातार यात्राएं कीं। उनके परिश्रम का आदर्श हमारे सामने है। हम जब भी उनसे मिलते तो वह बड़ी आत्मीयता से हमारी पूछताछ करती थीं। नतीजतन उनकी कमी हमेशा खलेगी। सरसंघचालक ने कहा कि प्रमिला ताई का जीवन ध्येयनिष्ठा के प्रति समर्पण का आदर्श था। यह आदर्श हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। वर्ष 1965 से देवी अहिल्या मंदिर ही उनका केंद्र था। उनकी इच्छानुसार उनकी पार्थिव देह को नागपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को शुक्रवार सुबह 8 बजे सौंप दिया जाएगा।

राष्ट्र सेविका समिति की चतुर्थ प्रमुख संचालिका प्रमिला ताई मेढ़े का निधन हो गया। वे 97 वर्ष की थीं। उन्होंने यहां के देवी अहिल्या मंदिर में सुबह 9 बजकर 5 मिनट पर अंतिम सांस ली।

बल्लेबाजों के बाद गेंदबाज हुए फ्लॉप, जैक क्रॉली और बेन डकेट ने भारतीय बॉलर्स की बजाई बैंड

लंदन (एजेंसी)। भारत और इग्लैंड के बीच द ओवल में पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं द ओवल टेस्ट के दूसरे दिन की शुरुआत में ही भारतीय टीम 224 रन पर ढेर हो गई। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की सलामी जोड़ी ने भारतीय गेंदबाजों की बैंड बजा दी है।

जैक क्रॉली और बेन डकेट ने आते ही भारतीय गेंदबाजों को आड़े हाथों लिया और 7 ओवर में ही टीम का स्कोर फिफ्टी के पार पहुंचा दिया। इसके साथ ही भारतीय टीम के माथे पर एक कलंक भी लगाया है।

टेस्ट मैचों में भारत के खिलाफ किसी सलामी जोड़ी ने सबसे ज्यादा 50+ साझेदारी का रिकॉ्ड अब सयुंकत रूप से जैक क्रॉल और बेन डकेट के नाम हो गया है। दोनों टेस्ट में अब तक 8 बार ये कारनामा कर चुके हैं।

इससे पहले वेस्टइंडीज की ओपनिंग जोड़ी गॉर्डन ग्रीनिज और डेसमंड हेन्स ने भीये कारनामा किया था। इस लिस्ट में इंग्लैंड के एलेस्टेयर कुक और एंड्रयू स्ट्रॉस की ओपनिंग जोड़ी भी है। उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन और जस्टिन लैंगर, बिल लॉरी और बॉब सिम्पसन भी पहले विकेट के लिए 7-7 बार अर्धशतकीय साझेदारी कर चुके हैं।

मुंबई वानखेड़े स्टेडियम में विराट-धोनी और रोहित शर्मा के साथ दिखेंगे लियोनेल मेसी

मुंबई (एजेंसी)। फुटबॉल की दुनिया का बादशाह और अर्जेंटीना के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान लियोनेल मेसी 14 साल लंबे अंतराल के बाद भारत दौरे पर आ रहे हैं। 13 से 15 दिसंबर के बीच अपने तीन दिन के भारत दौरे पर मेसी कोलकाता, दिल्ली और मुंबई का दौरा करेंगे। मेसी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर सम्मानित किया जाएगा। अपनी यात्रा के दौरान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मेसी भारत के स्टार क्रिकेट खिलाड़ियो के साथ वानखेड़े स्टेडियम में क्रिकेट खेलते नजर आएंगे।

14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाने वाले क्रिकेट मैच में मेसी के साथ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा और एमएस धोनी जैसे भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। सात-साथ खिलाड़ियों वाली टीमों के बीच खेले जाने वाले मुकाबले में दर्शकों मेसी की ड्रिब्लिंग की जगह क्रिकेट का क्लास देखने का मौका मिलेगा। ये भारतीय क्रिकेट और फुटबॉल फैंस के लिए एक अनोखा नजारा होगा।

एमसीए के एक अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि, मेसी 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। संभावना है कि व पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों के साथ एक क्रिकेट मैच भी खेलेंगे। आयोजक जल्द ही सभी औपचारिकताओं के फाइनल होने के बाद पूरा शेड्यूल जारी करेंगे। मेसी इससे पहले साल 2011 में भारत आए थे। उन्होंने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ फ्रेंडली मैच खेला था। 14 सालबाद मेसी भारत आ रहे हैं तो उनके फैंस बेसब्री से उनका इंतजार कर रहे हैं।

शार्दुल ठाकुर को मिली बड़ी जिम्मेदारी, दलीप ट्रॉफी में इस टीम की करेंगे कप्तानी

मुम्बई (एजेंसी)। पश्चिम क्षेत्र चयन समिति ने शुक्रवार को आगामी दलीप ट्रॉफी मैचों के लिए शार्दुल ठाकुर को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान नियुक्त किया है। बीकेसी स्थित एमसीए की शरद पवार इंडोर क्रिकेट अकादमी में आज हुई चयन बैठक के बाद शार्दुल ठाकुर को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की गई।

टीम में मुंबई के 7 खिलाड़ी, गुजरात के 4, महाराष्ट्र और सौराष्ट्र के 2-2 खिलाड़ी को जगह दी गई हैं। टीम में ठाकुर के अलावा मुंबई के बड़े नामों में यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर और सरफराज खान शामिल हैं। महाराष्ट्र के रुतुराज गायकवाड़ भी टीम का हिस्सा हैं। अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को टीम में जगह नहीं मिली है।

मुंबई क्रिकेट संघ के संजय पाटिल की अध्यक्षता वाली समिति ने सात अतिरिक्त खिलाड़ियों की एक विस्तृत सूची भी जारी की है जिसमें महेश पिठिया, शिवालिक शर्मा, मुकेश चौधरी, सिद्धार्थ देसाई, चिंतन गजा, मुशीर खान और उर्विल पटेल शामिल हैं। टूर्नामेंट 28 अगस्त को दो क्वार्टर फाइनल के साथ शुरू होगा। सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश पाने वाली पश्चिम क्षेत्र की टीम चार सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। फाइनल 11 सितंबर से खेला जाएगा। सभी मैच बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर होंगे।

पश्चिम क्षेत्र की टीम इस प्रकार है

शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, आर्य देसाई, हरविक देसाई, श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवले, शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, धर्मेंद्र जडेजा, तुषार देशपांडे और अरजान नागवासवाला।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को 14 रनों से हराया

लॉडरहिल, (एजेंसी)। बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज ने एक ओवर में तीन विकेट लिए जिससे पाकिस्तान ने शानदार वापसी करके वेस्टइंडीज को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 14 रन से हराया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए सैम अयूब के 38 गेंदों पर 57 रन की बदौलत छह विकेट पर 178 रन बनाए। वेस्टइंडीज की टीम इसके जवाब में अच्छी शुरुआत से बावजूद सात विकेट पर 164 रन ही बना सकी। इन दोनों टीमों के बीच दूसरा और तीसरा टी-20 मैच शनिवार और रविवार को लॉडरहिल में ही खेले जाएंगे।

सलामी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स (35) और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्य कर रहे 18 वर्षीय

ज्वेल एंड्रयू (35) ने पहले विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी करते वेस्टइंडीज को शानदार शुरुआत दिलाई लेकिन अपने पहले तीन ओवरों में 20 रन देने वाले नवाज ने नाटकीय ढंग से मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने 12वें ओवर की शुरुआत में एंड्रयू को आउट किया और फिर चौथी तथा पांचवीं गेंद पर चार्ल्स और गुडाकेश मोती (00) के विकेट चटकाए, जिससे वेस्टइंडीज का स्कोर तीन विकेट पर 75 रन हो गया।

कप्तान शाई होप (02) ने अगले ओवर में अयूब की फुल गेंद पर कैच थमा दिया। इस तरह से वेस्टइंडीज ने पांच रन पर चार विकेट गंवा दिए। नवाज ने 23 रन देकर तीन जबकि अयूब ने 20 रन देकर दो विकेट लिए।

जेसन होल्डर (12 गेंदों पर नाबाद 30 रन) ने चार छक्के लगाए और शमर जोसेफ ने 12 गेंदों पर नाबाद 21 रन बनाए लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया। पाकिस्तान की ओर से नवाज के अलावा अयूब ने दो विकेट लिए। वहीं, शाहीन अफरीदी और सूफियान मुकीम को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले पाकिस्तान के लिए अयूब के अलावा शाहिबजादा फरहान ने 14 रन, फखर जमां ने 28 रन और हसन नवाज ने 24 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा मोहम्मद नवाज ने नौ रन, कप्तान सलमान आगा ने 11 रन और फहीम अशरफ ने 16 रन बनाए। मोहम्मद हारिस छह रन और कप्तान आगा नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की ओर से शमार जोसेफ ने तीन विकेट लिए, जबकि होल्डर, अकील हुसैन और रोमारियो शेफर्ड को एक-एक विकेट मिला।

इंग्लैंड को लगा झटका, क्रिस वोक्स कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर

लंदन (एजेंसी)। अनुभवी इंग्लिश ऑलराउंडर क्रिस वोक्स केनिंग्टन ओवल में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर हो गए हैं। इस अनुभवी क्रिकेटर को पहले दिन कंधे में गंभीर चोट लग गई थी, जिसके कारण वह बाकी टेस्ट मैच से बाहर हो गए। वोक्स ओवल टेस्ट के पहले दिन तीसरे सत्र के दौरान चोटिल हुए। गेंद को बाउंड्री लाइन से बाहर जाने से रोकने की कोशिश करते हुए, क्रिस वोक्स अपनी बाईं कोहनी पर गिरकर घायल हो गए। गेंद इतनी जोरदार लगी कि उनके बाएं कंधे में गंभीर चोट लग गई, जिसके बाद इंग्लिश टीम के फिजियो उन्हें मैदान से बाहर ले गए।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के अनुसार,

वोक्स पांचवें टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं ले पाएंगे और श्रृंखला के अंत में उनकी चोट का आकलन किया जाएगा। वोक्स का भारत के खिलाफ गेंदबाजी में प्रदर्शन बेहद खराब रहा, उन्होंने 9 पारियों में 98 के औसत स्ट्राइक रेट से 11 विकेट लिए। बल्ले से भी उनका प्रदर्शन उतना ही निराशाजनक रहा, उन्होंने 6 पारियों में 10.67 की बेहद खराब औसत से 64 रन बनाए।

ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच की बात करें तो वोक्स ने 14 ओवरों में मामूली सफलता हासिल की और भारत के फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज केएल राहुल का बेशकीमती विकेट लिया जबकि उन्होंने 3.29 की इकॉनमी से 46 रन दिए। वोक्स पिछले कुछ वर्षों से इंग्लिश टेस्ट टीम का अभिन्न अंग रहे हैं। 61 टेस्ट मैचों में इस अनुभवी क्रिकेटर ने 191 विकेट लिए हैं और बल्ले से 2034 रन भी बनाए हैं। हालांकि 36 साल की उम्र को देखते हुए कंधे की यह गंभीर चोट उनके प्रभावशाली टेस्ट करियर पर विराम लगा सकती है।

कैंसर से पीड़ित थे डब्ल्यूडब्लयूई रेसलर हल्क

सेन डियागो (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्लयूई रेसलर हल्क होगन की मौत दिल के दौरे से नहीं बल्कि कैंसर से हुई थी। वहीं पहले कहा गया था कि इस पहलवान की मौत दिल के दौरे से हुई है पर अब जांच रिपोर्ट से साफ हो गया है कि हल्क लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। इस रिपोर्ट के अनुसार 71 साल के हल्क को दिल की धड़कन में लगातार उतार-चढ़ाव आ रहा था पर इसके साथ ही वह सीएलएल कैंसर से भी पीड़ित थे। यह एक प्रकार का कैंसर है जो सफेद रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करता है। होगन ने अपनी बीमारी की बात को इसलिए छुपाया था जिससे कि वह तरह फिट दिखें। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी साल मई में हुई गर्दन की सर्जरी के बाद उनकी हालत और भी ज़्यादा खराब हो गई थी। इसके बाद उन्हें दिल की समस्या हुई और उनकी मौत हो गयी। होगन की कैंसर की बीमारी का पता चलने पर उनके प्रशंसक हैरान हैं। डब्यलूडब्यलूई ने अपने तीनों शोज में उन्हें श्रद्धांजलि दी। होगन के सम्मान में 10 बेल सेल्यूट का आयोजन किया गया और इस दौरान कई सुपरस्टार्स बेहद दुखी थे। गौरतलब है कि डब्ल्यूडब्लयूई और पेशेवर कुश्ती को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाने में हल्क की अहम भूमिका रही है।

नये लुक में नजर आये धोनी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपनी हेयर स्टाइल के कारण हमेशा ही सबके आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। वह अपनी हेयर स्टाइल में लगातार बदलाव करते रहते हैं। शुरुआत में वह लंबे बालों के लिए जाने जाते थे। वहीं इसके बाद उन्होंने बालों को छोटा कर दिया। वहीं अब वह एक नये हेयरकट के साथ ही नये लुक में नजर आ रहे हैं। इसमें 44 साल की उम्र के बाद भी वह युवा और स्टाइलिश दिख रहे हैं। नई तस्वीरों में स्पाइक हेयर में धोनी ने लाइट बीयर्ड लुक ट्राई किया है। इस दौरान वह काले रंग की टी शर्ट और आंखों में चश्मा लगाए थे। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। कई लोगों ने इससे लाइक किया है। धोनी की पत्नी साक्षी धोनी ने भी इस पर कमेंट करते हुए लिखा कि आप बहुत यंग लग रहे हैं। तो एक अन्य यूजर ने लिखा कि धोनी सुपरस्टार हैं। धोनी अपनी हेयर स्टाइल से कभी भी समझौता नहीं करते, चाहे आईपीएल का कोई नया सत्र हो या कोई और इवेंट हो, धोनी हर बार एक नई हेयर स्टाइल में नजर आते हैं। अपने करियर की शुरुआती दौर में उन्होंने लंबे बाल रखे थे। इसके बाद उन्होंने अपने बालों को गोल्डन कलर करवाया था। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद धोनी ने अपने बाल दान किए थे और वह गंजे हो गए थे। कभी धोनी छोटे तो कभी लंबे बालों में नजर आये। उनका हर एक लुक प्रशंसकों को खूब पसंद आता है। धोनी आईपीएल 2025 खेलने के बाद से आजकल अपने परिवसर के साथ समय बिता रहे हैं।

हेनरी का कहर, न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को पहले टेस्ट में 9 विकेट से हराया

बुलावायो (एजेंसी)। मैट हेनरी (कुल नौ विकेट) और मिचेल सैंटनर (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

जिम्बाब्वे ने दूसरी पारी में कल के दो विकेट पर 31 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज मैच के तीसरे दिन सुबह के सत्र में विलियम ओरूक 'ने निक वेल्च (चार) और विनसेंट मसेकेसा (दो) को आउटकर जिम्बाब्वे पर दबाव बनाने का प्रयास किया। लेकिन इसके शॉन विलियम्स और कप्तान क्रेग इरविन ने संभलकर खेलते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई।

मिचेल सैंटनर ने शॉन विलियम्स को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। शॉन विलियम्स ने 66 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 49 रनों की पारी खेली। इसके बाद मैट हेनरी ने क्रेग इरविन (53 गेंदों में 22 रन) और सिकंदर रजा (पांच) को अपना शिकार बना लिया। न्यूमैन न्यामहुरी (एक), ब्लेसिंग मुजारबानी (19) और टी तिसगा (27) को आउटकर जिम्बाब्वे को 67.1 ओवर में 165 के स्कोर पर समेट दिया।

न्यूजीलैंड को जीत के लिए आठ रनों का लक्ष्य मिला। न्यूजीलैंड के लिए मिचेल सैंटनर ने चार विकेट लिए। विलियम ओरूर्क और मैट हेनरी को दो-दो विकेट मिले। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने महज एक ओवर में एक विकेट पर आठ रन बनाकर मुकाबला 9 विकेट से अपना नाम कर लिया। मैट हेनरी को उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच% से नवाजा गया। इससे पहले जिम्बाब्वे पहली पारी में 149 रन के स्कोर पर ढेर हो गई थी। मैट हेनरी ने छह और नेथन स्मिथ ने तीन विकेट लिये थे। वहीं न्यूजीलैंड ने पहली पारी में डेवोन कॉन्वे (88) और डैरिल मिचेल (80) की शानदार पारियों की मदद से 307 रनों का स्कोर खड़ा कर 158 रनों की बढ़त ले ली थी।

खालिद जमील बने भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच, एआईएफएफ ने की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम का इंतजार खत्म हुआ.. और भारतीय फुटबॉल फेडरेशन ने टीम के नए कोच का ऐलान कर दिया है। दरअसल, कुवैत में जन्में खालिद जमील को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच बनाया गया है। शुक्रवार को एआईएफएफ ने इसका ऐलान खुद किया। खालिद ने 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई-लीग खिताब दिलाया था। बता दें कि, 13 वर्षों में पहली बार किसी भारतीय को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है। पूर्व भारतीय अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यों की सूची में से चुना है। अन्य दो दावेदार भारत के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविक थे। स्टीफन पहले स्लोवाकिया की राष्ट्रीय टीम के कोच थे। महान स्ट्राइकर आईएम विजयन की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने कार्यकारी समिति के अंतिम निर्णय के लिए तीन उम्मीदवारों को चुना था। जमीन स्पेन के मनोलो मार्केज का स्थान लेंगे, जिन्होंने भारत के हालिया संघर्षों के बाद पिछले महीने एआईएफएफ से नाता तोड़ लिया था। राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में सेवा देने वाले अंतिम भारतीय सावियो मेडेइरा थे, जिन्होंने 2011 से 2012 तक ये पद संभाला था। वहीं खालिद जमील के लिए अपनी नई भूमिका में पहली चुनौती मध्य एशियाई फुटबॉल संघ नेशंस कप है। ये टूर्नामेंट 29 अगस्त से ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में आयोजित किया जाएगा।

भारतीय टेबल टेनिस टीमों ने 2026 लंदन डब्ल्यूटीटीसी के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली/इंदौर (एजेंसी)। भारत की पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीमों ने लंदन में होने वाली प्रतिष्ठित 2026 विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीटीसी) के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने काठमांडू में आयोजित 2025 दक्षिण एशिया क्षेत्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

एशियाई क्षेत्र से प्रत्येक वर्ग में केवल 16 कोटा स्थान उपलब्ध थे, जिसमें चार क्षेत्रीय चैंपियन (मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम एशिया) सीधे डब्ल्यूटीटीसी के लिए क्वालीफाई करते हैं। भारतीय टीमों ने अपने दमदार प्रदर्शन से दक्षिण एशियाई क्षेत्र में अपनी सर्वोच्चता साबित की।

पुरुष टीम, जिसमें आकाश पाल, रोनित भंजा, अनिर्बान घोष, पी.बी. अभिनंद और दिव्यांश श्रीवास्तव शामिल थे, पांच देशों के राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में अपराजित रही। उन्होंने बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और मालदीव को एक समान 3-0 के स्कोर से हराया, जो उनकी बेहतरीन फॉर्म और रणनीति को दर्शाता है।

इसी तरह, क्रितविका सिन्हा, सेलेनेदीप्ति सेल्वाकुमार, तनीशा कोटेचा, सायली वानी और सिंडरेला दास की महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हीं चार प्रतिद्वंद्वी टीमों को 3-0 से मात दी। उन्होंने क्वालिफिकेशन के दौरान एक भी मैच नहीं गंवाया।

टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों को रोटेट करते हुए उभरती हुई प्रतिभाओं को महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी दिया, जिससे टीम की बेंच स्ट्रेंथ और डब्ल्यूटीटीसी के लिए उनकी तैयारी का पता चलता है। लंदन 2026 में होने वाली इस चैंपियनशिप के लिए भारत का समय से पहले क्वालिफाई करना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह न केवल क्षेत्रीय वर्चस्व को दिखाता है, बल्कि इस बड़े इवेंट के लिए तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर भी प्रदान करता है, जहाँ वैश्विक रैंकिंग, ओलंपिक के निहितार्थ और राष्ट्रीय गौरव दांव पर होंगे।

करुण सबसे लंबे समय के बाद अर्धशतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने

सिडनी । ओवल (ईएमएस)। आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले बल्लेबाज करुण नायर का बल्ला आंखिर चल ही गया। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के शुरुआती मैचों में विफल रहे करुण ने मेजबान टीम के खिलाफ यहां जारी अंतिम अंतिम क्रिकेट टेस्ट में दबाव के बीच ही नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम को संभाला। जब टीम के अन्य बल्लेबाज विफल हो रहे थे तो करुण ने एक छोर संभाले रखा और अपने पचास रन पूरे किये। करुण ने इस प्रकार 3149 दिनों के बाद 50 रन बनाये हैं। इससे पहले दिसंबर 2016 में उन्होंने अर्धशतक लगाया था। ये टेस्ट मैचों में दो अर्धशतकों के बीच दूसरा सबसे लंबा अंतराल है। वहीं भारतीय बल्लेबाजों द्वारा दो टेस्ट अर्धशतकों के बीच सबसे लंबे अंतराल का रिकॉर्ड पूर्व क्रिकेटकीपर पार्थिव पटेल के नाम है। पार्थिव ने चौथा अर्धशतक साल अक्टूबर 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 54 और पांचवां अर्धशतक नवंबर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ 67 के बीच सबसे लंबा अंतराल, 4426 दिन का है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक वह करुण ने जहां 52 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम अपनी अपनी पारी में 6 विकेट पर 204 रन बनाने में सफल रही। करुण ने अपनी करियर की शुरुआत में भी इंग्लैंड के खिलाफ ही तिहरा शतक 303 रन बनाये थे। इसके बाद वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं होने के कारण टीम से बाहर हो गये थे। करुण इस सीरीज के शुरुआती तीन मैच में असफल रहे जबकि चौथे मैच में उन्हें शामिल नहीं किया गया था।

बुमराह को चुनिंदा मैच खेलने का पूरा अधिकार : भारत के सहायक कोच

लंदन (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड में पांच में से तीन टेस्ट ही खेलने का निर्णय लिया और भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे के अनुसार टीम प्रबंधन को उनके कार्यभार को देखते हुए इस फैसले का सम्मान करना सही लगा। बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला लेकिन एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट से बाहर रहे। इसके बाद लॉडर्स और ओल्ड टैफर्ड में उन्होंने खेला। निर्णायक पांचवें टेस्ट से पहले बुमराह पर फैसला लेने के लिए भारतीय कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ने ऐन मौके तक इंतजार किया।

पांचवें टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद मीडिया से बातचीत में डोइशे ने कहा कि बुमराह जैसे खिलाड़ी को बाहर रखने का फैसला हमेशा कठिन होता है। उन्होंने कहा, 'बुमराह का मसला पेचीदा है। हम चाहते थे कि वह खेले लेकिन उसके कार्यभार को देखते हुए हमें लगा कि उसे टीम में शामिल करना सही नहीं होगा। उसने काफी ओवर फेंके हैं। मुझे पता है कि ऐसा लगता नहीं क्योंकि उसने तीन ही टेस्ट खेले और मैनचेस्टर में एक ही पारी में गेंदबाजी की।' डोइशे ने आगे कहा, 'लेकिन उसका कार्यभार देखें तो उसने काफी ओवर डाले हैं। उसने दौरे से पहले ही कह दिया था कि वह तीन ही टेस्ट खेलेगा और हमें लगा कि उसके फैसले का सम्मान करना चाहिए।'

ओवल की हरी भरी पिच पर बुमराह काफी उपयोगी साबित होते। क्या वह चोटों से भरे अतीत के कारण अपनी मर्जी से मैच चुन रहे हैं। यह पूछने पर डोइशे ने कहा, 'यह कहना सही नहीं होगा। उसने कहा था कि वह तीन ही मैच खेलेगा और उसने हम पर छोड़ दिया कि वह तीन मैच कौन से होंगे। हमने स्थिति को संभालने की कोशिश की है, यह आदर्श नहीं है, मुझे लगता है कि उन खिलाड़ियों पर ध्यान देना जरूरी है जो नहीं खेल रहे हैं, खासकर जब आपके पास 18 खिलाड़ी हों।'

उन्होंने कहा, 'उन्हें बताना जरूरी है कि हम सभी फैसले सद्भावना से टीम के सर्वोत्तम हित में ले रहे हैं और इसी वजह से जो खिलाड़ी नहीं खेले हैं, वे शानदार रहे हैं, उन्होंने पूरी टीम को प्रशिक्षित किया है, लेकिन जब उन्हें टीम से बाहर रखा जाता है तो वे निराश होते हैं।'

जैस्मिन संग शादी के सवाल पर अली गोनी का रिएक्शन

अली गोनी और जैस्मिन भसीन फैंस की चहेती जोड़ियों में शामिल हैं। कपल काफी वक्त से रिलेशनशिप में हैं। इनके फैंस चाहते हैं कि दोनों जल्द शादी कर लें। मगर, हाल ही में जब अली गोनी से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी उनका कोई प्लान नहीं है। आगे कहा कि उन्होंने सबकुछ ऊपर वाले की मर्जी पर छोड़ रखा है।

बिग बॉस 14 के बाद शुरू की डेटिंग

अली गोनी से हाल ही में एक इंटरव्यू में जैस्मिन के साथ शादी की प्लानिंग के बारे में पूछा गया तो एक्टर ने कहा, अभी ऐसा कोई प्लान नहीं है। उन्होंने आगे कहा, भगवान की मर्जी, जब वो चाहेंगे तब होगा। बता दें कि अली और जैस्मिन ने बिग बॉस सीजन 14 में आने के बाद डेटिंग शुरू की। सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरें खूब वायरल होती हैं।

बोले- जब भगवान चाहेंगे तब होगी शादी

शादी की प्लानिंग के सवाल पर अली गोनी ने जूम से बात करते हुए मजाक में कहा, शादी का इंटरव्यू मैं आपको नए घर में दूंगा। एक्टर से जब शादी की प्लानिंग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, अभी ऐसा कोई प्लान नहीं है। जब अली से पूछा गया कि क्या वह शादी में देरी कर रहे हैं या जैस्मीन? तो अली ने कहा, कोई भी नहीं, भगवान देरी कर रहा है। किसकी दुआएं हैं (हंसते हुए)। भगवान की मर्जी, जब वो चाहेंगे तब होगा।

लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 में नजर आ रहे अली

एक्टर ने आगे कहा हम बिल्कुल अल्लाह पे रखते हैं हर चीज। कोई प्लान नहीं है। कुछ नहीं सोचा है। मैं हर चीज में बोलता हूं इंशाअल्लाह। बता दें कि फिलहाल अली गोनी, कुकिंग रियलिटी शो लाफ्टर शेफ सीजन 2 में नजर आ रहे हैं। यह शो इसी वीकएंड खत्म होने वाला है। हर कोई यह देखने के लिए उत्साहित है कि विनर कौन होगा? जैस्मीन भसीन पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में काफी शानदार काम कर रही हैं।

मुझे कभी अहसास नहीं हुआ कि मैं आउट साइडर हूं

अभिनेत्री और निर्माता श्वेता त्रिपाठी ने अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के पीछे की प्रेरणा और फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभवों को साझा किया। श्वेता ने बताया कि उन्होंने हमेशा इंडस्ट्री में अपनापन महसूस किया और अब वह दूसरों को मौका देना चाहती हैं। श्वेता ने बताया कि उन्हें यह कभी नहीं लगा कि वह इंडस्ट्री के बाहर से हैं; उन्हें यहां हमेशा अपनापन महसूस हुआ।

श्वेता ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के बारे में कहा, क्यों इंतजार करें कि कोई और कहानी को सामने लाए? बहुत सारी कहानियां और प्रतिभाशाली लोग हैं। मैं ऐसे लोगों को जानती हूं और अगर मेरे पास संसाधन हैं, तो मैं उन्हें मौका देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वह अपने सफर में कई लोगों से मिलती हैं और कुछ कहानियां उन्हें बहुत प्रभावित करती हैं। श्वेता ने बताया, मैं चाहती हूं कि दुनिया भी इन्हें महसूस करे। इसलिए मैंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की। दूसरों पर उंगली उठाने से पहले हमें खुद से पूछना चाहिए कि हम उनके लिए क्या कर रहे हैं। बंदरफुल प्रोडक्शन हाउस का उद्देश्य ऐसी कहानियों को बढ़ावा देना है जो रूढ़ियों, व्यावसायिक दबावों या सामाजिक बंधनों से मुक्त हों। श्वेता ने कहा, मुझे खुशी है कि लोगों ने मुझ पर भरोसा किया। फिल्ममेकर्स ने मेरी प्रतिभा और पैशन को देखा। अब मैं दूसरों में वह जुनून देखना चाहती हूं और उन्हें मंच देना चाहती हूं।

उन्होंने कहा कि वह उन लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो सिनेमा और ऐसी कहानियों के प्रति जुनूनी हों जो समाज पर प्रभाव डाल सकें। इंडस्ट्री के अपने अनुभव को साझा करते हुए श्वेता ने कहा, मुझे शुरू से ही गुनीत मोंगा, अनुराग कश्यप और करण जौहर जैसे लोगों का साथ मिला। मैंने कभी खुद को बाहरी नहीं माना। मेरे लिए यह सब भावनाओं और जुड़ाव के बारे में है, न कि जेंडर, जाति या वर्ग के बारे में। प्रोड्यूसर बनने के अनुभव को श्वेता ने एक नया सफर बताया। उन्होंने बताया, प्रोड्यूसर बनना एक सीखने की प्रक्रिया है। हर कदम मुझे कुछ नया सिखा रहा है और मैं इस सफर के लिए तैयार हूं।

बॉर्डर 2 में आएंगी नजर मेधा राणा

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और वरुण धवन की आगामी फिल्म बॉर्डर 2 के एक-एक अपडेट का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म की कास्टिंग को लेकर एक अहम जानकारी साझा करते हुए फिल्म की हीरोइन का एलान किया है, जिनका नाम है मेधा राणा। अब वरुण धवन के अपोजिट आप इस एक्ट्रेस को फिल्म में देख पाएंगे। बहुप्रतीक्षित फिल्म बॉर्डर 2 पर काम तेजी से चल रहा है। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़े कई फोटोज और वीडियोज आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। अब एक बार फिर से फिल्म को लेकर चर्चा काफी तेज हो गई है, क्योंकि निर्माताओं ने एक नई कास्टिंग कर सभी को चौंका दिया है। प्रोडक्शन टीम ने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट करते हुए बताया कि बॉर्डर 2 में मेधा राणा बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आएंगी, जो वरुण धवन के अपोजिट किरदार में दिखेंगी। इसके अलावा मेकर्स ने कहा कि उन्हें यह खबर देते हुए खुशी हो रही है कि उनके बॉर्डर 2 परिवार में एक नई सदस्य आ गई हैं। 'बॉर्डर 2' का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

10 साल छोटी एक्ट्रेस सीरत कपूर को डेट कर रहे हैं हनी सिंह?

बॉलीवुड के चर्चित रैपर यो यो हनी सिंह एक बार फिर अपने रिलेशनशिप को लेकर उड़ रहीं अफवाहों के कारण सुर्खियों में हैं। हनी सिंह का नाम अब अभिनेत्री सीरत कपूर के साथ जोड़ा जा रहा है। उनके लिंकअप के इन रूमर्स की शुरुआत उन्हीं के एक कमेंट के चलते हुई। दरअसल रैपर ने एक्ट्रेस की एक ग्लैमरस तस्वीर पर कमेंट कर दिया। ये कमेंट इतनी तेजी से वायरल हुआ कि फैंस ने दोनों के बीच चल रही नजदीकियों को लेकर अटकलें लगना शुरू कर दिया है।

हनी सिंह संग जुड़ा सीरत कपूर का नाम

जब 'रन राजा रन' फेम एक्ट्रेस सीरत कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सिल्वर सीक्विन ड्रेस में कुछ तस्वीरें साझा कीं। ग्लैमरस और बोल्ड लुक में सीरत बेहद स्टाइलिश नजर आ रही थीं। इसके कुछ देर बार हनी सिंह ने तस्वीरों पर कमेंट करते हुए कमेंट किया। हनी पाजी का ये कमेंट देखकर उनके फैंस भी हैरान रह गए। हालांकि जब अभिनेत्री ने रैपर का कमेंट देखा तो उनका रिएक्शन भी देखने लायक रहा।

सीरत के जवाब ने बटोरीं सुर्खियां

सीरत ने हनी सिंह के कमेंट का जवाब देते हुए लिखा- व्हाट ए प्लेजेंट सरप्राइज, थैंक्यू ओजी। सोशल मीडिया पर दोनों के इस एक्क्रेंज ऑफ वर्ड्स के बाद इस खबर को फैलते हुए ज्यादा देर नहीं लगी कि कहीं दोनों के बीच कुछ चल तो नहीं रहा। हालांकि दोनों की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ना ही इस बारे में कुछ भी कन्फर्म ढंग से कहा जा सकता है।

टीना ढडानी संग रिश्ते में थे हनी

गौर करने वाली बात यह है कि हनी सिंह ने पिछले साल जनवरी में मॉडल और एक्ट्रेस टीना थडानी को अपने पार्टनर के तौर पर सार्वजनिक रूप से पेश किया था। लेकिन अप्रैल 2023 में दोनों ने अचानक एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर लिया और साथ की सारी तस्वीरें भी डिलीट कर दी थीं। अब इस हालिया कमेंट के बाद चर्चा है कि क्या हनी सिंह की जिंदगी में कोई नया चैप्टर शुरू हो चुका है? बहरहाल फिलहाल हनी सिंह अपनी निजी जिंदगी में सिंगल है। पत्नी से तलाक के बाद अब तक उन्होंने दोबारा शादी नहीं की है। अब देखना होगा कि सीरत संग उनके डेटिंग के रूमर्स महज अफवाह ही निकलती है या फिर वाकई में उन खबरों में दम है।

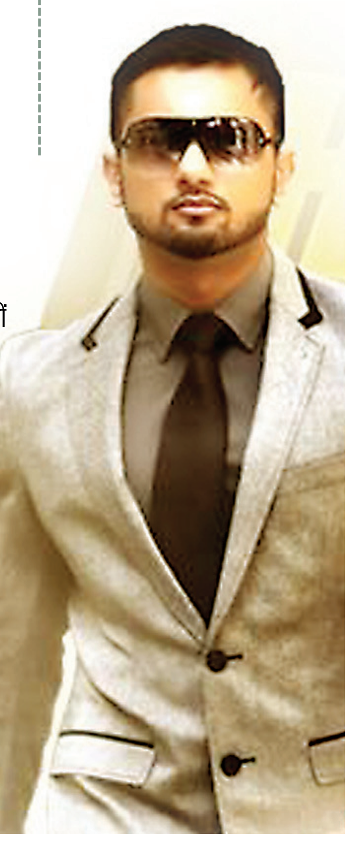

मुझे एक्टिंग के लिए हॉलीवुड आइकन्स ने प्रेरित किया

अभिनेता और फिल्म निर्माता रणदीप हुड्डा ने बताया कि हॉलीवुड एक्टर्स से वह प्रेरित हैं। अभिनेता ने बताया कि अर्नोल्ड श्वार्जनेगर, सिल्वेस्टर स्टैलोन, टॉम क्रूज और क्लिंट ईस्टवुड ने उन्हें एक्टिंग के लिए प्रेरित किया। बातचीत में रणदीप ने बताया, मैं छोटे से शहर रोहतक से हूं और हॉलीवुड एक्टर्स का फैन हूं, मेरे कमरे में अर्नोल्ड श्वार्जनेगर, सिल्वेस्टर स्टेलोन, टॉम क्रूज और क्लिंट ईस्टवुड के पोस्टर तक लगे थे। इन सितारों ने मुझे सपने देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि धीरे-धीरे स्टेज पर एक्टिंग की शुरुआत करने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि एक्टिंग केवल पोस्टर या फिल्मों तक सीमित नहीं है।

रणदीप ने बताया कि उन्होंने अलग-अलग तरह के अभिनय, फिल्मों और काम को समझने के लिए किताबें पढ़ना शुरू किया। उन्होंने बताया, मैंने धीरे-धीरे खुद को कई तरह की कला और सिनेमा से जोड़ा। मैं अभी भी इसे पूरी तरह समझने और खोजने और सीखने की कोशिश कर रहा हूं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणदीप हुड्डा जल्द ही अमेरिकी एक्शन-एडवेंचर कॉमेडी फिल्म मैचबॉक्स में दिखेंगे, जिसका निर्देशन सैम हार्ग्रेव कर रहे हैं। यह फिल्म मशहूर टॉय ब्रांड 'मैचबॉक्स' पर आधारित है, जिसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टियोना पैरिस, दानाई गुरिरा और कोरी स्टॉल जैसे एक्टर्स भी हैं। यह फिल्म साल 2026 में रिलीज होगी। इसके अलावा, रणदीप का एक और बड़ा प्रोजेक्ट ऑपरेशन खुकरी भी है। यह फिल्म मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया की किताब ऑपरेशन खुकरी- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियन आर्मी ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड पर आधारित है।

मैं बलिया से बॉलीवुड आया तो मुझे इंग्लिश नहीं आती थी

बिहार के बलिया जैसी छोटी सी जगह से बॉलिवुड तक का सफर एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी के लिए आसान नहीं रहा। एक समय सीए की पढ़ाई करने वाले सिद्धांत को एक्टिंग की धुन ऐसी लगी कि वे एक्टर बन कर ही माने। गली बॉय, गहराइयां, खो गए तुम कहां जैसी कई फिल्मों से चर्चित रहे सिद्धांत इन दिनों अपनी फिल्म धड़क 2 से चर्चा में हैं। इस मुलाकात में वो अपने स्ट्रगल, माता-पिता, प्यार-मोहब्बत की नाकामी और खुद के साथ हुए भेदभाव पर खुलकर बात करते हैं।

आप बिहार के बलिया जैसी छोटी-सी जगह से हैं, तो आपके लिए बलिया से लेकर बॉलीवुड तक का सफर कैसा रहा?

सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा- मैं समझता हूं कि मुझसे ज्यादा संघर्ष मेरे माता-पिता ने किया है। जिन परिस्थितियों में उन्होंने मुझे पाल-पोसकर बड़ा किया और जिस तरह से बेस्ट एजुकेशन दी, वो आसान नहीं था। जब मैंने कहा, मुझे बैंकर बनना है, तो उन्होंने उसे सपोर्ट किया। फिर जब मैं मुंबई आया, तो अपनी पूरी जिंदगी को छोड़कर मेरे अभिनय के सपने को पूरा करने यहां आए, तो उन्होंने मेरे लिए सबकुछ किया है। देखिए, सबसे मुश्किल होता है सदियों की कंडीशनिंग को तोड़ना। जाहिर सी बात है, हम ऐसे समाज से आते हैं, जहां लड़के को पढ़ाओ और सेटल करवाओ, का मामला होता है। मगर जब वह लड़का किसी और राह (फिल्म) चल निकलता है, तो रिश्तेदारों, पड़ोसियों से कट जाना कि कहीं कोई ये न पूछ ले कि तुम्हारा लड़का क्या कर रहा है? हमारा लड़का तो एमबीए कर रहा है, आईआईटी पास आउट हो चुका है। मगर वे किसी को क्या कहते कि वो तो बस्ता उठा कर ऑडिशन दे रहा है। फिट, नॉट फिट में उलझा हुआ है। मगर आज मैं बलिया से बॉलिवुड तक पहुंच पाया हूं, तो इसका श्रेय मेरे माता-पिता को जाता है कि उन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया।

आपकी फिल्म न केवल प्यार-मोहब्बत के जुनून को लेकर है बल्कि जातीय भेदभाव के मुद्दे पर भी वार करती है। आपने असल जिंदगी में डिस्क्रिमिनेशन कब महसूस किया?

भेद-भाव कई चीजों को लेकर होता है। चाहे वो कास्ट, जेंडर, वेट हो, रंग हो, कपड़े हों, बोलचाल हो, हर कोई रोजमर्रा की जिंदगी में थोड़ा-बहुत डिस्क्रिमिनेशन तो सहता ही है। आप अगर मेरा निजी अनुभव पूछें, तो जब मैं बलिया से यहां आया था, तो मुझे इंग्लिश नहीं आती थी। हिंदी भी उतनी अच्छी नहीं थी। मैं भोजपुरी में बात करता था। कोई भी जब मुझसे बात करता, तो मैं बोल नहीं पाता था और बहुत डर जाता था। मुझे लगता, मैं गूंगा हूं, मुझे तो इंग्लिश नहीं आती और जो भाषा मेरी है, उस पर तो सभी हंस देंगे। आखिरकार लड़कियों से प्यार करने के चक्कर में मैंने इंग्लिश तो सीख ली। खैर मैं भाषा को लेकर होने वाले भेदभाव की बात बता रहा हूं। आप किसी मॉल या रेस्टॉरेंट में जाएं और वहां किसी चीज का दाम हिंदी में पूछें, तो आपको एक हेय लुक मिलता है। मगर उसी चीज को अंग्रेजी में पूछ लें, तो आपका रुतबा बढ़ जाता है। अपनी जनरेशन में मुझे भाषा को लेकर इन्फीरियोरिटी कॉम्प्लेक्स काफी देखने को मिल रहा है। चाहे वो हमारी इंडस्ट्री में ही क्यों न हो। हमारे यहां कोई भी हिंदी में बात करता ही नहीं। हम बना हिंदी फिल्म रहे हैं और सब चीजें इंग्लिश में होती हैं।

आप कभी मर-मिटने वाले जुनूनी प्यार में पड़े हैं?

हां, हुआ है मेरे साथ। बहुत सारी मुश्किलात हुई हैं। सिद्धांत ने कहा- मैं प्यार के लिए घर से भागा भी हूं। सच कहूं तो मेरी पर्सनल लाइफ की लव स्टोरी का विलेन मेरी बेरोजगारी बन गई थी। मैं उस वक्त उस लायक नहीं था कि मैं जिम्मेदारी उठा पाऊं। ये तब की बात है, जब मैं अभिनय के क्षेत्र में आना चाहता था, मगर उन्हें वो मंजूर नहीं था, क्योंकि उसके पहले मैं सीए कर रहा था। जब मैं सीए कर रहा था, तो उनके मन में एक सिक्योरिटी थी कि मैं सीए बन जाऊंगा। मगर उसी दौरान मैं एक्टिंग के चक्कर में पड़ गया और उस वक्त मेरे पास दो रास्ते थे। या तो मैं अपने प्यार को अपना कर सीए बन जाऊं और जिंदगी भर घुटता रहूं कि काश मैंने अभिनय में किस्मत आजमाई होती या फिर मैं एक्टर बन जाऊं और इस रिश्ते को यहीं खत्म कर दूं। वो अफ़साना जिसे अंजाम तक लाना न हो मुमकिन, उसे एक खूबसूरत मोड़ देकर छोड़ना अच्छा, हमारे बीच एक म्यूचल अंडरस्टेंडिंग हुई क्योंकि हमें लगा हम दोनों ही खुश नहीं रह पाएंगे। फिर उन्हें कितना इंतजार करने को कहता, क्योंकि किसे पता था कि अभिनय में कब चांस मिलेगा। मैंने उनसे आखिरी मुलाकात में वादा कि ये हमारा बिछड़ना जाया नहीं जाएगा।

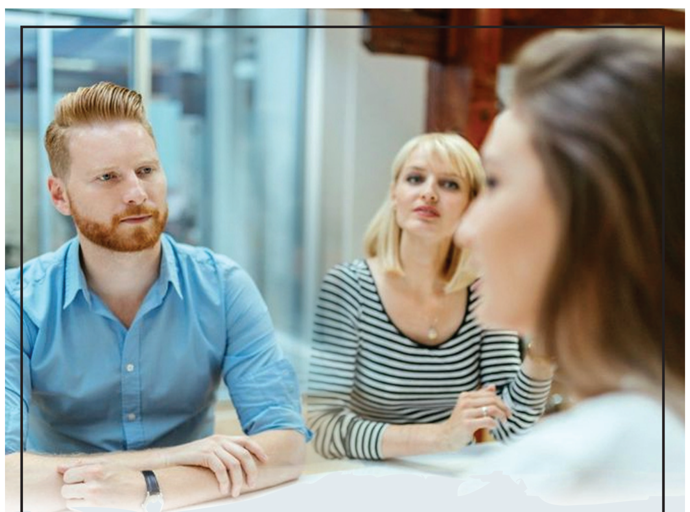

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी